वांगचुक का भाषण तीन मिनट का तो उसका अनुवाद आठ मिनट का क्यों-12

आयात बढ़ने से देश का व्यापार घाटा दोगुना होकर 10 अरब डॉलर के पार-12

ईरान बोला-अगर अमेरिका प्रतिबंध हटाए तो हम समझौते के लिए तैयार-13

टी-20 विश्वकप में इटली को 24 रनों से हराकर इंग्लैंड पहुंचा सुपर आठ में-14

आज का मौसम

24.0⁰ अधिकतम तापमान

13.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.50

सूर्यास्त 06.02

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन कृष्ण पक्ष अमावस्या 05:30 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 17 फरवरी 2026, वर्ष 5, अंक 358, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

गारमेंट फैक्टरी में अवैध रूप से बना रहे थे पटाखे, धमाके में 7 लोग जिंदा जले

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले के भिवाड़ी कस्बे में सोमवार को पटाखे बनाने वाली एक अवैध फैक्टरी में धमाके के साथ आग लगने से सात लोगों की मौत हो गई। प्रधानमंत्री मोदी ने हादसे में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट सुमित्रा पारीक ने बताया गारमेंट फैक्टरी में अंदर अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। मैनेजर पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

फैक्टरी में फंसे दो लोगों को निकालकर दिल्ली के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। यह हादसा भिवाड़ी के खुशखेड़ा-करोली औद्योगिक क्षेत्र में हुआ। पारीक ने कहा, परिसर को

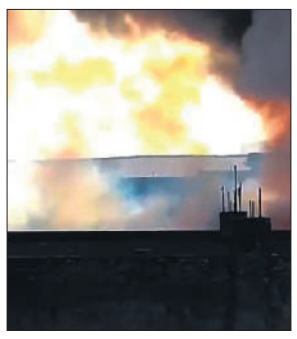

फैक्टरी में धमाके के बाद लगी आग।

- भिवाड़ी में घटी घटना, मैनेजर पुलिस की हिरासत में

गारमेंट फैक्टरी के लिए किराए पर लिया गया था, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार इसमें अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। पुलिस को घटना की जानकारी नियमित गश्त के दौरान मिली, इसके बाद तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार फैक्टरी में 20 से अधिक लोग मौजूद थे। आग लगते ही कुछ मजदूर बाहर निकलने में सफल रहे जबकि नौ लोग अंदर फंस गए। डेढ़ घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। शव बुरी तरह जले हुए थे, कई के कंकाल मिले।

भारी भीड़, लंबी कतारों के बीच एआई महाकुंभ का आगाज

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया का सबसे बड़ा एआई शिखर सम्मेलन सोमवार को भारी भीड़ और लंबी कतारों के बीच यहां 'भारत मंडपम' शुरू हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्सपो का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने प्रदर्शनी में हिस्सा ले रही स्टार्टअप कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद भी किया। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में प्रौद्योगिकी और उद्योग जगत के दिग्गज, नीति निर्माता, संस्थापक और विशेषज्ञ शामिल होंगे।

राष्ट्रीय राजधानी में सम्मेलन के प्रतिनिधियों, वक्ताओं और मेहमानों के स्वागत के लिए बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगाए गए हैं। सम्मेलन के सुबह साढ़े नौ बजे से काफी पहले ही भारत मंडपम के बाहर लंबी कतारें लग गईं, जो इस विषय और सम्मेलन में लोगों की गहरी रुचि को दर्शाता है। वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गज सुंदर पिचाई, सैम ऑल्टमैन और एंथ्रोपिक के सीईओ दारियो अमोडेई के सत्र बुधवार से पहले शुरू नहीं होंगे। शिखर सम्मेलन के अंतिम दो दिन 19 और 20 फरवरी को दुनिया के 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष और सरकार के प्रमुख हिस्सा लेंगे। 'समिट 2026' में प्रधानमंत्री मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा शामिल होंगे। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में 3,250 से अधिक वक्ता और 500 से अधिक सत्र होंगे। आयोजकों ने कहा कि पंजीकरण अपेक्षाओं से अधिक हुए हैं।

नई दिल्ली में स्टार्टअप कंपनियों के प्रतिनिधियों से संवाद करते प्रधानमंत्री मोदी।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्सपो का किया उद्घाटन, भारत मंडपम के बाहर लंबी कतारें लगीं
- प्रौद्योगिकी और उद्योग जगत के दिग्गज, नीति निर्माता, संस्थापक और विशेषज्ञ शामिल

गूगल, एनवीडिया, अमेजन, मेटा, ओपनएआई माइक्रोसॉफ्ट भी नवाचार को प्रदर्शित कर रही

सम्मेलन के दौरान एआई एक्सपो का भी आयोजन किया गया है, जहां प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां जैसे गूगल, एनवीडिया, अमेज़न, मेटा, ओपनएआई, माइक्रोसॉफ्ट और भारत की बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां अपने एआई नवाचार को प्रदर्शित कर रही हैं। यह एक्सपो एआई के बदलाव और विकास पर ध्यान केंद्रित करता है और इसमें 300 से अधिक प्रदर्शनियां, 13 देशों के पवेलियन शामिल हैं। इसके अलावा, एक्सपो में पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर भी जोर दिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

कांग्रेस का लोक भवन कूच, 500 गिरफ्तार

देहरादून। विभिन्न मुद्दों को लेकर उत्तराखंड कांग्रेस ने सोमवार को परेड ग्राउंड से लोकभवन के लिए कूच किया। इससे पहले राज्य के विभिन्न जिलों से आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने संबोधित किया। लोकभवन कूच के दौरान भारी पुलिस बल ने कार्यकर्ताओं को हाथी बड़कला में बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इस दौरान आगे लोकभवन की तरफ बढ़ने को लेकर प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ जमकर धक्का मुक्की हुई। पुलिस ने पार्टी प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, पूर्व सीएम हरीश रावत, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश समेत करीब 500 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर वाहनों में भरकर रेस कोर्स स्थित पुलिस लाइन भेजा। विस्तृत पेज-2

अंतरिम व्यापार समझौते को रूप देने अमेरिका जाएगा भारतीय दल

नई दिल्ली। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि अंतरिम व्यापार समझौते के कानूनी मसौदे को अंतिम रूप देने के लिए भारतीय अधिकारियों का एक दल अगले सप्ताह अमेरिका जाएगा। इस समझौते पर मार्च में हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। यह यात्रा 23 फरवरी से शुरू होने की संभावना है। भारत और अमेरिका ने इस महीने की शुरुआत में बयान जारी कर घोषणा की थी कि अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा तैयार कर ली गई है।

शबरिमला मामले में पूर्व टीडीबी सचिव जयश्री ईडी के समक्ष पेश हुईं

कोच्चि। शबरिमला सोना चोरी से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में टीडीबी की पूर्व सचिव एस जयश्री सोमवार को पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश हुईं। द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्ति से तौर पर सोना गायब होने से संबंधित मामले में चौथी आरोपी जयश्री की कथित भूमिका की जांच विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा की जा रही है। उन्हें जांच के तहत उच्चतम न्यायालय द्वारा अंतरिम सुरक्षा प्रदान की गई थी।

जनता से संवाद में धामी बोले-सरकार फाइलों में नहीं, मैदान में करेगी काम

हरिद्वार में चौपाल में बैठे राज्य के मुख्य सेवक, किया सीधा संवाद, लापरवाही पर सख्त चेतावनी

जन-जन की सरकार

- अफसरों को कड़े निर्देश-शिकायतों पर हो तुरंत कार्रवाई

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सोमवार को हरिद्वार में जनता के बीच बैठकर सीधे संवाद किया और स्पष्ट संदेश दिया कि सरकार अब फाइलों में नहीं, मैदान में काम करेगी।

ग्रामीण क्षेत्र के ग्राम आर्यनगर (गाजीवाली), श्यामपुर कांगड़ी में आयोजित ''जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार'' अभियान के अंतर्गत आयोजित ''मुख्य सेवक की चौपाल'' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के समक्ष विभिन्न गांवों के प्रधानों एवं स्थानीय नागरिकों ने समस्याएं रखीं। सीएम ने प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि किसी भी शिकायत को लंबित रखना स्वीकार्य नहीं होगा। स्पष्ट किया कि जन समस्याओं पर देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। अन्य विभागीय अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि जिन समस्याओं का समाधान तत्काल संभव है, उनका निस्तारण मौके पर ही किया जाए। सीएम ने कहा कि 'मुख्य सेवक की चौपाल' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार की जवाबदेही का जीवंत प्रमाण है। आमजन को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि प्रशासन स्वयं उनके द्वार तक पहुंचे। दो टूक कहा कि सरकार जनहित के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही लक्ष्य है। जन अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए हर स्तर पर जवाबदेही तय होगी। सीएम ने भरोसा दिलाया कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जाएगी और सरकार जनता के साथ हर समय, हर परिस्थिति में खड़ी है।

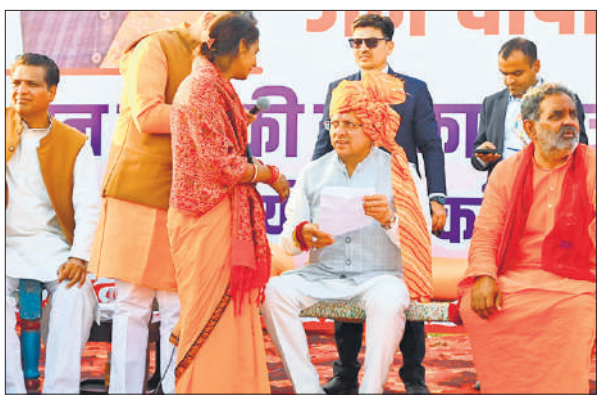

मुख्य सेवक की चौपाल' कार्यक्रम में जनसमस्याएं सुनते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

मैं जनता से अलग नहीं बल्कि सेवक

सीएम धामी ने कहा कि जनता का स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत और प्रेरणा है। उन्होंने स्वयं को जनता से अलग नहीं, बल्कि उनका सेवक बताते हुए कहा कि जनता की संतुष्टि ही उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है। यह कोई औपचारिक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच संवाद का एक जीवंत मंच है। स्पष्ट किया कि वे यहां लोगों की समस्याएं सुनने और उनके समाधान के लिए आए हैं। उन्होंने दोहराया कि सरकार का संकल्प प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाना है, ताकि आमजन को सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

किसी की आवाज दबाई नहीं जाएगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही सरकार का मूल मंत्र है। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जनहित सर्वोपरि रहे और किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। किसी की आवाज दबाई नहीं जाएगी। सरकार का लक्ष्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का पूरा लाभ पहुंचाना है। कहा कि जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के अंतर्गत बीते डेढ़ माह में प्रदेश में लाखों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। यह अभियान केवल समस्याओं का समाधान नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच विश्वास का सशक्त सेतु है।

नैनीताल-उत्तरकाशी में कोर्ट को उड़ाने की धमकी

संवाददाता, हल्द्वानी/देहरादून

- ई-मेल में लिखा गया था लिट्टे तथा आईएसआई का नाम
- दोनों जजों की ऑफिशियल आईडी पर भेजी ई-मेल, नहीं मिला कुछ

अमृत विचार: नैनीताल और उत्तरकाशी के जिला न्यायालयों को सोमवार को बम से उड़ाने की धमकी ई-मेल के जरिए मिलने के बाद राज्य में हड़कंप मच गया। अलर्ट मोड पर आई पुलिस टीमों, बम निरोधक दस्तों और डॉग स्क्वाड ने संयुक्त रूप से कोर्ट परिसरों की सघन चेकिंग की हालांकि कुछ नहीं मिला। इस मामले में एफआईआर दर्ज करते हुए आईपी एड्रेस के आधार पर ई-मेल भेजने वालों की तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, दोनों जिलों के जनपद न्यायाधीशों की ऑफिशियल आईडी पर भेजे गए ई-मेल संदेश लिखा था कि आपके कोर्ट के जज के चेंबर में 12 आरडीएक्स आईईडी लगाए गए हैं, जो जल्द ही फटेंगे। तमिलनाडु में ईडब्ल्यूएस रिजर्वेशन लागू होने से रोकें। दोपहर 12:15 बजे तक खाली करा लें। ई-मेल में प्रतिबंधित संगठन लिट्टे तथा पाकिस्तान आईएसआई का नाम भी लिखा हुआ था। सूचना मिलने पर कोर्ट परिसर पहुंचीं पुलिस की संयुक्त टीमों ने कोर्ट आने-जाने वाले हर व्यक्ति को गहन चेकिंग के बाद ही एंट्री दी। कोर्ट परिसरों के साथ ही न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं के चैंबर्स, रिकॉर्ड रूम, कैंटीन, गैलरी आदि में सर्च अभियान में कोई संदिग्ध पदार्थ नहीं मिला। हालांकि जिला अदालतों एवं न्यायाधीशों की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। चेकिंग के दौरान तीन से चार घंटे तक न्यायिक कामकाज ठप रहा।

आमजन को घबराने की जरूरत नहीं : डीजीपी

डीजीपी दीपम सेठ ने कहा कि नैनीताल व उत्तरकाशी में जिला न्यायाधीशों की ऑफिशियल आईडी पर ई-मेल के जरिए बॉम्ब थ्रेट की सूचना मिली थी। दोनों ही जिलों में पुलिस टीमों ने निर्धारित एसओपी के अनुसार कार्यवाही की। सिर्फ नैनीताल, उत्तरकाशी नहीं बल्कि हल्द्वानी और रामनगर में भी चेकिंग की गई। आमजन को घबराने की जरूरत नहीं है, पुख्ता चेकिंग की गई जिसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। ई-मेल करने वाले अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही है।

सीबीएसई छात्रों के लिए 10वीं की पहली बोर्ड परीक्षा में उपस्थित होना अनिवार्य

- पहले चरण में तीन विषयों में उपस्थित नहीं होने पर अनिवार्य पुनरावृत्ति श्रेणी में रखा जाएगा
- सीबीएसई 2026 से कक्षा 10वीं के लिए दो बोर्ड परीक्षाएं शुरू करेगा

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों के लिए पहली बोर्ड परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य है और जो विद्यार्थी पहले चरण में कम से कम तीन विषयों में उपस्थित नहीं होते हैं, उन्हें अनिवार्य पुनरावृत्ति श्रेणी में रखा जाएगा। सीबीएसई 2026 से कक्षा 10वीं के लिए दो बोर्ड परीक्षाएं शुरू करने जा रहा है।

बोर्ड द्वारा यह स्पष्टीकरण कुछ अनुरोध प्राप्त होने के बाद आया है, जिसमें कहा गया था कि कुछ कारणों से कक्षा 10वीं के जो विद्यार्थी पहली बोर्ड परीक्षा में शामिल नहीं हो पाएंगे, उन्हें दूसरी बोर्ड परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जानी चाहिए। परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा, सभी विद्यार्थियों के लिए पहली बोर्ड परीक्षा में उपस्थित होना अनिवार्य है। सभी उत्तीर्ण और पात्र विद्यार्थियों को विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी भी तीन विषयों में अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने की अनुमति दी जाएगी। पहली पहली परीक्षा में शामिल नहीं होने पर अगले वर्ष फरवरी में आयोजित होने वाली मुख्य परीक्षाओं में ही परीक्षा दे सकेंगे।

सूर्यग्रहण आज, आदित्य एल-1 रखेगा खास नजर

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: मंगलवार को लगने जा रहे सूर्य ग्रहण के अध्ययन को लेकर भारतीय सौर मिशन आदित्य एल 1 अहम किरदार निभाने जा रहा है। यह वलयाकार सूर्यग्रहण है, जो ऐसे हिस्से में दिखाई देगा, जहां चंद वैज्ञानिक ही आग के छल्ले में लिपटे सूर्य को देख पाएंगे। जिस कारण इस ग्रहण को लेकर आदित्य एल 1 की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

दुनिया के कई देशों की प्रयोगशालाएं अंटार्कटिका में मौजूद है और वहां सिर्फ वैज्ञानिकों का ही बसेरा रहता है। जिस कारण सिर्फ कुछ वैज्ञानिक ही वलयाकार ग्रहण को देख सकते है, जबकि दक्षिण अफ्रीका व अर्जेंटीना में आंशिक सूर्यग्रहण ही देखने को मिलेगा और दुनिया के अन्य हिस्सों में नहीं देखा जा सकेगा। इसलिए अंतरिक्ष में 15 लाख किमी दूर सूर्य को देख रहे आदित्य एल 1 की भूमिका बढ़ जाती है।

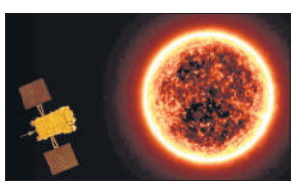

- अंटार्कटिका के बर्फीले क्षेत्र से होकर गुजरेगा वलयाकार सूर्यग्रहण

मौके को भुनाने में आदित्य कोई कसर नहीं छोड़ेगा

भारतीय समय के अनुसार सूर्यग्रहण दोपहर 3 .26 बजे लगना शुरू होगा। शाम 5 .42 बजे सूर्य का सर्वाधिक हिस्सा ग्रहण की चपेट में रहेगा। वलयाकार ग्रहण की अवधि मात्र दो मिनट की होगी, जबकि सायंकाल 7 .57 बजे सूर्यग्रहण समाप्त हो जाएगा। यह सूर्य ग्रहण 4282 किमी क्षेत्र से होकर गुजरेगा।

आदित्य एल 1 पहला भारतीय सौर मिशन है, जिसे 2 सितंबर 2023 में श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया गया था। यह पृथ्वी से लगभग 1 .5 मिलियन किलोमीटर दूर स्थापित है। यह 24 घंटे सूर्य को देख सकता है। 17 फरवरी को लगने जा रहा सूर्यग्रहण आदित्य एल 1 के लिए खास इवेंट होगा। आदित्य सूर्य ग्रहण विभिन्न स्थितियों में देख पाएगा और डाटा हम तक पहुंचाएगा।

– डॉ. वहाबउद्दीन, आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के पूर्व निदेशक व सौर वैज्ञानिक

जेईई मेन्स : पहले फेज में 12 अभ्यर्थियों को परफेक्ट 100

नई दिल्ली, एजेंसी

- 13.04 लाख उम्मीदवारों ने दी थी परीक्षा, परफेक्ट 100 में सभी लड़के

इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मुख्य 2026 में 12 अभ्यर्थियों ने 'परफेक्ट 100' अंक प्राप्त किए हैं, जिनमें से अधिकांश राजस्थान से हैं। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने सोमवार को यह घोषणा की।

इस महत्वपूर्ण परीक्षा के पहले संस्करण में 13.04 लाख से अधिक उम्मीदवार शामिल हुए थे। जिन प्रतिभागियों ने एनटीए में 'परफेक्ट 100' अंक प्राप्त किए हैं, उनमें से तीन राजस्थान से, दो आंध्र प्रदेश व एक-एक दिल्ली, बिहार, ओडिशा, हरियाणा, महाराष्ट्र, गुजरात और तेलंगाना से हैं। ये सभी 12 अभ्यर्थी लड़के हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, एनटीए स्कोर ऐसे सामान्यीकृत अंक हैं जो कई पालियों में आयोजित परीक्षा के प्रश्न पत्रों में समान रूप से मापने के लिए तैयार किए जाते हैं। ये अंक उस पाली में परीक्षा देने वाले सभी उम्मीदवारों के सापेक्ष प्रदर्शन के आधार पर निर्धारित किए जाते हैं। प्रत्येक पाली में उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त अंक 0 से 100 तक के पैमाने में परिवर्तित किए जाते हैं। एनटीए अंक प्राप्त अंकों के प्रतिशत के समान नहीं होते। परीक्षा के सुचारू संचालन की निगरानी और सुविधा प्रदान करने के लिए एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष खोला गया था।

सुनवाई | पीठ ने कहा- यह मामला जटिल और संवेदनशील मुद्दों से संबंधित, आक्षेपित प्रावधानों पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार

डेटा संरक्षण 2023 कानून से संबंधी याचिका पर केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम, 2023 के कई प्रावधानों की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को केंद्र को नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत ने हालांकि आक्षेपित प्रावधानों पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया और कहा कि जब तक हम मामले की सुनवाई नहीं करते, तब तक अंतरिम आदेश से संसद द्वारा लागू की गई व्यवस्था को रोका नहीं जा सकेगा।

सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने सूचना के अधिकार अधिनियम के प्रावधानों में संशोधन को लेकर डीपीडीपी अधिनियम और डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम 2025 के कुछ प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र को नोटिस जारी किया। पीठ ने तीन याचिकाओं, डिजिटल समाचार मंच 'द रिपोर्टर्स कलेक्टिव' की ओर से वेंकटेश नायक, पत्रकार नितिन सेठी और राष्ट्रीय जन सूचना अधिकार अभियान (एनसीपीआरआई) द्वारा दायर, को भी बृहद पीठ के पास भेज दिया। इन याचिकाओं में विश्वसनीयता संबंधी प्रावधानों पर चिंता जताई गई है, जो केंद्र सरकार को अपने विवेक से किसी भी डेटा प्रबंधन संस्था से डेटा प्राप्त करने की अनुमति देते हैं। पीठ ने कहा कि यह मामला जटिल और संवेदनशील मुद्दों से संबंधित है, और इसमें दो परस्पर विरोधी मौलिक अधिकारों, सूचना के अधिकार और निजता के अधिकार के बीच संतुलन बनाना शामिल है। सीजेआई ने कहा, यह परस्पर विरोधी हितों को संतुलित करने का मामला है। हमें सभी जटिलताओं को दूर करना होगा और यह निर्धारित करना होगा कि व्यक्तिगत जानकारी क्या होती है। याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश हुए अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने ऐतिहासिक सुभाष अग्रवाल फैसले का हवाला देते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने पहले ही आरटीआई और निजता के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए एक ढांचा तैयार कर लिया है। पीठ ने हालांकि कहा कि नए विधायी ढांचे के लिए एक नए, गहन परीक्षण की आवश्यकता है। याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिंघवी ने अतिरिक्त दलीलें पेश करने की कोशिश की, लेकिन कोर्ट ने केंद्र से व्यापक जवाब सुनिश्चित करने के लिए नोटिस जारी करने की कार्यवाही शुरू कर दी। मामले की सुनवाई मार्च में निर्धारित की है।

धार्मिक स्थलों पर महिलाओं से भेदभाव मामले की 9 जजों की पीठ करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि नौ न्यायाधीशों की पीठ केरल के शबरिमला मंदिर सहित विभिन्न धर्मों और धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से संबंधित याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई शुरू करेगी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि गठित की जाने वाली यह पीठ सात अप्रैल को याचिकाओं पर महत्वपूर्ण सुनवाई शुरू करेगी। सुनवाई 22 अप्रैल को पूरी होने होने की संभावना है। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्होंने शबरिमला से संबंधित उस फैसले की समीक्षा याचिकाओं का समर्थन किया है, जिसमें केरल के पवित्र पर्वतीय मंदिर में सभी आयु वर्ग की महिलाओं के प्रवेश की अनुमति दी गई थी। शबरिमला फैसले की समीक्षा का समर्थन करने वाले पक्षों के लिए पीठ द्वारा नियुक्त वकील कृष्ण कुमार सिंह नोडल अधिवक्ता हैं। सीजेआई ने कहा, हम यह उचित समझते हैं कि वरिष्ठ अधिवक्ता के परमेश्वर और शिवम सिंह को अदालत मित्र नियुक्त किया जाए। सिंह इस न्यायालय के समक्ष सभी पक्षों के विचार प्रस्तुत करेंगे।

अमृत विचार

हल्द्वानी , मंगलवार,17 फरवरी 2026

स्टेट ब्रीफ

उस्मान की जमानत पर 18 को सुनवाई

नैनीताल : नैनीताल में नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी ठेकेदार उस्मान खान की जमानत पर सोमवार को हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी नहीं हुई। अब अगली सुनवाई 18 फरवरी को होगी। आरोपी के जमानत प्रार्थना पत्र पर न्यायमूर्ति आलोक महरा की पीठ में सुनवाई हुई। आरोपी की ओर से कोर्ट में दावा किया गया कि दुष्कर्म का आरोप गलत एवं मनगढ़ंत है। पीड़िता और गवाहों के बयान में भारी विरोधाभास है। हालांकि आरोपी ने कहा कि घटना के दिन बिजली आपूर्ति बाधित थी और इसलिए सीसीटीवी की रिकार्डिंग नहीं है। पीठ ने सरकार को बिजली आपूर्ति बाधित होने के संबंध में तथ्यों की पुष्टि करने के लिए दो दिन का समय दिया है।

हाईकोर्ट ने न्यायमित्र से सुझाव मांगे

नैनीताल : हाईकोर्ट ने हल्द्वानी के नन्ही परी हत्याकांड में फांसी की सजा पाए अख्तर अली के शीर्ष कोर्ट से बरी हो जाने के मामले में महिला अधिवक्ता के खिलाफ सोशल मीडिया पर धमकी देने और अभद्र भाषा का प्रयोग करने के मामले में न्यायमित्र अधिवक्ता जेएस विर्क से सुझाव देने को कहा है। स्वत: संज्ञान वाली जनहित याचिका पर मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ में सोमवार को सुनवाई हुई।

समाज के हर व्यक्ति को मिल रहा विकास का लाभ: धामी

हरिद्वार में चौपाल में राज्य के मुख्य सेवक पुष्कर सिंह धामी ने किया जनता से सीधा संवाद, बोले- भ्रष्टाचार पर कर रहे प्रहार

संवाददाता, हरिद्वार

हरिद्वार में सोमवार को 'मुख्य सेवक की चौपाल' कार्यक्रम में जन अभिवादन स्वीकार करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और मुख्यमंत्री की चौपाल में उमड़ी जनता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से प्रदेश में विकास कार्यों को नई गति मिली है। डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता के कारण योजनाएं बिना भेदभाव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं। तकनीक और पारदर्शिता के माध्यम से भ्रष्टाचार पर सख्त प्रहार किया गया है और प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया गया है।

हरिद्वार ग्रामीण में सोमवार को 'मुख्य सेवक की चौपाल' कार्यक्रम में जनता से सीधा संवाद करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि, राज्य सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 28,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की जा चुकी हैं। पारदर्शी एवं निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से योग्य युवाओं को अवसर प्रदान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के लिए भी निरंतर प्रोत्साहित कर रही है, जिससे प्रदेश का युवा आत्मनिर्भर बन सके और राज्य के समग्र विकास में भागीदार बन सके। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा और उनकी आय में वृद्धि के लिए सरकार द्वारा अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। किसानों की समस्याओं के समाधान, कृषि उत्पादों के बेहतर मूल्य, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार तथा आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार किसानों के समग्र सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू कर उत्तराखंड ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह निर्णय सामाजिक समरसता, समानता एवं न्याय की भावना को सुदृढ़ करने वाला है। उन्होंने इसे राज्य की जनता के हित में लिया गया दूरदर्शी एवं साहसिक निर्णय बताया। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की भावना के साथ कार्य कर रही है तथा प्रदेश के युवाओं, किसानों और आमजन के कल्याण हेतु निरंतर प्रयासरत रहेगी।

सीएम ने डाला विकास पर प्रकाश

हरिद्वार ग्रामीण क्षेत्र के विकास पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क, बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए सुधार अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। किसानों के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया गया है तथा कृषि को लाभकारी बनाने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और कौशल विकास से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कार्य किए जा रहे हैं। मातृशक्ति के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं संचालित हैं।

उत्तराखंड को बनाएंगे श्रेष्ठ राज्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता के सुझाव ही सरकार के लिए मार्गदर्शन का कार्य करते हैं। सरकार और जनता यदि साथ मिलकर कार्य करें तो विकास की कोई सीमा नहीं रहती। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेशवासियों के सहयोग और विश्वास से उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने के 'विकल्प रहित संकल्प' को अवश्य सिद्ध किया जाएगा। कार्यक्रम में पूर्व विधायक स्वामी यतीश्वरानंद, जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अधिकारी तथा स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

यूएमसी में नियुक्तियों में गड़बड़ी को चुनौती

नैनीताल: उत्तराखंड हाईकोर्ट ने उत्तराखंड मेडिकल काउंसिल में तदर्थ नियुक्तियों में गड़बड़ी के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रदेश सरकार और मेडिकल काउंसिल को स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया है। देहरादून निवासी अजय नारायण शर्मा की ओर से दायर जनहित याचिका पर सोमवार को मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में सुनवाई हुई।

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि उत्तराखंड मेडिकल काउंसिल में तदर्थ नियुक्तियों में गड़बड़ियां हुई हैं। निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया है। जब याचिकाकर्ता की ओर से इस संदर्भ में सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी मांगी गयी तो बताया गया कि यह इससे संबंधित फाइल गायब है। पुलिस में मामला दर्ज कराया गया है लेकिन पुलिस ने कहा कि बिना विभागीय जांच के वह कुछ नहीं कर सकती है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि मामले में संविधान की धारा-16 का उल्लंघन हुआ है। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गयी है। मामले में आयुष विभाग व उत्तराखंड मेडिकल काउंसिल को पक्षकार बनाया गया है।

आयोग सचिव ने की उत्तराखंड की सराहना

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: केंद्र सरकार द्वारा कारोबार में सुगमता बढ़ाने के लिए गठित टास्क फोर्स की अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सचिव मीता राजीव लोचन एवं मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में राज्य में ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस (फेज 2) के अंतर्गत हो रहे कार्यों की समीक्षा की गई। सचिव लोचन ने बताया कि उत्तराखंड ने डी-रेगुलेशन 1.0 कम्प्लायंस रिडक्शन में देश में पांचवां स्थान प्राप्त किया है।

उन्होंने उत्तराखंड सरकार द्वारा सिंगल विंडो सिस्टम, लैंड यूज, होम स्टे तथा उद्यमिता एवं श्रम सुधारो के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयोगों की सराहना करते हुए कहा कि उत्तराखंड के लिए फेस-2 के तहत नौ प्राथमिकताएं निर्धारित की गई हैं, जिसमें राज्य को भूमि उपयोग, भवन एवं निर्माण की स्वीकृति के लिए सिंगल विंडो सिस्टम, पर्यावरण, पर्यटन के क्षेत्र में नवाचार, जैसी प्राथमिकताएं शामिल हैं। इन प्राथमिकताओं का उद्देश्य राज्य में विकास कार्यों को और गति देना, निवेश और आधारभूत संरचना को और ज्यादा मजबूत करना तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। सचिव ने सुझाव दिया कि उद्योग से संबंधित प्रकरणों एवं प्रस्तावों को निर्धारित समय के अंदर मंजूरी मिले इसके लिए भी कार्य किया जाए। साथ ही छोटे उद्योगों के लिए स्वप्रमाणन की व्यवस्था लागू की जाए ताकि छोटे निवेशकों को भी बढ़ावा मिल सके।

ऐतिहासिक होगी चारधाम यात्रा

ऋषिकेश: उत्तराखंड में चार धाम यात्रा को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय की अध्यक्षता में सोमवार को यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और श्रद्धालुओं के लिए सहज बनाने के उद्देश्य से उच्चस्तरीय बैठक आयोजित हुई, जिसमें व्यवस्थाओं को लेकर व्यापक रणनीति तय की गई।

बैठक में होटल व्यवसायियों, परिवहन संचालकों, डंडी-कंडी संघ और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग कर यात्रा प्रबंधन पर अपने सुझाव दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस बार श्रद्धालुओं की संभावित रिकॉर्ड संख्या को देखते हुए व्यवस्थाओं में कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी। आवास से लेकर यातायात, पंजीकरण से लेकर भीड़ नियंत्रण, पार्किंग से लेकर स्वच्छता एवं आपदा प्रबंधन तक हर पहलू पर गहन समीक्षा की गई।

कांग्रेस का लोक भवन कूच, पुलिस से जमकर धक्कामुक्की

मुख्य संवाददाता, देहरादून

परेड ग्राउंड से लोकभवन के लिए कूच करते पूर्व सीएम हरीश रावत, विधायक सुमित हृदयेश और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते पार्टी अध्यक्ष गणेश गोदियाल। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न, बेरोजगारी, जंगली जानवरों के आतंक जैसे विभिन्न मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को लोक भवन कूच किया। इससे पूर्व हजारों की संख्या में अलग-अलग जिलों से आए कांग्रेस जन परेड ग्राउंड में एकत्रित हुए। जहां पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने मंच से सभा को संबोधित करते हुए एकजुट होने का आह्वान किया और उनका जोश भरा।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में कांग्रेसी पैदल मार्च निकालते हुए एग्ले हॉल चौक से होते हुए जैसे ही न्यू कैंट रोड पहुंचे, तभी पुलिस ने हाथी बड़कला में बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया। इस दौरान आगे लोकभवन की तरफ बढ़ने को लेकर प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ जमकर धक्का मुक्की हुई। काफी देर वहां हंगामा होने के बाद पुलिस ने प्रदर्शन में शामिल रहीं पार्टी प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, प्रदेश अध्यक्ष गोदियाल, चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरक सिंह पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, चुनाव कैम्पेन कमेटी के अध्यक्ष प्रीतम सिंह और नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य समेत लगभग 500 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया और वाहनों में भरकर रेस कोर्स स्थित पुलिस लाइन भेज दिया।

इस मौके पर यशपाल आर्य ने आरोप लगाते हुए कहा कि, भाजपा सरकार के कुशासन से मुक्ति पाने के लिए आज एक जन सैलाब देहरादून की सड़कों पर उतरा है। राज्य में प्रचंड बहुमत की सरकार ने जनादेश का अपमान किया है। राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है और राज्य में जंगल राज कायम है, चारों तरफ बढ़ते अपराधों से भय का वातावरण व्याप्त है। प्रदेश में रोजगार खत्म हो गए हैं और नौजवानों के हाथों में काम नहीं है। अस्पतालों की स्वास्थ्य सुविधाएं बदहाल पड़ी हुई है। कहा कि आज भी धराली बूढ़ा केदार से लेकर घनसाली, आपदाग्रस क्षेत्र जोशीमठ, थराली, मुनस्यारी, धारचूला और तराई क्षेत्रों में आपदा से प्रभावित परिवारों को बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल पाई है, उन्हें मुआवजा नहीं मिल पाया है। आर्य ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के आंदोलन का कुचलने के लिए रात भर मे सड़कों पर लगे कांग्रेस के पोस्टर बैनर हटा दिए गए। लेकिन अब यह आंदोलन रुकने वाला नहीं है। हम और भी अधिक ताकत से भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों का जवाब देने के लिए तत्पर रहेंगे। गणेश गोदियाल ने आरोप लगाया कि, राज्य की भाजपा सरकार ने पुलिस के बल पर जन भावनाओं को दबाने का काम किया है।

बाजपेयी ने हल्द्वानी सिटी मजिस्ट्रेट का कार्यभार ग्रहण किया

हल्द्वानी : पीसीएस अधिकारी अब्ज प्रसाद बाजपेयी ने सोमवार को हल्द्वानी सिटी मजिस्ट्रेट का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। वह अब तक किच्छा शुगर मिल के महाप्रबंधक के पद पर तैनात थे। हाल ही में शासन ने उनका तबादल किया।कार्यभार ग्रहण करने के बाद बाजपेयी ने कहा कि शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है।

कहा कि एशियन विकास बैंक और विभिन्न सरकारी विभागों के बीच तालमेल स्थापित कर परियोजनाओं को समय से पूरा करना है। वह पूर्व में सिटी मजिस्ट्रेट के पद पर रह चुके हैं। वहीं, अब तक सिटी मजिस्ट्रेट के पद पर तैनात पीसीएस अधिकारी गोपाल सिंह चौहान का तबादला रामनगर में एसडीएम के पद पर हो गया है।

मैदान में चढ़ा पारा, पहाड़ों में ठंड बरकरार

- हल्द्वानी में अधिकतम तापमान 26.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ
- मुक्तेश्वर में अधिकतम तापमान 18.8 डिग्री सेल्सियस रहा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: प्रदेश में मौसम शुष्क रहने के बीच पहाड़ से लेकर मैदान तक तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई। अधिकांश स्थानों पर अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर रहा, जिससे दिन में हल्की गर्मी का अहसास हुआ।

जारी आंकड़ों के अनुसार देहरादून में अधिकतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 5 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री ऊपर है। हल्द्वानी में अधिकतम तापमान 26.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया। पर्वतीय क्षेत्रों में भी तापमान में वृद्धि देखने को मिली। मुक्तेश्वर में अधिकतम तापमान 18.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6 डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक है।

नई टिहरी में अधिकतम तापमान 18.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1 डिग्री ऊपर है।

दिन में धूप, शाम को छाई धुंध ने बढ़ाई ठंड

नैनीताल : सरोवर नगरी में सोमवार को दिन में धूप के बाद शाम को छाई धुंध ने ठंड बढ़ा दी है। नगर में सुबह के समय तेज धूप का मौसम बना हुआ था और दिनभर मौसम गर्म रहने की संभावना नजर आ रही थी, लेकिन दोपहर में मौसम ने रुख बदल लिया और बादलों के साथ धुंध छानी शुरू हो गई। अपरान्ह तीन बजे ठंड महसूस होने लगी। इसके बाद सायं 6 बजे तक धुंध छंट गई और मौसम खुशनुमा हो गया। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी धुंध और बादलों के छाने की संभावना बनी रहेगी। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 19 और न्यूनतम नौ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। आद्रता अधिकतम 80 व न्यूनतम 50 प्रतिशत रही।

638 कैंप, 2,77 लाख लाभान्वित

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में संचालित 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान उत्तराखंड में सुशासन और पारदर्शी प्रशासन का प्रभावी उदाहरण बनकर उभरा है। प्रदेश के सभी 13 जनपदों में निरंतर आयोजित हो रहे बहुउद्देशीय शिविरों के माध्यम से सरकार सीधे जनता तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रही है।

शासन के अधिकारियों के अनुसार, 16 फरवरी तक प्रदेशभर में 638 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। इन शिविरों में अब तक 4,97,107 से ज्यादा नागरिकों ने प्रतिभाग कर अपनी समस्याएं और मांगें दर्ज कराई हैं। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि सरकार का यह अभियान जनसरोकारों से सीधे जुड़कर परिणाम दे रहा है। अभियान के अंतर्गत अब तक 48,562 शिकायती पत्र प्राप्त हुए जिनमें से 32,583 शिकायतों का निस्तारण किया जा चुका है। इससे स्पष्ट है कि सरकार केवल शिकायतें सुन ही नहीं रही, बल्कि समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण भी सुनिश्चित कर रही है। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र जारी करने तथा आवेदन पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया के अंतर्गत अब तक 69,746 प्रकरणों में कार्रवाई की गई है। यह पहल आमजन को कार्यालयों के चक्कर लगाने से मुक्ति दिलाकर सेवाओं को उनके द्वार तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से भी बड़ी संख्या में नागरिकों को लाभान्वित किया गया है। अब तक 2,76,646 से ज्यादा व्यक्तियों को विभिन्न योजनाओं से लाभ मिला है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि सरकार की योजनाएं केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर व्यापक प्रभाव उत्पन्न कर रही हैं।

> सरकार का उद्देश्य प्रशासन को जनोन्मुखी, जवाबदेह और पारदर्शी बनाना है। 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान इसी संकल्प का जीवंत उदाहरण है, जिसके माध्यम से सरकार अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।
> -पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

जनपदवार आंकड़े भी इस अभियान की व्यापकता को रेखांकित करते हैं। हरिद्वार, देहरादून, ऊधमसिंह नगर, पिथौरागढ़, अल्मोड़ा सहित सभी जिलों में बड़ी संख्या में लोगों की शिकायतों का समाधान हुआ है। पिथौरागढ़, पौड़ी, नैनीताल, उधम सिंह नगर और उत्तरकाशी में आज भी शिविरों का आयोजन कर नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया गया।

हाईकोर्ट | खुर्शीद अहमद की याचिका पर मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में सुनवाई हुई

एलीवेटेड परियोजना को चुनौती देती याचिका खारिज

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने देहरादून के रिस्पना और बिंदाल एलीवेटेड परियोजना को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को पोषणीय न पाते हुए खारिज करते कहा कि अभी उनको नोटिस नहीं आया है। नोटिस आने पर वे अपनी आपत्तियां सक्षम फोरम में दे सकते हैं।

खुर्शीद अहमद की ओर से दायर याचिका पर मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता ने कहा कि सरकार यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए रिस्पना और बिंदास नदियों पर एलीवेटेड रोड का निर्माण कर रही है। इससे 27 गांव प्रभावित हो रहे हैं। सरकार की ओर से कहा गया है कि अभी परियोजना पर काम शुरू नहीं हुआ है। परियोजना अभी प्रारंभिक चरण में है। पर्यावरणीय प्रभाव आकलन एवं भूकंपीय भू तकनीकी अध्ययन कराया गया है।

स्थिति स्पष्ट करे सरकार

नैनीताल : हाईकोर्ट ने भारत सरकार के गजट नोटिफिकेशन में अंग्रेजी वर्तनी में जनजातीय क्षेत्र जौनसारी का नाम गलत प्रकाशित होने के मामले में सोमवार को सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से संशोधन को लेकर स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने मधु चौहान की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद ये निर्देश जारी किए। केंद्र सरकार की ओर से जवाबी हलफनामा दायर किया गया। इस मामले में दो सप्ताह बाद सुनवाई होगी।

वित्त विभाग के आदेश पर रोक

नैनीताल : हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने लोक निर्माण विभाग व सिंचाई विभाग के नियमित व वर्कचार्ज कर्मचारियों को पेंशन से बाहर करने वाले वित्त विभाग के 16 जनवरी के आदेश पर रोक लगा दी है। इस आदेश में वर्ष 2016 के बाद नियमित हुए कर्मचारियों की पेंशन पर रोक लगा दी थी। साथ ही, जिन कर्मचारियों को पेंशन मिल रही थी, उनकी पेंशन भी बन्द कर दी गई थी। इस मामले में शीतकालीन अवकाश के दौरान न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की पीठ ने भी कुछ कार्मिकों की याचिका की सुनवाई के बाद वित्त विभाग के 16 जनवरी के आदेश पर रोक लगाई थी किन्तु वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ ने विगत दिनों इस आदेश पर रोक नहीं लगाई और सरकार से जबाव मांगा था।

सरकार और एसडीएम से जवाब तलब

नैनीताल : हाईकोर्ट ने खटीमा में प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के चुनाव में हंगामे के बाद मतगणना रोके जाने एवं मतपेटियों को सील करने के मामले में सोमवार को सुनवाई करते हुए राज्य सरकार समेत उप जिलाधिकारी (एसडीएम) को नोटिस जारी कर 25 मार्च तक जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। खटीमा व्यापार मंडल अध्यक्ष पद के उम्मीदवार अमन अरोड़ा की याचिका पर न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की पीठ में सुनवाई हुई। इस मामले में अगली सुनवाई 25 मार्च को सुनवाई होगी।

गोपाल सिंह चौहान बने रामनगर के एसडीएम

हल्द्वानी : जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने दो पीसीएस अधिकारियों को इधर-उधर किया है। उन्होंने हल्द्वानी में सिटी मजिस्ट्रेट के पद पर तैनात गोपाल सिंह चौहान को रामनगर का एसडीएम नियुक्त किया है। वहीं, रामनगर में इसी पद पर तैनात प्रमोद कुमार को हल्द्वानी एसडीएम की जिम्मेदारी दी गई है।

बीती 17 जनवरी को हल्द्वानी एसडीएम राहुल शाह का तबादला होने के बाद यह पदरिक्त चल रहा था। हाल ही में किच्छा शुगर मिल के जीएम के पद पर तैनात एपी बाजपेयी को हल्द्वानी का सिटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। वह पूर्व में भी इस पद पर रह चुके हैं।

जैन दंपति हत्याकांड में सुनवाई पर हाईकोर्ट की रोक

विधि संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: पैंतीस वर्ष पहले हुए जैन दंपति हत्याकांड के मुख्य आरोपी भाजपा नेता गिरधारी लाल साहू उर्फ पप्पू गिरधारी को उच्च न्यायालय से फिलहाल राहत मिल गयी है। पप्पू गिरधारी उत्तराखंड की मंत्री रेखा आर्य के पति हैं। जस्टिस नन्द प्रभा शुक्ला ने अगली सुनवाई तक मामले को स्टे कर दिया है। जिला जज से पत्रावली के पुनर्गठन बाबत रिपोर्ट मांगी है। हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 12 मार्च को होगी।

इस मामले में पेश न होने पर तत्कालीन एडीजे-3 कोर्ट ने 29 जुलाई 2021 को पप्पू गिरधारी के विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी कर दिया था। अभियुक्त के वकील ने अर्जी देकर बताया था कि उनका मुवक्किल बुखार से पीड़ित है इसलिए पेश हो पाने में असमर्थ है, इसके बाद कोर्ट के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। जैन दंपति हत्याकांड जून 1990 में हुआ था। मृतक नरेश जैन व पुष्पा जैन की बेटी प्रगति जैन ने इस मामले में कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करायी थी।

बताया था कि 11 जून की रात सवा 9 बजे वे लोग टीवी देख रहे थे। उसी दौरान चाकू और डंडे लेकर कुछ लोग घर में घुस आए। इसके बाद उन लोगों ने पिता को चाकू से मार दिया। मां को भी चाकू से मारना शुरू कर दिया। नरेश व पुष्पा की मौत हो गयी थी।

सिटी ब्रीफ

सट्टा लगाते युवक दबोचा 1250 रुपये भी बरामद

हल्द्वानी : मंगल पड़ाव क्षेत्र में पुलिस ने सट्टा खिलाते एक युवक को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। कोतवाली पुलिस के अनुसार सोमवार शाम गश्त के दौरान टेम्पो स्टैंड के पास एक युवक खुलेआम सट्टे की खाईबाड़ी करता मिला। पुलिस ने आरोपी को पकड़ कर तलाशी ली तो उसके पास से सट्टा पर्चियां, डायरी और 1250 रुपये बरामद किए। पकड़े युवक ने अपना नाम राकेश सक्सेना निवासी नवाबी रोड बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

ट्रेन से महिला का पिट्ठू बैग चोरी, मुकदमा दर्ज

हल्द्वानी : काठगोदाम रेलवे स्टेशन पर देहरादून–काठगोदाम एक्सप्रेस से यात्रा कर रही एक महिला का पिट्ठू बैग चोरी हो गया। पीड़ित मंगल सिंह ने जीआरपी काठगोदाम को दी तहरीर में बताया कि वह 14 फरवरी को अपनी पत्नी प्रज्ञा सिंह के साथ देहरादून से काठगोदाम तक यात्रा कर रहे थे। 15 फरवरी की सुबह जब ट्रेन काठगोदाम स्टेशन पहुंची, तब किसी ने उनकी पत्नी का पिट्ठू बैग चोरी कर लिया। बैग में मोबाइल, लैपटॉप व अन्य सामान के साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक व एटीएम कार्ड आदि थे। जीआरपी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्रवाई में 254 वाहनों के चालान, 30 सीज

हल्द्वानी : परिवहन संभाग हल्द्वानी ने सोमवार को शहर के साथ ही रुद्रपुर, खटीमा, काशीपुर, टनकपुर और रामनगर क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। अभियान में मालवाहनों और डंपरों पर विशेष फोकस रखते हुए अनधिकृत रूप से चल रहे वाहनों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई की गई। बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से सोमवार से चलाए गए इस विशेष अभियान में कुल 254 वाहनों के चालान और 30 वाहन सीज किए गए। अभियान के दौरान ओवरलोडिंग, ओवरस्पीडिंग के साथ ही अन्य नियमों के उल्लंघन पर वाहनों पर कार्रवाई की गई। खनन सामग्री ढोने वाले वाहनों को ढककर चलाने के निर्देश दिए गए। बिना ढके सामग्री ले जाते पाए गए वाहनों के खिलाफ भी चालानी कार्रवाई की गई।

बम की धमकी मिलने के बाद नैनीताल में जिला न्यायालय परिसर में पहुंचा डॉग स्क्वायड।

हल्द्वानी जजी कोर्ट में बम धमकी की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुचे एसपी सिटी व अन्य पुलिस अधिकारी। ● अमृत विचार

रामननगर में न्यायालय परिसर में तलाशी लेते पुलिस अधिकारी। ● अमृत विचार

बम की धमकी के बाद छावनी बने कोर्ट परिसर

पुलिस व सुरक्षा बलों ने चप्पे-चप्पे पर की छानबीन, बम निरोधक दस्ता तैनात, डॉग स्क्वायड भी पहुंचा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सोमवार को पूरे शहर में हड़कंप मच गया। जिला न्यायाधीश प्रशांत जोशी को सोमवार सुबह करीब 8 बजे एक धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसके बाद तत्काल इसकी सूचना एसएसपी मंजूनाथ टीसी को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया और न्यायालय परिसर को छावनी में तब्दील कर व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार धमकी भरा ई-मेल ऑल इंडिया जजेस संगठन को भेजा गया था, जिसमें नैनीताल जिला न्यायालय को निशाना बनाने की बात कही गई। ई-मेल में दावा किया गया कि न्यायालय परिसर में जजों के चेंबर सहित 12 स्थानों पर आरडीएक्स लगाए गए हैं। ई-मेल में तमिलनाडु की डीएमके सरकार से ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू नहीं करने की मांग का भी उल्लेख किया गया है। हालांकि पुलिस फिलहाल पूरे मामले की जांच कर रही है और ई-मेल की सत्यता व स्रोत का पता लगाया जा रहा है। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस, बम डिस्पोजल स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं।

पूरे न्यायालय परिसर की सघन जांच की गई तथा सुरक्षा के मद्देनजर ड्रोन के माध्यम से भी निगरानी कराई गई। एहतियात के तौर पर न्यायालय परिसर में आम लोगों की आवाजाही सीमित कर दी गई। जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भागवत प्रसाद ने बताया कि ऑल इंडिया जजेस संगठन को प्राप्त ई-मेल में न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी, जिसके बाद प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत अवगत कराया गया। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां पूरी सतर्कता के साथ जांच में जुटी हैं।

रामनगर में न्यायालय परिसर के बाहर जांच करती पुलिस। ● अमृत विचार

50 फीसदी से अधिक का काम ठप

धमकी के चलते न्यायालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कई फरियादी बिना सुनवाई के ही वापस लौट गए। सुरक्षा जांच और प्रतिबंधों के कारण जिला न्यायालय में 50 प्रतिशत से अधिक न्यायिक कार्य प्रभावित रहा। एसएसपी के निर्देश पर सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए नैनीताल हाईकोर्ट परिसर में भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

धमकी देने वाले पर मुकदमा दर्ज

नैनीताल जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ तल्लीताल थाने में 351, बीएनएस 66 एफ, आईटी एक्ट संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। साथ ही ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। एसपी जगदीश चंद्रा ने बताया कि सुरक्षा को लेकर पुलिस बेहद गंभीर है। जांच पूरी होने तक न्यायालय परिसर में कड़ी निगरानी जारी रहेगी।

रामनगर में न्यायालय की सुरक्षा को पुलिस अलर्ट

रामनगर : नैनीताल जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा के दृष्टिगत रामनगर में भी न्यायालय परिसर की कड़ी जांच की गई। धमकी भरे ईमेल में जजों के चैंबर में आरडीएक्स लगाए जाने का दावा किया गया था। रामनगर में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट / सिविल जज (सीनियर डिवीजन) और सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के कार्यालय सहित न्यायालय परिसर के अंदर और बाहर पुलिस ने व्यापक जांच की। धमकी के चलते सुबह से अदालती कामकाज प्रभावित रहा। अधिवक्ता हिमांशु अग्रवाल ने बताया कि जिला जज कोर्ट सहित अन्य न्यायालयों में सुरक्षा के कारण परिसर खाली कराया गया। सुरक्षा एजेंसियां मामले की गंभीरता से जांच कर रही हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि धमकी भरे ईमेल देश की अन्य अदालतों को भी भेजे गए हैं। पुलिस क्षेत्राधिकारी सुमित पांडे और कोतवाल सुशील कुमार के नेतृत्व में पूरे क्षेत्र की चेकिंग की गई। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली और स्थिति फिलहाल सामान्य है। साइबर टीम ईमेल भेजने वाले की पहचान और स्रोत पता लगाने में जुटी हुई है।

धमकी या ईडब्ल्यूएस को मुद्दा बनाने की साजिश!

सर्वेश तिवारी, हल्द्वानी

- धमकी में तमिलनाडु में आरक्षण पर रोक लगाने की धमकी
- धमकाने वाले ने जज को ऑनरेबल कह कर किया संबोधित

अमृत विचार : कोर्ट को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी देना गंभीर मसला है, लेकिन धमकी में जिस तरह के शब्दों और बम के विवरण का इस्तेमाल किया है, उसने संदेह पैदा कर दिया है। क्या ये वाकई लिट्टे और आईएसआई पाकिस्तान से आई धमकी थी या फिर ईडब्ल्यूएस आरक्षण मुद्दे को हवा देने की साजिश। ऐसा माना जा रहा है कि आरक्षण पर रोक लगाने के मुद्दे को तमिलनाडु से निकाल कर देश व्यापी मुद्दा बनाने की योजना है। यही वजह है कि उत्तराखंड के साथ उत्तर प्रदेश में इस तरह की धमकी भेजी गई है।

जिला जज नैनीताल की अधिकृत ई-मेल पर यह धमकी सोमवार की सुबह 08:41:53 बजे भेजी गई। मेल की शुरुआती लाइन में धमकी देने वाले ने जज को आप कहके संबोधित किया है। अमूमन धमकी देने वाले शालीन भाषा का इस्तेमाल नहीं करते। धमकी में लिखा, "आपके कोर्ट के जज के चैंबर में 12 आरडीएक्स आईईडी लगाए गए हैं, जो जल्द ही फटेंगे। तमिलनाडु में "ईडब्ल्यूएस रिजर्वेशन" लागू होने से रोंके, दोपहर 12:15 तक सभी को खाली करा लें" ये मेल sunniya_dasan@outlook.com के नाम से भेजी गई। मैसेज में लिखा, "ऑनरेबल जज, डीएमके सरकार तमिलनाडु में डीडब्ल्यूएस रिजर्वेशन पर रोक लगाए।" कोर्ट में 12:15 बजे 12 सी-4 आरडीएक्स सिलिकॉन बेस फ्यूज आईईडी ब्लास्ट होगा।" अंत में लिखा, लिट्टे-पाकिस्तान आईएसआई।

इस मेल में लिखे एक-एक शब्द ऐसे लग रहे हैं, जैसे बड़े आग्रह के साथ धमकी दी गई है। धमकी देने वाले ने तो यहां तक लिख दिया है कि उन्होंने कौन-कौन सी सामग्री से मटेरियल तैयार किया है। ऐसे संभावना जताई जा रही है कि यह सिर्फ ईडब्ल्यूएस रिजर्वेशन के विरोध में किया गया है। धमकी भी इसीलिए दी गई ताकि इस आरक्षण को रोकने के लिए देश व्यापी मुद्दा बनाया जा सके। एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच में हर पहलू को खंगाला जा रहा है।

कोर्ट शुरू होते ही मिली धमकी की जानकारी

नैनीताल : जिला न्यायालय के अधिवक्ता निखिल बिष्ट ने बताया जैसे ही एक मामले की सुनवाई के लिए परिवार न्यायालय पहुंचे और मामले की सुनवाई शुरू हुई इसी दौरान न्यायालय कर्मचारी जज के पास पहुंचे और उन्होंने जज के कान में कुछ बात कही। इसके बाद जज अपनी कोर्ट से आनन फानन में चले गए। इसके बाद अधिवक्ताओं ने न्यायालय में बम होने की जानकारी एक दूसरे को दी। जिला न्यायालय के अधिवक्ता खुर्शीद अहमद ने बताया कि सुबह अधिकांश अधिवक्ता कोर्ट की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें कोर्ट में बम होने की सूचना मिली, जिसके बाद कोर्ट आए कई लोग वापस लौट गए। कुछ देर में कोर्ट को छावनी बना दिया गया।

धमकी से नहीं डरे अधिवक्ता, पुलिस ने की चेकिंग

हल्द्वानी : जिजा जज के कोर्ट रूम को बम से उड़ाने की धमकी जब हल्द्वानी पहुंची तो यहां भी सिविल एवं दंड न्यायालय में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही काठगोदाम पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। आनन-फानन में न्यायालय भवन को खाली करा लिया गया। हालांकि अधिवक्ता इस धमकी से डरे नजर नहीं आए। उन्होंने भवन तो खाली कर दिया, लेकिन परिषर में डटे रहे। मजे की बात तो यह है कि धमकी से निडर तमाम अधिवक्ता मंगलवार को होने वाले चुनाव प्रचार में भी जुटे रहे। इस बीच पुलिस ने बम और डॉग स्क्वाड के साथ सभी कोर्ट को चेक किया। कूड़ा-कबाड़ तक को खंगाल डाला।

एक बजे पहुंचे अधिकारी, पॉक्सो कोर्ट में हुई सुनवाई

हल्द्वनी : धमकी भरा ई-मेल सुबह 8 बजे ही आ चुका था, जिसके बाद नैनीताल के अलावा अन्य कोर्ट में ही अलर्ट कर दिया गया। हालांकि सिविल एवं दंड न्यायालय में पुलिस की ज्यादा सख्ती नहीं देखी गई। पुलिस ने पूरे परिसर को खाली कराने की जहमत नहीं उठाई। धमकी का समय गुजर जाने के बाद पोक्सो कोर्ट में काम-काज शुरू हो गया। दोपहर एक बजे एसपी सिटी मनोज कत्याल मौके पर पहुंचे, जिसके बाद पुलिस में हरकत दिखाई दी और इसी के बाद कोर्ट व कोर्ट परिसर को खंगालने का काम शुरू हुआ। पुलिस की लापरवाही को ऐसे भी समझा जा सकता है कि धमकी का टाइम गुजर जाने के बाद असल तलाशी शुरू हुई।

धमकी देकर आतंकियों ने कभी नहीं किया ब्लास्ट

हल्द्वानी : आतंकी धमाके को लेकर पहले भी कई बार धमकियां मिल चुकी हैं, लेकिन ऐसा शायद ही कभी हुआ हो जब धमकी के बाद धमाका हो गया हो। वर्ष 2019 की 14 फरवरी आपको याद होगी, जब सीआरपीएफ के काफिले पर आतंकी हमला हुआ था। 25 अप्रैल 2025 को पहलगाम में पर्यटकों पर अधाधुंध गोलियां चलाई गईं। 7 सितंबर 2011 को दिल्ली हाईकोर्ट परिसर के बाहर ब्लास्ट हुआ। इन सभी आतंकी हमलों में कई लोगों की मौत हुई, लेकिन किसी भी हमले से पहले धमकी नहीं आई और जब धमकियां आईं तो धमाका नहीं हुआ। ताजा मामले में धमाके का समय तक लिखा गया और फिर भी धमाका नहीं हुआ।

कुमाऊं में 4 मार्च को मनेगी होली

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: इस वर्ष रंगों का पर्व होली देशभर के साथ कुमाऊं मंडल में भी 4 मार्च को मनाया जाएगा। तिथियों के अंतर और पंचांग गणना को लेकर चल रही दुविधा को दूर करते हुए ज्योतिषाचार्यों ने स्पष्ट किया है कि पूर्णिमा तिथि की व्याप्ति और भद्रा रहित काल को देखते हुए 4 मार्च का दिन ही रंग खेलने के लिए शुभ है।

ज्योतिषियों के अनुसार पूर्णिमा तिथि के मान, सूर्योदय कालीन स्थिति और प्रतिपदा युक्त समय के समन्वय के आधार पर इस वर्ष किसी प्रकार का संशय नहीं है। कुमाऊं के पंचांगों में भी इस दिन ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति अत्यंत शुभ मानी गई है। कुमाऊं में होली का विशेष महत्व है। यहां बैठकी होली और खड़ी होली की परंपराएं महीनों पूर्व आरंभ हो जाती हैं। वर्ष 2025 में कुमाऊं में 15 मार्च जबकि अन्य स्थानों पर 14 मार्च को होली मनाई गई थी। वर्ष 2024 में कुमाऊं में 26 मार्च और अन्य हिस्सों में 24 मार्च, वर्ष 2023 में 8 मार्च और 7 मार्च तथा वर्ष 2022 में 19 मार्च और 18 मार्च को होली मनाई गई थी। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि वर्ष 2021 के बाद अब 2026 में ऐसा दुर्लभ संयोग बन रहा है, जब पूरे देश में एक ही दिन होली मनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि आगामी 2 मार्च को फाल्गुन शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी रहेगी, जबकि 3 मार्च को खग्रास चंद्र ग्रहण लगेगा। ग्रहण का सूतक काल सुबह 6:20 बजे से प्रारंभ होगा, जिसका धार्मिक दृष्टि से ध्यान रखना आवश्यक है।

> पूर्णिमा तिथि का मान और भद्रा काल का विचार करने के पश्चात 4 मार्च को ही प्रतिपदा युक्त समय में होली खेलना श्रेष्ठ है। कुमाऊं के पंचांगों के अनुसार भी इस दिन ग्रहों की स्थिति अत्यंत शुभ है। साथ ही 3 मार्च को सूतक काल सुबह 06:20 बजे से प्रारंभ होगा, जिसका ध्यान रखना अनिवार्य है।
> **-पूरन चंद्र त्रिपाठी**, ज्योतिषाचार्य

> क्षेत्रीय गणना और ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति के आधार पर वर्ष 2021 के बाद अब 2026 में ऐसा दुर्लभ संयोग बन रहा है, जब पूरे देश में एक साथ होली मनाई जाएगी। इस वर्ष तिथियों को लेकर कोई संशय नहीं है। 2 मार्च को फाल्गुन शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी और 3 मार्च को खग्रास चंद्र ग्रहण रहेगा।
> **-अशोक वार्ष्णेय**, ज्योतिषाचार्य

कड़ी सुरक्षा के बीच बार काउंसिल चुनाव आज

हल्द्वानी : बार काउंसिल उत्तराखंड के सदस्य पदों के लिए मंगलवार को प्रदेशभर में मतदान होगा। 23 सदस्य पदों के लिए कुल 104 अधिवक्ता चुनाव मैदान में हैं। हल्द्वानी से 9 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष किशोर कुमार पंत के अनुसार मतदान सुबह 10 बजे शुरू होगा। हल्द्वानी में अधिवक्ताओं के लिए छह मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां पहचान सत्यापन के बाद ही प्रवेश दिया जाएगा। बता दें कि बीते सोमवार को जिला जज को ई-मेल से मिली आरडीएक्स बम की धमकी के मद्देनजर प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

राजस्व विवादों के निपटारे में तेजी लाएं: डीएम

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने सोमवार को नैनीताल रोड स्थित कैंप कार्यालय में राजस्व विभाग की मासिक समीक्षा बैठक की। उन्होंने राजस्व एवं नागरिक सेवाओं के साथ ही विरासतन, नामांतरण एवं भूमि विवादों के मामलों का त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

डीएम रयाल ने सभी राजस्व मजिस्ट्रेटों को अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित पुराने वादों का समय पर निस्तारण के लिए नियमित न्यायालय में बैठकर वादों का निस्तारण करने के निर्देश दिए। सभी मजिस्ट्रेट न्यायालय कक्ष के बाहर बोर्ड में न्यायालय में बैठने का दिन व तिथि अवश्य ही अंकित करेंगे। तहसीलों में किसी भी निजी व्यक्ति की दखलंदाजी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि तहसील से किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त न हो। प्रशासन का सही संदेश जाना चाहिए, यदि कहीं पर भी शिकायत मिली तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कैंप कार्यालय में अधिकारियों की बैठक लेते डीएम ललित मोहन रयाल। ● अमृत विचार

निर्विवाद विरासत नामांतरण एवं अन्य राजस्व प्रकृति के विवादों को प्राथमिकता पर लेते हुए ग्राम स्तर पर चौपालें आयोजित कर मामलों का त्वरित समाधान किया जाय। राजस्व विभाग से जारी होने वाले प्रमाण पत्रों को निर्धारित समय पर जारी किया जाए। डीएम ने राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष शतप्रतिशत राजस्व वसूली की जाए। सभी उपजिलाधिकारियों को प्रत्येक सप्ताह संग्रह अमीनों की व्यक्तिगत कार्यकुशलता की समीक्षा के निर्देश दिए। जिन संग्रह अमीनों की वसूली जनपदीय औसत से कम है, उनके खिलाफ आवश्यक कार्यवाही की जाए। राजस्व वादों की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि तीन माह से अधिक समय से लंबित वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करें। इस दौरान एडीएम विवेक राय, एसपी सिटी मनोज कत्याल, सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी, एसडीएम जीएस चौहान, प्रमोद कुमार, नवाजिश खलीक, बीसी पंत आदि रहे।

निर्णय | एसएसपी ने मंडी सचिव और पुलिस अधिकारियों के साथ की बैठक, सुरक्षा निगरानी के लिए बनाया जाएगा सीसीटीवी ग्रिड

लिव-इन पार्टनर्स मर्डर केस : मंडी परिसर में बंद होंगी खुली सीढ़ियां

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : गल्ला मंडी में हुए सनसनीखेज लिव-इन पार्टनर्स मर्डर केस के बाद पुलिस और मंडी प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। एसएसपी कैंप कार्यालय में मंगलवार को हुई बैठक में मंडी परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह पुनर्गठित करने पर सहमति बनी। अहम निर्णय यह रहा कि मंडी में इमारतों तक जाने वाली सभी खुली सीढ़ियों को बंद किया जाएगा।

बैठक में एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने स्पष्ट किया कि मंडी परिसर में स्थित भवनों और गोदामों की छतों तक जाने वाली सीढ़ियों और मार्गों को बंद किया जाएगा, ताकि ऊंचे स्थानों का दुरुपयोग न हो सके। रात 9 बजे से सुबह 3 बजे तक मंडी परिसर की कैंटीन भी बंद रखने का निर्णय लिया गया है।

सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए मंडी समिति और पुलिस विभाग की संयुक्त कमेटी गठित की जाएगी, जिसमें फायर और संचार विभाग के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। यह कमेटी पूरे परिसर का सुरक्षा ऑडिट करेगी और निगरानी के लिए आधुनिक सीसीटीवी ग्रिड तैयार किया जाएगा। इसके अलावा मंडी में कार्यरत सभी मजदूरों और कर्मचारियों का सत्यापन अनिवार्य किया जाएगा। प्रत्येक आढ़ती, श्रमिक और कर्मचारी को मंडी समिति की ओर से पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। मंडी गेट पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती बढ़ाई जाएगी और प्रकाश व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया जाएगा।

बता दें कि बीते बुधवार रात मंडी परिसर में दो लोगों की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद सुरक्षा इंतजामों को लेकर प्रशासन पर सवाल उठे थे। बैठक में एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल, कृषि उत्पादन मंडी समिति के सचिव दिग्विजय सिंह देव, कोतवाल विजय सिंह मेहता मौजूद रहे।

मंडी समिति के सचिव व पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करते एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी।

कालाढूंगी फायरिंग मामला में 44 घंटे बाद भी आरोपी फरार

कालाढूंगी : बैलपड़ाव क्षेत्र में दो पक्षों के विवाद के दौरान हुई फायरिंग के 44 घंटे बाद भी पुलिस किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। घटना शनिवार देर रात हुई थी, जिसमें लवप्रीत सिंह (बच्चीनगर, बैलपड़ाव) और बबलू कुमार (छोई लगने) गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित की पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने रंजीत सिंह (बनीपुर), मलकीत सिंह (कनकपुर), गुरूप्रीत मलकीत सिंह (सैंखोपुरा) और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। घटना स्थल पर खाली खोखे व जिंदा कारतूस बरामद किए गए। सीओ सुमित पांडे और कोतवाल अरुण कुमार सैनी की तीन टीमें आरोपी की तलाश में दबिश दे रही हैं। आरोपी के दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। लवप्रीत सिंह का ऑपरेशन हल्द्वानी निजी अस्पताल में और बबलू कुमार का ऑपरेशन राममूर्ति बरेली में किया जा रहा है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही सभी आरोपी हिरासत में होंगे।

कलसिया ब्रिज बनाने के लिए हटाई जाएंगी दुकानें

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : काठगोदाम में कलसिया ब्रिज का निर्माण शुरू होने से पहले यहां अवैध दुकानों को हटाया जाएगा। दुकानों को हटाने के लिए नोटिस भेजा जा रहा है। जिसमें दुकानें स्वयं नहीं हटाने पर नगर निगम की ओर से अतिक्रमण हटाया जाएगा।

पहले चरण में 7 दुकानों को नोटिस भेजा गया है। जबकि कलसिया पुल के पास करीब 15 दुकानें अवैध बनी हैं। कलसिया ब्रिज बनाने की कवायद तेजी से की जा रही है। वर्तमान वैली ब्रिज की जगह नया ब्रिज बनाने से पहले एक वैकल्पिक सिंगल लेन वैली ब्रिज बनाया जाएगा, ताकि नए पुल के निर्माण के दौरान यातायात बाधित न हो। इसके बाद पुराने ब्रिज को शिफ्ट कर टू-लेन कंपोजिट पक्के ब्रिज का निर्माण किया जाएगा।

नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि अतिक्रमण चिन्हित कर लिया गया है और दुकान स्वामियों को नोटिस भेजे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि निर्धारित समय के दौरान स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि नैनीताल, भीमताल, भवाली, अल्मोड़ा सहित अन्य पर्वतीय क्षेत्रों को जाने के लिए कलसिया वैली ब्रिज से ही आवागमन होता है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , मंगलवार,17 फरवरी 2026

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

रीठा रामगढ़ में विराट हिन्दू सम्मेलन 17 को

धानाचूली : सकल हिन्दू समाज, रामगढ़ (नैनीताल) के तत्वावधान में 17 फरवरी को रीठा पोखरा स्थित श्रीराम मंदिर प्रांगण में 'विराट हिन्दू सम्मेलन' आयोजित होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 10:30 बजे सुंदरकांड पाठ से होगा, जिसे देवभूमि रंगमंच उत्तराखंड की टीम प्रस्तुत करेगी। कलाकार अमित भट्ट 'मोहन दा' की प्रस्तुति भी आकर्षण रहेगी। 11:30 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम, 12:30 बजे सभा व वक्ताओं का उद्बोधन तथा 2 बजे माघ खिचड़ी प्रसाद वितरण होगा। आयोजन समिति सदस्य कुन्दन सिंह चिलवाल ने अधिकाधिक सहभागिता की अपील की है।

सचिवालय का घेराव करेंगे मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी

नैनीताल। लोनिवि के मिनिस्ट्रीयल कर्मचारियों का पारस्परिक स्थानांतरण की मांग पर चल रहा अनिश्चितकालीन कार्यबहिष्कार लगातार जारी है। मांगों पर कार्रवाई नहीं होने से नाराज कर्मचारियों ने आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है। मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन के अध्यक्ष हिमेश सनवाल ने बताया कि 18 फरवरी को बड़ी संख्या में कर्मचारी देहरादून स्थित सचिवालय पहुंचकर घेराव करेंगे और अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन करेंगे। चेतावनी दी कि यदि शासन स्तर पर जल्द कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन और उग्र होगा।

साहित्यकार संतोष तिवारी को मिला सम्मान

रामनगर : साहित्य और लेखन के क्षेत्र में सक्रिय योगदान देने वाले पीरुमदारा निवासी संतोष कुमार तिवारी को प्रज्ञा हिंदी सेवार्थ संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित सप्तम् अंतरराष्ट्रीय प्रज्ञा सम्मान समारोह में अलंकृत किया गया। फिरोजाबाद में हुए कार्यक्रम में उनकी काव्य कृति अपने-अपने दण्डकारण्य का चयन किया गया। उन्हें पंडित जगन्नाथ लहरी स्मृति डॉ. माखनलाल पाराशर काव्य श्री अलंकरण से सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें अंगवस्त्र, श्रीफल, प्रमाणपत्र एवं चेक प्रदान किया गया। संतोष तिवारी वर्ष 2013 की उत्तराखंड आपदा के बाद अपनी मार्मिक कविताओं की श्रृंखला से चर्चा में आए थे। अब तक वे पांच पुस्तकों की रचना कर चुके हैं। वर्तमान में वह राइका शंकरपुर, पौड़ी गढ़वाल में प्रवक्ता (हिंदी) के पद पर कार्यरत हैं।

जगदीप सिंह और उनकी पत्नी काजल चीमा ने लिखी माटी से सोना उगलने की कहानी, लोग एप्पल बेर खरीदने को घर पहुंच रहे हैं

विदेश जाने का सपना छोड़ अपने वतन की मिट्टी में उगाए 'एप्पल बेर'

विनोद पपनै, रामनगर

अमृत विचार: आज जब बड़ी संख्या में युवा बेहतर भविष्य की तलाश में विदेशों का रुख कर रहे हैं, ऐसे में पीरुमदारा के छोटे से गांव भवानीपुर खुल्वे के एक दंपती ने अपनी जमीन पर रहकर खेती कर मिसाल पेश की है। उन्होंने विदेश में बसने का सपना त्याग अपनी मिट्टी में ही संभावनाएं तलाशीं और आज उनकी मेहनत 'एप्पल बेर' के रूप में फल दे रही है।

गांव भवानीपुर खुल्वे निवासी जगदीप सिंह के बड़े भाई प्रदीप सिंह ऑस्ट्रेलिया में परिवार सहित बस चुके हैं। परिवार की ओर से जगदीप पर भी ऑस्ट्रेलिया शिफ्ट होने का दबाव था, ताकि वे भी बेहतर जीवन

रामनगर में किसान जगदीप सिंह के पेड़ में लगे एप्पल बेर। ● अमृत विचार

किसान जगदीप सिंह।

के लिए विदेश जाएं। लेकिन जगदीप सिंह और उनकी पत्नी काजल चीमा ने तय किया कि वे अपना देश नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने ठान लिया कि अपने गांव में रहकर ऐसी खेती करेंगे।

प्रयोग से सफलता तक का सफर: करीब पांच वर्ष पहले उन्होंने 'एप्पल बेर' की खेती शुरू करने का फैसला किया। यह थाई प्रजाति की फसल मानी जाती है, जो आमतौर पर गुजरात, राजस्थान और बिहार जैसे गर्म इलाकों में उगाई जाती है। जगदीप ने पंतनगर, रुद्रपुर से एप्पल बेर के पौधे मंगवाए और अपनी दो एकड़ जमीन में करीब 250 पौधे लगाए। शुरुआत में यह एक प्रयोग था, लेकिन मेहनत, सही देखभाल और वैज्ञानिक पद्धति ने इसे सफल व्यवसाय में बदल दिया। उन्होंने अपने बागान में कश्मीरी बेर, कश्मीरी रेड बेर, ग्रीन एप्पल बेर और एप्पल बेर की चार प्रमुख किस्में लगाई हैं। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों से दूरी बनाकर जैविक खेती को अपनाया।

लगन से मिली सफलता

काजल चीमा का कहना है कि खेती को व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए धैर्य, निरंतर मेहनत और नई तकनीक अपनाने की सोच जरूरी है। उनका मानना है कि यदि किसान पारंपरिक खेती के साथ नई फसलों और आधुनिक तरीकों को अपनाएं, तो आय में कई गुना वृद्धि संभव है।

युवाओं के लिए प्रेरणा

जहां एक ओर युवा विदेश जाने का सपना देख रहे हैं, वहीं जगदीप और काजल ने अपनी मिट्टी में ही अवसर तलाश कर यह साबित कर दिया है कि सही सोच और मेहनत से गांव में रहकर भी सफलता हासिल की जा सकती है। आज उनका एप्पल बेर बागान न सिर्फ उनकी आय का मजबूत स्रोत है, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम भी है साथ ही यह संदेश देता है कि सचमुच सारे जहां से अच्छा, हिंदुस्तान हमारा।

70 क्विंटल तक उम्मीद

इस वर्ष उन्हें 50 से 70 क्विंटल तक उत्पादन मिलने की उम्मीद है। बाजार में एप्पल बेर की कीमत 100 से 150 रुपये प्रति किलो तक मिल रही है। स्थानीय लोग सीधे उनके घर पहुंचकर फल खरीद रहे हैं। जगदीप बताते हैं कि उनकी उपज की मांग अब केवल स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं रही, बल्कि देश के अन्य हिस्सों में भी सप्लाई की जा रही है। अच्छी गुणवत्ता और स्वाद के कारण ग्राहकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है।

आज हरिद्वार को कूच करेंगे विभिन्न संगठन

रामनगर: ग्राम पूछड़ी में आयोजित बैठक में बुलडोजर कार्रवाइयों पर रोक लगाने की मांग को लेकर 17 फरवरी को हरिद्वार में होने वाले सम्मेलन में भाग लेने का निर्णय लिया गया। सम्मेलन सैनी धर्मशाला में आयोजित होगा, जिसमें कुमाऊं गढ़वाल के विभिन्न क्षेत्रों से लोग, सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

बैठक में उत्तराखंड में वन अधिकार कानून 2006 को लागू करने, वन भूमि पर बसे लोगों को मालिकाना हक देने, मलिन बस्ती अधिनियम को प्रभावी रूप से लागू करने की मांग उठाई। लोकमंच के संयोजक मुनीष कुमार ने कहा कि बेदखली का सामना कर रहे लोगों को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जा रहा है। सरस्वती जोशी, किशन शर्मा, रेनू सैनी, दुर्गा देवी, सीमा, धना तिवारी, गंगा देवी, लीला देवी रहे।

हरीशताल-कौन्ता-स्युड़ा मोटरमार्ग में अनियमितताओं पर लोगों में उबाल

ब्लॉक प्रमुख के नेतृत्व में पीएमजीएसवाई कार्यालय का किया घेराव, खराब डामरीकरण का आरोप

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: विकासखंड ओखलकांडा अंतर्गत हरीशताल-कौन्ता-स्युड़ा मोटरमार्ग में कथित अनियमितताओं और घटिया डामरीकरण को लेकर क्षेत्र में जनाक्रोश खुलकर सामने आया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं किया गया है, जिससे सड़क की गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग गए हैं। इसी मुद्दे को लेकर ब्लॉक प्रमुख ओखलकांडा केडी रुवाली के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) कार्यालय, काठगोदाम का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने ढोल-नगाड़ों के साथ विरोध दर्ज कराते हुए विभागीय अधिकारियों के समक्ष निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर कड़ी आपत्ति जताई।

ब्लॉक प्रमुख ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनता के टैक्स के पैसे से बनने वाली सड़क में किसी भी

घेराव के दौरान अधिकारियों को लोगों की भावनाओं से अवगत कराते ब्लॉक प्रमुख ओखलकांडा एवं अन्य। ● अमृत विचार

खराब डामर हटाने का दिया आश्वासन

विभागीय अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि मार्च माह में खराब डामरीकरण हटाकर उच्च गुणवत्ता के साथ पुन: निर्माण कराया जाएगा तथा तकनीकी जांच भी कराई जाएगी। क्षेत्रवासियों ने स्पष्ट किया कि वह कार्य की निगरानी करेंगे और सुधार न होने पर व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा।

प्रकार की लापरवाही, भ्रष्टाचार या तकनीकी अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र प्रभाव से सड़क की गुणवत्ता में सुधार नहीं किया गया तो क्षेत्रवासी उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कार्यालय परिसर में पुलिस बल भी तैनात रहा। प्रदर्शन में हरीश मेवारी (यूकेडी), जिला पंचायत सदस्य डीकर मेवाड़ी, प्रकाश मटियाली, पूरन रुवाली, कमल नागदाली, कुंवर मटियाली, नरेंद्र गौनिया सहित कई जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

धान का भुगतान न मिलने से काश्तकार परेशान

रामनगर : रामनगर तहसील के लोकमानपुर चोपड़ा गांव निवासी 70 वर्षीय काश्तकार सुरेश नैनवाल अपने 80 क्विंटल धान का भुगतान न मिलने के कारण आर्थिक और मानसिक तनाव झेल रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों, मुख्यमंत्री पोर्टल और डीएम नैनीताल तक अपनी फरियाद दर्ज कराई, लेकिन आज तक उन्हें भुगतान नहीं मिला।

सुरेश नैनवाल।

सुरेश नैनवाल की 20 एकड़ कृषि भूमि में 15 एकड़ पर धान की खेती की गई। उन्होंने 18, 20, 22 सितंबर 2025, 2 दिसंबर और 8 दिसंबर 25 को अपने उत्पादन मंडी समिति रामनगर में दर्ज कराया। लेकिन 18 नवंबर 2025 की धान की तौल कंप्यूटर में दर्ज न होने के कारण उन्हें 6आर नहीं मिली और भुगतान रुका हुआ है। उन्होंने पीरुमदारा सहकारी समिति के संचालक पन्नालाल से कई बार संपर्क किया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। बाद में उन्हें मुख्यमंत्री पोर्टल और जिलाधिकारी नैनीताल को पत्र भेजने की सलाह दी गई। 30 जनवरी को रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से पत्र भी भेजा गया, लेकिन अभी तक कोई उत्तर नहीं आया और भुगतान नहीं हुआ।

अवशेष धनराशि 10 मार्च से पूर्व खर्च करें अधिकारी

विकास भवन सभागार में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक लेते जिलाधिकारी।

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल की अध्यक्षता में जनपद में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। डीएम ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि योजनाओं में शेष बची धनराशि को प्रत्येक दशा में 10 मार्च से पूर्व व्यय करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि बीस सूत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत सभी मदों में 'ए' श्रेणी बनाए रखने के लिए विभाग अभी से तैयारी सुनिश्चित करें। विगत महीनों में विभागों द्वारा बेहतर प्रगति की सराहना करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि मार्च तक भी इसी प्रकार लक्ष्य पूर्ण करते हुए जनपद को 'ए' श्रेणी में बनाए रखा जाए। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर सत्यापन करने के निर्देश दिए। साथ ही आगामी जिला योजना 2026-27 के लिए विभागीय प्राथमिकताओं के अनुसार योजनाओं का चयन करने, रूपरेखा तैयार करने तथा जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने को कहा। सड़क निर्माण एजेंसियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि मौसम अनुकूल होने के साथ जिन मोटर मार्गों पर हॉटमिक्स एवं डामरीकरण कार्य प्रस्तावित हैं, उन्हें शीघ्र प्रारंभ कर समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। जहां-जहां क्रैश बैरियर क्षतिग्रस्त हैं, उन्हें तत्काल बदला जाए तथा सड़कों की नियमित निगरानी कर सुचारू आवागमन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने जनपद की सभी झीलों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जाल आदि माध्यमों से झीलों की समय-समय पर सफाई कर स्वच्छता बनाए रखी जाए। बैठक में सीडीओ अरविंद कुमार पाण्डे, डीडीओ गोपाल गिरी, अर्थ एवं सांख्याधिकारी डॉ. मुकेश नेगी रहे।

कम सहभागिता से फीका रहा शिविर

- मुख्य विकास अधिकारी ने जताई नाराजगी
- विधायक सरिता आर्या भी रहीं शिविर में मौजूद

संवाददाता, भवाली

अमृत विचार: जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत सोमवार को भवाली में नगर पालिका के सहयोग से पालिका मैदान में बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर में अपेक्षा के अनुरूप जनसहभागिता नहीं रही और फरियादियों से अधिक कर्मचारी उपस्थित नजर आए। जिस पर सीडीओ ने नाराजगी जताई। कुछ लोगों ने लिखित व मौखिक रूप से अपनी समस्याएं दर्ज कराईं।

पूर्व पालिका अध्यक्ष संजय वर्मा ने फरसौली स्थित पटवारी चौकी

बहुउद्देशीय शिविर में शिकायतों का निराकरण करते अधिकारी। ● अमृत विचार

की समस्या उठाई। अमित पांडे ने अमृत सरोवर में जल संकट को लेकर जल संस्थान के समक्ष विरोध दर्ज किया। खजान भट्ट ने भवाली में आयुर्वेदिक चिकित्सालय बंद होने का मुद्दा उठाया। अन्य लोगों ने भी विभिन्न समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। शिविर से पूर्व मुख्य विकास अधिकारी अरविंद पांडे ने विभागों के स्टालों का निरीक्षण कर संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कम जनसहभागिता पर उन्होंने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी के प्रति नाराजगी भी व्यक्त की। शिविर में विधायक सरिता आर्या, परियोजना अधिकारी चंदा रफ्तयाल, डॉ. रमेश कुमार, पालिका अध्यक्ष पंकज आर्य, भाजपा मंडल अध्यक्ष हिमांशु बिष्ट सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

विवि की स्वायत्तता को बनाए रखने की मांग

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर के प्राध्यापकों की सोमवार को कुलपति प्रो. दिवान सिंह रावत के साथ बैठक आयोजित हुई। बैठक में विवि की स्वायत्तता बनाए रखने तथा शिक्षकों की उपस्थिति व्यवस्था को अधिनियम एवं परिनियमावली के अनुरूप लागू करने की मांग उठाई गई।

इस दौरान प्राध्यापकों ने कुलपति को ज्ञापन सौंपते हुए उस पर त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया। वक्ताओं ने कहा कि विश्वविद्यालय ने हमेशा राज्य हित, पर्यावरण संरक्षण और शोध कार्यों के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है, ऐसे में इसकी शैक्षणिक स्वायत्तता को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। प्राध्यापकों ने स्पष्ट किया कि शिक्षकों की उपस्थिति विश्वविद्यालय अधिनियम-1973 एवं परिनियमावली के अनुसार ही सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में भी शिक्षकों के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति जरूरी नहीं है और विश्वविद्यालयों की स्थापना गुणवत्तापूर्ण शोध एवं अकादमिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है। बैठक में प्रभारी कुलसचिव राकेश कुमार, प्रो. एलएम जोशी, प्रो. एमसी जोशी, प्रो. अतुल जोशी, प्रो. सूची बिष्ट, प्रो. बिमल, प्रो. सीमा, प्रो. संजय घिल्डियाल, डॉ. ललित तिवारी, प्रो. अनिल बिष्ट, डॉ. नीलू, डॉ. सुषमा, डॉ. प्रियंका, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. अशोक कुमार रहे।

छोटा कैलाश में 115 भक्तों ने किया तप

छोटा कैलाश मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व के दौरान रात के समय तपस्या करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: छोटा कैलाश में आयोजित तीन दिवसीय शिवरात्रि मेले का समापन विशाल भंडारे के साथ संपन्न हुआ। रविवार रात्रि को 115 श्रद्धालुओं ने चोटी स्थित मंदिर परिसर में विभिन्न मुद्राओं में खड़े होकर तपस्या की तथा भगवान शिव का स्मरण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मान्यता है कि शिवरात्रि की पावन रात्रि में यहां तप करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

आरती और प्रसाद वितरणके बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। मेले के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति मंदिर समिति और आदि कैलाश विकास समिति ने आभार व्यक्त किया। जिनमें उमेश पलड़िया, अनिल चनौतिया, त्रिलोचन पलड़िया, जीत सिंह संभल, डॉ. केदार पलड़िया शामिल रहे।

समस्या | वन विभाग पर पिंजरा लगाने के बावजूद एक भी बंदर नहीं पकड़ने का लगाया आरोप

चकलुवा में बंदरों ने ग्रामीणों का जीना किया मुहाल, दुकानदार भी परेशान

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: चकलुवा क्षेत्र में बंदरों के उत्पात से ग्रामीण और दुकानदार दहशत में हैं। मुख्य बाजार, रामपुर, विदरामपुर और रतनपुर क्षेत्रों में एक सप्ताह में बंदरों ने 6 लोगों को काटकर घायल किया। महिलाओं और बच्चों को स्कूल आने-जाने में मुश्किल हो रही है और दिनभर घर से बाहर निकलने में डर लगा रहता है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वन विभाग द्वारा पिंजरा लगाने के बावजूद कोई बंदर नहीं पकड़ा गया, जिससे लोगों में आक्रोश है। चकलुवा क्षेत्र में 100 से अधिक बंदरों के झुंड अलग-अलग जगह

चकलुवा में डंडा लेकर बंदरों को भगाता दुकानदार और कटखने बंदर के हमले में घायल ग्रामीण का इलाज करते डॉक्टर।

घूम रहे हैं। घटना में कुदंन आर्या के कंधे पर, मनोज साही की गर्दन पर, दीवान सैनी की पीठ पर और एक महिला व दो अन्य ग्रामीणों को बंदरों ने हमला किया।

दुकानदार कूकू पांडे और राकेश पांडे ने बताया कि बंदरों के भय से दुकान में बैठना मुश्किल हो गया है। भावना कांडपाल और भारत खोलिया ने कहा कि बंदर सामान उठाकर चले जाते हैं और लोग अपनी जान बचाने के लिए डरते हैं। प्रमोद तोमर ने बताया कि फल-सब्जी की सुरक्षा के लिए साथी डंडा लेकर तैनात हैं, लेकिन बंदर पलक झपकते ही सब्जी और फल उठा ले जाते हैं।

> चकलुवा क्षेत्र में बंदरों को पकड़ने के लिए मथुरा से टीम बुलाई गई है। पकडे गए बंदरों को रेस्क्यू सेंटर रानीबाग भेजा जाएगा।
> **-भूपेन्द्र सिंह बिष्ट**, डिप्टी रेंजर कालाढूंगी रेंज

> बंदरों के आतंक से बच्चों व महिलाओं का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। अब दुकान में बैठने में भी डर लग रहा है। **-कूकू पांडे**, दुकानदार

> क्षेत्र में बंदरों का आतंक बना हुआ है शासन व प्रशासन से बंदरों से पकड़ने की कई बार गुहार लगाई मगर समस्या का समाधान नहीं हुआ। **-दीवान सैनी**, ग्रामीण

> कल बंदर को भगा रहा था तो मुझ पर ही झपट पड़ा। मैंने दुकान में छिपकर अपनी जान बचाई। **-राकेश पांडे** स्थानीय दुकानदार

> बंदर कभी झपट्टा मार दुकान से समोसे, बन व अन्य सामान उठा ले जा रहे हैं। अब बंदर हम से नहीं, हम बंदरों से डर कर भाग रहे हैं। **-भावना कांडपाल**, दुकानदार

> दुकानों में बंदर पुलिस की तरह अचानक छाप मार कोई भी सामान उठा ले जा रहे हैं। सभी दुकानदार परेशान हैं। **-भारत खोलिया**, दुकानदार

> फल व सब्जी की सुरक्षा के लिए अब एक व्यक्ति हाथों में डंडा लेकर तैनात रहता है बंदर पलक झपकते ही सब्जी व फल उठा ले जा रहे हैं। **-प्रमोद तोमर**, फल-सब्जी विक्रेता

शिक्षिका को हटाने की मांग ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, नैनीताल

- न्याय पंचायत क्षेत्र के खेल मैदान में ताला लगाने से उपजा विवाद
- खुर्पाताल के प्राथमिक विद्यालय का है मामला

अमृत विचार: खुर्पाताल ग्राम सभा में विवाद के चलते सोमवार को ग्रामीणों ने प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका को हटाने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। मामला न्याय पंचायत क्षेत्र के खेल मैदान में ताला लगाए जाने से शुरू हुआ था।

खुर्पाताल के ग्रामीणों का आरोप है कि 2 दिसंबर को नव नियुक्त ग्राम प्रधानों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान शिक्षिका ने मुख्य गेट पर ताला लगा दिया था, जिसके बाद विरोध शुरू हो गया।ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने शिक्षा अधिकारी के सामने अपनी आपत्ति जताई और कार्रवाई की मांग की। इस दौरान उन्होंने शनिवार को स्कूल बंद रहने पर भी सवाल उठाए, जबकि उस दिन विभागीय अवकाश नहीं था। शिक्षा अधिकारी ने आश्वासन दिया कि पूरे प्रकरण की जांच कर उचित कदम उठाए जाएंगे। बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवकी बिष्ट, ग्राम प्रधान नलनी गोविंद अधिकारी, हंसी नेगी सहित सात ग्राम प्रधान और लगभग 150 ग्रामीण मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

वन विभाग की टीमों ने क्षेत्रों में गश्त शुरू की

नैनीताल : फायर सीजन के मद्देनजर वन विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। विभागीय टीमों ने अग्नि संभावित क्षेत्रों में गश्त शुरू कर दी है। वन विभाग के अनुसार, 15 फरवरी से 15 जून तक फायर सीजन रहेगा। डीएफओ आकाश गंगवार ने बताया कि डिवीजन के सभी रेंज अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दे दिए गए हैं। टीम जंगल में आग की संभावना वाले क्षेत्रों पर निगरानी रख रही है और स्थानीय लोगों के बीच जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। विभाग की सतर्कता का उद्देश्य जंगल में आग की घटना को समय रहते रोकना और वन संपदा की सुरक्षा करना है।

ईपीएस-95 समिति की बैठक, बनी रणनीति

हल्द्वानी : ईपीएस-95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति उत्तराखंड की सोमवार को आयोजित बैठक में पेंशनर्स की मांगों को लेकर आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया गया। जिला अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार वालिया ने बताया कि 18 फरवरी को परिवहन निगम के काठगोदाम डिपो में एक सभा का आयोजन किया जाएगा। इसमें आगामी 9 से 11 मार्च तक दिल्ली में होने वाले विशाल धरना-प्रदर्शन की रूपरेखा तय की गई। बैठक में कुमाऊं और गढ़वाल मंडल से पेंशनर्स की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। इस दौरान डॉ. जगदीश चंद्र पंत, जगत सिंह डोबाल, रूप चंद, इंद्र सिंह राणा सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

20 हजार की आबादी 3 दिन से पानी को तरसी

जल संस्थान के अधिकारियों को आपूर्ति ठप होने की खबर ही नहीं, बिठौरिया, दमुवाढूंगा, मल्ली बमौरी में लोग परेशान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: सर्दियों में भी हल्द्वानी की एक बड़ी आबादी पेयजल को तरस रही है। मामला दमुवाढूंगा, मल्ली बमौरी, बिठौरिया क्षेत्रों का है। यहां शीशमहल फिल्टर प्लांट से पानी की सप्लाई होती है लेकिन अलग-अलग कारणों से पानी नहीं आ रहा है। गजब बात यह है कि जल संस्थान के अधिकारियों की नजर में पानी की आपूर्ति पूरी तरह से बाधित नहीं है।

दमुवाढूंगा, बिठौरिया, मल्ली बमौरी में शनिवार को पूरे दिन पानी नहीं आया। जलसंस्थान से पता किया तो जानकारी मिली कि एक नई पाइप लाइन भी डाली जा रही है। उसमें कनेक्शनों को जोड़ने के लिए आपूर्ति रोकी गई है। देखने वाली बात यह है कि दिन के पूरे 24 घंटे में जलसंस्थान को नए कनेक्शन लगाने का टाइम उसी समय मिलता है जब इन क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति होती है। रविवार को दिन में 1.50 बजे पानी आया और दोपहर में दो बजे चला गया। विभाग के अधिकारियों के अनुसार पूरे समय पानी दिया था जबकि लोगों का कहना है कि पानी मुश्किल से 10 मिनट आया। रविवार को सफाई की वजह से पानी नहीं आया। विभाग को यह भी सुध नहीं रही कि करीब 20 हजार की आबादी प्रभावित है, कम से टैंकर भिजवा दें। लोगों का कहना है कि कि 10 दिनों से यही हाल है। कभी पाइप लाइन लीकेज की वजह तो कभी नए कनेक्शन के नाम पर पानी की आपूर्ति रोक रहे हैं। वहीं ईई आरएस लोशाली ने बताया कि सोमवार को सफाई कार्यों की वजह से पानी नहीं दिया गया था। शनिवार को पानी दिया गया था अगर सभी लोगों तक नहीं पहुंचा है इसको दिखवाएंगे। मंगलवार से पानी की आपूर्ति शुरू हो जाएगी।

इनटेक चैंबर की सुरक्षा जाली बदलते व सफाई कार्य करते जल संस्थान के कर्मचारी।

सरदार की कोठी के पास काम करते कर्मचारी।

शीशमहल प्लांट की मरम्मत से शहर में पानी का संकट

हल्द्वानी : शहर के एक बड़े क्षेत्र को पेयजल आपूर्ति करने वाले शीशमहल फिल्टर प्लांट संख्या-3 के इनटेक चैंबर में लगी क्षतिग्रस्त सुरक्षा जाली को बदलने और व्यापक सफाई कार्य के कारण कुसुमखेड़ा, मुखानी समेत दर्जनों कॉलोनियों में सोमवार को पानी का संकट गहरा गया। हालांकि, शाम तक आंशिक रूप से जलापूर्ति बहाल कर दी गई। जल संस्थान के अधिकारियों के अनुसार गौला नदी से नहर के माध्यम से आने वाले पानी के साथ भारी मात्रा में कूड़ा-कचरा और सिल्ट भी प्लांट तक पहुंचती है। इसे रोकने के लिए इनटेक पर सुरक्षा जाली लगाई गई है, जो लंबे समय से अत्यधिक दबाव के कारण क्षतिग्रस्त हो गई थी। 15 एमएलडी क्षमता वाले इस प्लांट की जाली बदलने और सफाई के लिए सुबह 9 बजे से शाम 3 बजे नियमित सप्लाई प्रभावित रही। मरम्मत कार्य के चलते तल्ली व मल्ला बमौरी, कुसुमखेड़ा, मुखानी, बिठौरिया, ऊंचापुल, दमुवाढूंगा, कठघरिया, पॉलीशीट और भोटियापड़ाव क्षेत्रों में पानी का संकट बना रहा। इधर भोटियापड़ाव क्षेत्र में आम्रपाली ट्यूबवेल बंद रहने के कारण समस्या और अधिक बढ़ गई। कई इलाकों में लोगों को वैकल्पिक व्यवस्था के तहत पानी जुटाना पड़ा। कनिष्ठ अभियंता सतीश बिष्ट ने बताया कि उपभोक्ताओं की सुविधा को देखते हुए सुबह 9 बजे तक जलापूर्ति की गई थी, जिसके बाद मरम्मत कार्य शुरू किया गया। मंगलवार सुबह से सभी प्रभावित क्षेत्रों में जलापूर्ति पूरी तरह सामान्य हो जाएगी।

बिल दिखाने पर ही शिफ्ट होंगे पानी के कनेक्शन

हल्द्वानी : पनचक्की से चंबलपुल तक चल रहे नहर कवरिंग कार्य के कारण जल संस्थान ने अपनी पाइप लाइनों को शिफ्ट कर रहा है। वर्तमान में यह कार्य सरदार की कोठी के समीप किया जा रहा है, जहां 12 इंच और 4 इंच की मुख्य लाइनों को सड़क के बीच से हटाकर किनारे शिफ्ट किया जा रहा है। अब तक करीब 40 कनेक्शनों को काटा गया है। जिसमें से केवल दो उपभोक्ताओं का कनेक्शन शिफ्ट किया गया है। विभाग की इस सख्ती से उन लोगों के लिए संकट खड़ा हो गया है जो बिना पंजीकरण या लंबे समय से बकाया बिल के पानी का उपभोग कर रहे हैं। लाइन शिफ्टिंग के इस कार्य को एक तरह से सत्यापन अभियान के रूप में देखा जा रहा है। जल संस्थान के एई रविन्द्र कुमार ने कहा कि नहर कवरिंग कार्य के चलते गौला फिल्टर प्लांट से आने वाली 12 और 4 इंच की लाइनों को शिफ्ट किया जा रहा है। अभी तक 40 कनेक्शन शिफ्ट किए जाने हैं, लेकिन विभाग केवल उन्हीं कनेक्शनों को जोड़ेगा जिनके पास वैध जल कनेक्शन और भुगतान किए गए पानी के बिल होंगे। जो उपभोक्ता बिल नहीं दिखा पाएगा, उसका कनेक्शन नई लाइन से नहीं जोड़ा जाएगा।

उत्तराखंड की संस्कृति पर बच्चों ने पेश किए कार्यक्रम

देववाणी परोपकार मिशन हरिद्वार की कार्यशाला के विजेता प्रतिभागी व आयोजक।

संवाददाता, चोरगलिया

अमृत विचार: उत्तराखंड संस्कृति निदेशालय, देहरादून के सहयोग से देववाणी परोपकार मिशन द्वारा शिशु मंदिर प्रांगण चोरगलिया में उत्तराखंड की संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम और कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में 12 संस्कृति दलों ने भाग लिया और कुमाउनी, गढ़वाली में नाटक, गायन, भाषण, नृत्य, जागर और छोलिया प्रदर्शन किए।

प्रतियोगिता में एलाइट पब्लिक स्कूल, गोलापार ने जागर में और हेरीटेज कॉन्वेंट पब्लिक स्कूल ने कुमाउनी नृत्य में प्रथम पुरस्कार के रूप में 5100 रुपये नगद, शील्ड और प्रमाण पत्र। द्वितीय पुरस्कार के रूप में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कुमाउनी नृत्य में 2100 नगद और हीरा कुंवर पब्लिक स्कूल, तृतीय पुरस्कार के रूप में गोलापार को छोलिया नृत्य में 11 सौ रुपये का नगद दिए गए। कुमाऊं रेजीमेंट ग्रुप, हीरा कुंवर स्कूल (भाषण), नेहा बिनवाल (नृत्य) को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता कमलेश चंदोला ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवा पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ने का सुनहरा अवसर हैं। पुरस्कार वितरण में भाजपा मंडल अध्यक्ष पान सिंह मेवाड़ी, ईश्वर सुयाल (अध्यक्ष देववाणी परोपकार मिशन) और अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन दीपक चौसली ने किया। निर्णायक मंडल में पूर्व प्रधानाचार्य चंद्र सिंह, रविंद्र गोस्वामी, उमा मेहता, कमला मेहता और देवकी देवी शामिल थे। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

बिड़ला स्कूल का फुटबॉल में कमाल

- ग्रासरूट्स फुटबॉल लीग 2026 की विजेता ट्रॉफी अपने नाम की

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: आर्यमान विक्रम बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग में सहायक ग्रासरूट्स फुटबॉल लीग 2026 का शानदार फाइनल मुकाबला आयोजित किया गया। पिछले छह महीनों से प्रत्येक रविवार को इस लीग के अंतर्गत मैच खेले जा रहे थे, जिसमें कुल 8 टीमों (स्कूल एवं क्लब) ने भाग लिया।

फाइनल मुकाबला आर्यमान विक्रम बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ लर्निंग और फ्यूचर चार्म्स हल्द्वानी के बीच खेला गया। बेहद रोमांचक मैच में आर्यमान की टीम ने 3-2 से विजय प्राप्त कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। इनमें गोल्डन बूट-दिव्यांश मनकोटी, बेस्ट गोलकीपर-समरीक्ष और बेस्ट प्लेयर यशार्थ रहे। सभी खिलाड़ियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। टीम के कोच केके यादव के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने अनुशासन, खेल भावना और प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रवेश मेहरा, उपप्रधानाचार्य प्रकाश कुमार, प्रधानाध्यापिका वंदना टम्टा एवं इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजर सुरेश वाजपेयी ने विजेता टीम को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्य मेहरा ने कहा कि यह आयोजन न केवल खेल प्रतिभा को निखारने का मंच बना, बल्कि विद्यार्थियों में टीमवर्क और नेतृत्व क्षमता को भी सुदृढ़ करने में सफल रहा।

ग्रासरूट्स विनर ट्रॉफी के साथ बिड़ला स्कूल के प्रतिभागी खिलाड़ी। ● अमृत विचार

अधिकारी हॉकी स्पर्धा में भाग लेने दिल्ली रवाना

हल्द्वानी: अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज हॉकी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए उत्तराखंड सचिवालय की टीम सोमवार को नई दिल्ली के लिए रवाना हो गई।

इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देशभर की सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा लेंगी। पुरुष वर्ग में उप क्रीड़ा अधिकारी वरुण बेलवाल, शिक्षा विभाग के व्यायाम शिक्षक सुरेंद्र सिंह अधिकारी और युवा कल्याण विभाग के व्यायाम प्रशिक्षक हरीश नेगी टीम का हिस्सा होंगे। वहीं महिला वर्ग में शिक्षा विभाग की कंचन रावत, नंदी कश्मीरा और नीमा शाह उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेंगी। उत्तराखंड की पुरुष टीम को पूल-जी में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला गुजरात, तेलंगाना और बिहार जैसी टीमों से होगा। क्वार्टर फाइनल में स्थान सुनिश्चित करने के लिए टीम को अपने पूल में शीर्ष स्थान हासिल करना जरूरी होगा।

विद्युत विभाग ने शिविर लगा समस्याएं सुनीं

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: उपभोक्ताओं की बिजली से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु ऊर्जा निगम द्वारा सोमवार को क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में विशेष जनसुनवाई शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य बिजली बिलों में सुधार, खराब मीटरों की समस्या और नए कनेक्शन की प्रक्रिया को सुगम बनाना था। शिविरों में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

ऊर्जा निगम की तकनीकी और प्रशासनिक टीमों ने क्षेत्र के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर शिविर लगाए। इसमें मुख्य रूप से हनुमान मंदिर (कुसुमखेड़ा), इन्द्रपुर चौराहा, पंचमुखी हनुमान मंदिर के साथ अन्य क्षेत्रों में शिविर लगाएं गए। शिविरों में पहुंचे उपभोक्ताओं ने मुख्य रूप से बढ़े हुए बिजली बिलों और खराब मीटरों की शिकायतें दर्ज कराईं। विभागीय अधिकारियों ने मौके पर ही ऑनलाइन रिकॉर्ड और कंप्यूटर के माध्यम से बिलों की जांच की और तकनीकी खामियों को तुरंत दुरुस्त किया। इसके अलावा कई उपभोक्ताओं ने शिविर की सुविधा का लाभ उठाते हुए अपने लंबित बिजली बिलों का नगद भुगतान किया। साथ ही नए घरेलू कनेक्शन के लिए आए आवेदनों की तत्काल जांच कर उन्हें आगे की प्रक्रिया के लिए भेजा गया। अधिकारियों ने उपभोक्ताओं को ऑनलाइन एप के जरिए बिल जमा करने और बिजली चोरी रोकने के फायदों के प्रति भी जागरूक किया। ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता एसके गुप्ता ने जानकारी दी कि बिजली उपभोक्ताओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए इस तरह के शिविर भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे।

जनसुनवाई शिविर में समस्याएं सुनते विभाग के अधिकारी। ● अमृत विचार

ग्रामीण क्षेत्रों में 37 कनेक्शन काटे, 12 लाख रुपये की वसूली

हल्द्वानी: ऊर्जा निगम ने ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्शन सत्यापन और बिल वसूली अभियान चलाया, जिसमें 37 उपभोक्ताओं के अवैध या बकाया कनेक्शन काटे गए। सोमवार को चलाए गए इस अभियान के दौरान कुल 12 लाख रुपये की वसूली की गई।

यह अभियान टीपीनगर बिजली घर, फूलचौड़ बिजली घर और कमलुवागांजा बिजली घर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में चलाया गया। ऊर्जा निगम के ईई एसके गुप्ता ने बताया कि यह अभियान निगम के संसाधनों के सही उपयोग और अवैध कनेक्शनों की पहचान के उद्देश्य से चलाया गया। आगे ईई गुप्ता ने बताया कि अवैध कनेक्शन और बकाया बिल के लिए यह वसूली अभियान आगे भी जारी रहेगा।

लोसर की तैयारियां पूरी तीन दिन बंद रहेगा बाजार

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: तिब्बती समुदाय का प्रमुख नववर्ष पर्व लोसर इस वर्ष 18 फरवरी से 20 फरवरी तक धूमधाम से मनाया जाएगा। पर्व के चलते नैनीताल का प्रसिद्ध तिब्बती (भोटिया) बाजार तीन दिनों के लिए पूर्ण रूप से बंद रहेगा। दुकानें 21 फरवरी (शनिवार) से पुनः खुलेंगी।

तिब्बती पंचांग के अनुसार इस वर्ष तिब्बती राजा वर्ष 2153 की शुरुआत हो रही है, जिसे अग्नि तत्व और घोड़ा का प्रतीक वर्ष माना जाता है। तिब्बती संस्कृति में इसे ऊर्जा, प्रगति और सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक माना जाता है। लोसर के दौरान तिब्बती परिवार पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ नए साल का स्वागत करेंगे। घरों और मठों की विशेष साफ-सफाई, धार्मिक अनुष्ठान, पारंपरिक व्यंजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम इस पर्व की खास पहचान हैं। पर्व के तीसरे दिन सुख निवास स्थित बोध मठ में सामूहिक पूजा-अर्चना आयोजित होगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। इस अवसर पर मठ परिसर में लगे विशाल धार्मिक ध्वज को भी परंपरा अनुसार बदला जाएगा। बाजार व्यापारी बताते हैं कि लोसर उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व है, इसलिए पूरे समुदाय द्वारा धार्मिक अनुष्ठान और पारिवारिक कार्यक्रमों में भाग लिया जाता है। यह पर्व न केवल तिब्बती संस्कृति का प्रतीक है, बल्कि नैनीताल की बहुसांस्कृतिक विरासत की महत्वपूर्ण पहचान बन चुका है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने दी आंदोलन की चेतावनी

हल्द्वानी : आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर सोमवार को सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि लंबे समय से वे कई मांगों को लेकर परेशान हैं। मुख्य मांगों में राज्य सरकार से प्रतिदिन 140 रुपये मानदेय वृद्धि और केंद्र सरकार को 150 रुपए प्रतिदिन बढ़ोतरी का प्रस्ताव भेजने की मांग शामिल है।

साथ ही, सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये देने संबंधी शासनादेश जारी होने तक 300 रुपये मासिक कटौती नहीं किए जाने की मांग की गई है। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि उन्हें बायोमेट्रिक मशीन से नहीं जोड़ा जाए। संगठन की प्रदेश अध्यक्ष रेखा नेगी ने कहा कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान शीघ्र नहीं किया गया तो कार्य बहिष्कार किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्री मौजूद रहीं।

पटवारी के खिलाफ लोगों ने दिया धरना

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : विभिन्न प्रमाण पत्रों को लेकर पिछले एक माह से अधिक समय से तहसील के चक्कर काट रहे फरियादियों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने पटवारी पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए तहसीलदार दफ्तर के बाहर धरना दिया। चेतावनी दी कि लोगों के प्रमाण पत्र लटकाने वाले पटवारी का ट्रांसफर नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन होगा।

सोमवार को रामपुर रोड पर्वतीय मोहल्ल व आसपास के लोग तहसील में पहुंचे। उन्होंने पटवारी संजय प्रसाद के बारे में पूछताछ की तो पता चला कि वह ऑफिस नहीं में हैं। इतना पता लगते ही फरियादियों का पारा चढ़ गया और वे तहसीलदार कुलदीप पांडेय के दफ्तर के बाहर धरने पर बैठ गए और पटवारी के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। गुस्साए लोगों ने कहा कि पटवारी संजय प्रसाद पिछले एक माह से अपने दफ्तर में नहीं मिल पा रहे हैं। जिससे महिलाओं, बुजुर्गों, छात्र-छात्राओं को जन्म, जाति, उत्तरजीवी, आय जैसे जरूरी प्रमाण पत्र बनाने के लिए तहसील के चक्कर काटते काटते परेशान हैं। बाद में लोगों ने इसको लेकर तहसीलदार कुलदीप पांडेय से पटवारी संजय प्रसाद की शिकायत की और उन्हें हटाने की मांग की। इस पर तहसीलदार ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। साथ कहा कि जनता के लंबित प्रकरणों का भी जल्द निस्तारण किया जाएगा। विशाल वर्मा आदि रहे।

हल्द्वानी में तहसीलदार के दफ्तर के बाहर धरना देते लोग। ● अमृत विचार

पेंशन की मांग को लेकर कर्मचारियों का प्रदर्शन

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : उत्तराखंड नियमित वर्ग चार्ज कर्मचारी संघ के नेतृत्व में सोमवार को नैनीताल स्थित लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) कार्यालय के बाहर सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने पेंशन बहाली की मांग करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अधिकारियों पर कर्मचारियों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया।

कर्मचारियों का कहना है कि 30-40 वर्ष सेवा देने के बाद 16 जनवरी को जारी शासनादेश के तहत नियमित वर्ग चार्ज और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की पेंशन रोक दी गई। इससे सैकड़ों परिवार आर्थिक संकट में हैं। रिटायर्ड कर्मचारी संघ के मुख्य संयोजक गिरीश चंद्र जोशी ने बताया कि कई बार राज्य सरकार को आवेदन देने के बावजूद मांग पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2023 में कैबिनेट ने कर्मचारियों को पेंशन से वंचित करने संबंधी अध्यादेश पारित किया, जबकि ऐसा निर्णय वर्ष 2018 में स्पष्ट शासनादेश के माध्यम से लिया जाना चाहिए था। कर्मचारियों ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश और नैनीताल हाईकोर्ट के निर्देशों के बावजूद अब पेंशन पुनः रोकी गई है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं हुईं, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे और आगामी विधानसभा चुनाव में सरकार को जवाब देंगे।

मनमानी | प्राइवेट कंपनी चला रही है डायग्नोस्टिक सेंटर, खुलेआम दिया मरीजों की जांचों का विज्ञापन

एसटीएच में पीपीपी मोड के नियमों की उड़ा दी धज्जियां

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल में पीपीपी मोड पर डायग्नोस्टिक सेंटर चलाने वाली कंपनी ने नियमों की ही धज्जियां उड़ा दीं। नियम के तहत यह कंपनी से बाहर मरीजों को बुलाकर जांच नहीं कर सकती है। इसे केवल अस्पताल के मरीजों की जांच करने का अधिकार है। इसकी भनक अब अस्पताल और कॉलेज प्रबंधन को भी लग गई है। बताया जा रहा है कि कंपनी के इतने बड़े दुस्साहस को देखकर वहां भी हड़कंप मचा हुआ है।

डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल में प्राइवेट कंपनी आईएस हेल्थ केयर सर्विस पीपीपी मोड पर डायग्नोस्टिक सेंटर चलाती है। सेंटर को अस्पताल की ओर से निशुल्क जगह दी गई है और साथ ही इसे बिजली और पानी का शुल्क भी नहीं देना होता है। शासन के आदेश पर मौके की जगह देने के साथ ही ओपीडी की जांच भी प्राइवेट कंपनी के हवाले कर दी गई। अब इस कंपनी ने एक कदम और आगे बढ़ाते हुए स्वास्थ्य संबंधित जांचों को करने का विज्ञापन जारी कर दिया। ईसीजी, ईईजी, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड एवं कलर डॉप्लर, ब्रेन मैपिंग, थायरॉइड जांच आदि करने का विज्ञापन जारी कर दिया। जिसमें समय भी बताया गया। यह जानकारी अस्पताल प्रबंधन को पता चली तो उन्होंने कंपनी के प्रतिनिधियों से बात की। बताया जा रहा है कि अपनी गलती मानने की जगह यह कंपनी प्रतिनिधि अस्पताल प्रबंधन से बहस करने लगे। हालांकि अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि इसको लागू नहीं होने दिया जाएगा।

पीपीपी मोड पर संचालित होने वाली कंपनी से बात की है। उसे स्पष्ट कहा गया है कि यह निमयों के विपरीत है। इसलिए इसको तुरंत रोक दें। कंपनी इस तरह से जांचों को करने का विज्ञापन नहीं दे सकती है और न अस्पताल प्रबंधन की सहमति के बगैर कोई कदम उठा सकती है। हमारे पास कार्रवाई करने का भी विकल्प है।

-डॉ. अरुण जोशी, एमएस, एसटीएच

डॉक्टरों की संख्या पर्याप्त होने के कोरे दावे

हल्द्वानी : महंगी सरकारी मशीनें होने के बाद भी पर्याप्त संख्या में रेडियोलॉजिस्ट नहीं होने पर स्वास्थ्य विभाग को पीपीपी मोड पर स्वास्थ्य जांच सेवा को देना पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग डॉक्टरों की उपलब्धता के दावे तो कर रहा है। अभी हाल ही में स्वास्थ्य विभाग की ओर से यह भी दावा किया गया कि राज्य में सरकारी डॉक्टरों की संख्या सरप्लस हो गई है। इस वजह से अस्पताल के राजस्व को भी नुकसान हो रहा है लेकिन हकीकत कुछ और ही है।

बिना डॉक्टर कर देंगे जांच

हल्द्वानी : हमने जब कंपनी के विज्ञापन में दिए गए नंबर पर बात की तो बात करने वाले प्रतिनिधि ने बताया कि वह सीधे अस्पताल के अंदर बने सेंटर में आ जाएं और जांचें करवा देंगे। इसके लिए डॉक्टर को दिखाने की और डॉक्टर के पर्चे की कोई जरूरत नहीं है। हालांकि नियम यह है कि अस्पताल प्रबंधन ने अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वास्थ्य जांच सेवाओं को पीपीपी मोड पर दिया है। कंपनी तभी मरीज की जांच कर सकती है जब अस्पताल की ओर से कहा जाए। कंपनी अनुबंध के नियमों के विपरीत काम नहीं कर सकती है।

एसटीएच और बेस के कफ सिरप जांच में मिले सही

संवाददाता, हल्द्वानी

- पिछले दिनों जांच के लिए भेजे गए थे सैंपल, मिली राहत

अमृत विचार: डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल और बेस अस्पताल में जो कफ सिरप दिए जा रहे थे वह एकदम ठीक हैं। इन कफ सिरपों की अक्टूबर में जांच की गई थी।

अक्टूबर के समय देश के कुछ हिस्सों में कोडीन कफ सिरप पीने की वजह से कुछ लोगों की मौत हो गई थी। जांच में सामने आया था कि कप सिरप निर्माण में कंपनी ने नियमों को ठीक से पालन नहीं किया गया है। इसके बाद पूरे देश में वितरित किए जा हरे कफ सिरपों की जांच की गई। हल्द्वानी में औषधि नियंत्रक विभाग ने एसटीएच और बेस अस्पताल में दिए जा रहे कफ सिरपों की भी जांच के लिए सैंपल लिए थे। इन नमूनों की जांच देहरादून में की गई। करीब चार माह बाद रिपोर्ट आई है कि दोनों ही अस्पतालों के कफ सिरप एकदम सही हैं। बेस अस्पताल में तो सैंपल की रिपोर्ट आने तक कफ सिरप वितरण करने पर रोक भी लगा दी गई थी। एसटीएच के एमएस डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि हमारे यहां दी जा रही दवाओं में अभी तक कोई दिक्कत सामने नहीं आ रही है। बेस अस्पताल के पीएमएस डॉ. केएस दत्ताल ने भी बताया कि अस्पताल में अब मरीजों को सभी प्रकार की दवाएं दी जा रही हैं।

पहाड़ी आर्मी ने डीडीए का पुतला दहन किया

हल्द्वानी : पहाड़ी आर्मी ने भैरव चौक में धरना दिया और विकास प्रधिकरण का पुतला भी फूंका। संगठन के नगर अध्यक्ष भुवन पांडे ने कहा कि पहाड़ी परिवारों को उनकी दुकान और मकान का अधिकार छीना गया है। कोरोना समय में उनको आग लगने के कारण मकान दुकान को सिर्फ रिपेयर करने के लिए खाली करवाया गया और अन्य को बेच दिया। कुमाऊं आयुक्त और विकास प्राधिकरण सचिव ने इस भवन को गिराने का आदेश दिया है लेकिन अभी तक नजूल की भूमि में बने मकान को गिराया नहीं गया है। जिलाध्यक्ष राजेंद्र कांडपाल ने कहा पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने को धरना दिया जाएगा। महिला जिलाध्यक्ष प्रेमा मेर, कविता जीना, दीपा बोरा, मोहन कांडपाल, विनोद बिष्ट, प्रदीप रौतेला, विनोद नेगी रहे।

सिटी ब्रीफ

फेसबुक पर बनाई एडीएम की फेक आईडी

रुद्रपुर : ऊधमसिंह नगर के एडीएम कौस्तुभ मिश्रा की फेसबुक पर फेक आईडी बनायी है। फेक आईडी बनाने वाला व्यक्ति कई लोगों को रिक्वेस्ट भेज कर मैसेज कर रहा है। इससे जानकारी मिलते ही एडीएम ने लोगों से फेसबुक पर पोस्ट कर फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार नहीं करने की अपील की है। सोमवार को एडीएम कौस्तुभ मिश्र ने अपने सोशल मीडिया फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट कर लोगों से अपील की है कि उनकी फेस आईडी किसी व्यक्ति द्वारा बनाई गई है। जो कई लोगों को रिक्वेस्ट भेज कर मैसेज कर रहा है। उन्होंने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर और फेसबुक पर मैसेज लिखकर लोगों से अपील की है कि उनकी आईडी फेसबुक पर फेक बनायी गयी है। कोई भी व्यक्ति इसे एक्सेप्ट ना करें और नहीं कोई लेनदेन करे।

दुकान के सामने खड़ी बाइक चोरी

बाजपुर : दुकान के सामने खड़ी व्यापारी की बाइक चोरी हो गई। काफी तलाशने के बाद भी बाइक को कुछ पता नहीं चल पाया। वहीं पीड़ित व्यापारी ने अज्ञात के खिलाफ कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। सोमवार को कोतवाली पहुंचे नगरपालिका रोड स्थित एक आप्टीकल्स की दुकान के संचालक हेतराम पुत्र मक्खन सिंह ने पुलिस को बताया कि 15 फरवरी को वह अपनी बाइक से दुकान पर आए थे और दुकान के निकट बाइक खड़ी कर दी। सायं को घर जाने की तैयारी की तो बाइक गायब थी और काफी तलाशने के बाद भी पता नहीं चल पाया है।

पैसों के लेन-देन को लेकर हुई मारपीट

बाजपुर : पैसों के लेन-देन को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई, जिसमें एक व्यक्ति के चोटें आई हैं। घायल को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है। केलाखेड़ा निवासी 36 वर्षीय राशिद पुत्र अनवर का एक व्यक्ति से पैसों के आपसी लेन-देन को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि सोमवार की सायं करीब पांच बजे आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी, जिसमें राशिद घायल हो गया। घटना के चलते मौके पर अफरातफरी मच गई।

एआरटीओ ने 18 वाहन सीज किए

काशीपुर/बाजपुर : जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया के निर्देशों पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी संदीप वर्मा व पुलिस की टीमों द्वारा काशीपुर, बाजपुर क्षेत्रों में वाहन चेकिंग सघन अभियान चलाया गया। ओवर लोडिंग, ओवर स्पीड, बिना नंबर प्लेट, बिना परमिट व बिना प्रपत्रों के चल रहे 80 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 18 वाहन सीज किए गए।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना

मेरी हाईस्कूल वर्ष 2008 अनुक्रमांक 0074715 जो कि राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सवाड़, चमोली से उत्तीर्ण की थी। जिसके प्रमाण पत्र एवं मार्कशीट कहीं खो गये हैं, जो कि काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिल पाये हैं। अतः मुझे इनकी द्वितीय प्रतिलिपि की आवश्यकता है। **नीलम (Neelam) पुत्री श्री सुजान सिंह, निवासी ग्राम तिलपुरी नं.-2, चक्कीमोड़, पो. मझरा आनन्द सिहं, तहसील गदरपुर, जिला ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हेमा देवी एवं हेमलता बिष्ट उक्त दोनों नाम मेरे ही हैं। भविष्य में मुझे हेमा देवी एवं हेमलता बिष्ट दोनों नाम से जाना-पहचाना जाए। **हेमलता देवी पत्नी श्री दान सिंह, निवासी ग्राम मदपुरी, पो. मझरा आनंद सिंह, तहसील गदरपुर, जिला ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे द्वारा अपने सैन्य सर्विस अभिलेखों में त्रुटिवश अपनी पत्नी का नाम NEEMA DEVI के स्थान पर NIMA DEVI व जन्म तिथि 01-01-1968 के स्थान पर 1968 दर्ज करा दिया गया है जबकि मेरी पत्नी के आधार कार्ड वी अन्य अभिलेखों में उसका सही नाम NEEMA DEVI व जन्म तिथि- 01-01-1968 है। इसी नाम से जाना व पहचाना जाय। **नं०-2301424 हव० रा० बलवन्त सिंह पुत्र श्री राय सिंह, नि० ग्राम खटोला नं० 2., दिनेशपुर, जिला उधमसिंहनगर**

पर्यटन की दृष्टि से भी किया जाएगा विकसित, शिव कॉरिडोर का हिस्सा बनने जा रहे नीलकंठ धाम में महापौर ने किया रुद्राभिषेक

रुद्रपुर में आस्था का केंद्र बनेगा भव्य शिव कॉरिडोर, जल्द शुरू होगा काम

संवाददाता, रुद्रपुर

पत्रकारों को जानकारी देते महापौर विकास शर्मा, साथ में नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडेय व अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचारः महापौर विकास शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने शिव कॉरिडोर समेत पांच नई घोषणाएं कर रुद्रपुर के लोगों की भावनाओं का सम्मान किया है। जल्द ही इन घोषणाओं पर काम शुरू होगा। इससे रुद्रपुर को पूरे प्रदेश में एक नई पहचान मिलेगी। वहीं शिव कॉरिडोर का हिस्सा बनने जा रहे नीलकंठ धाम में रुद्राभिषेक किया।

सोमवार को पत्रकारों से वार्ता के दौरान महापौर शर्मा ने बताया कि नीलकंठ धाम वही स्थान है जिसकी भूमि को लेकर कुछ लोग अनर्गल बयानबाजी कर रहे थे। यहां तक कि उन्हें भूमाफिया घोषित करने की कोशिश कर रहे थे। आज सच्चाई सबके सामने है। उन्होंने कहा कि यह भूमि उनके व्यक्तिगत हित के लिए नहीं, बल्कि ऐतिहासिक शिव कॉरिडोर का हिस्सा बनने जा रही है। उन्होंने बताया कि हाल ही में नीलकंठ धाम के पास छह एकड़ भूमि को कालनेमियों के कब्जे से मुक्त कराया गया था, जिस पर अब शिव कॉरिडोर का सपना साकार होगा।

उन्होंने कहा कि विगत दिवस मुख्यमंत्री ने गांधी पार्क में मानसखंड कॉरिडोर में तीन मंदिरों को जोड़ने की घोषणा की है। जिसके तहत गंगापुर रोड स्थित नीलकंठ धाम, गोल्ज्यू मंदिर और आस्था के केंद्र शिव मंदिर के साथ ही गुरुचांद मंदिर परिसर का कायाकल्प होगा। इन मंदिरों को एक साथ जोड़ते हुए त्रिभुजाकार स्वरूप दिया जाएगा और यहां पर नीलकंठ भवन के साथ ही 51 फुट ऊंची भगवान शिव की मूर्ति स्थापित की जाएगी।

महापौर ने कहा कि शिव कॉरिडोर के लिए एक अलग से मार्ग बनाया जाएगा। यह कॉरिडोर रुद्रपुर में आस्था का बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा। इसे पर्यटन की दृष्टि से भी विकसित किया जाएगा। इससे पूर्व नगर आयुक्त शिप्रा जोशी समेत नगर निगम की टीम ने प्रस्तावित शिव कॉरिडोर के लिए नीलकंठ धाम, शिव मंदिर और गोल्ज्यू मंदिर का स्थलीय निरीक्षण कर कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडेय, मंदिर के महंत प्रकाश, शिव कुमार राय, पार्षद सुशील चौहान, पार्षद चिराग कालरा, हरि अधिकारी, एमपी मौर्या आदि मौजूद रहे।

त्रिशूल चौक के बाद अब डमरू चौक बनाने की तैयारी

रुद्रपुर : महापौर ने कहा कि रुद्रपुर को भगवान शिव की नगरी का स्वरूप प्रदान करने के लिए त्रिशूल चौक की स्थापना के बाद अब डमरू चौक की तैयारी शुरू हो गई है। नगर निगम ने विभिन्न चौराहों को नई धार्मिक पहचान देने का खाका तैयार किया था, जिसके तहत इंदिरा चौक पर भव्य त्रिशूल पहले ही स्थापित किया जा चुका है। इसी तर्ज पर अब डीडी चौक को डमरू चौक के रूप में सजाने के लिए मुख्यमंत्री ने शिलान्यास कर दिया है। 24 लाख रुपये की लागत से डीडी चौक को डमरू चौक के रूप में परिवर्तित किया जाएगा, जिससे शहर की सुंदरता और धार्मिक महत्ता में वृद्धि होगी।

बर्ड वॉचिंग का प्रशिक्षण लेकर बढ़ाएं आय

सरस आजीविका मेले में पक्षी प्रेमियों ने स्कूली छात्रों को दी जानकारी, कहा-जैव विविधता का संरक्षण जरूरी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः सरस आजीविका मेले के तीसरे दिन वन विभाग के समन्वय से विभिन्न विशेषज्ञों ने सतत जीवनशैली, बर्ड वॉचिंग (पक्षी अवलोकन) समेत कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। साथ ही स्कूली बच्चों को बताया कि कैसे बर्ड वॉचिंग का प्रशिक्षण लेकर अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं।

सोमवार को गांधी पार्क में आयोजित कार्यक्रम के दौरान नेचर साइंस इनिशिएटिव संस्था के निदेशक डॉ. रमन ने सतत जीवनशैली के लिए व्यवहार परिवर्तन पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छोटे-छोटे व्यक्तिगत बदलाव जैसे संसाधनों का संतुलित उपयोग, प्लास्टिक कम करना, ऊर्जा बचत और प्रकृति अनुकूल जीवनशैली मिलकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकते हैं।

पक्षी प्रेमी राजेश भट्ट ने बर्ड वॉचिंग के महत्व पर बताया कि पक्षी जैव विविधता के सूचक हैं और उनकी पहचान, व्यवहार व आवास को समझना संरक्षण की दृष्टि से आवश्यक है। पक्षी प्रेमी राजीव बिष्ट ने बर्ड वॉचिंग से रोजगार के अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि बर्ड वॉचिंग एक उभरता हुए ईको-टूरिज्म क्षेत्र है जो गाइड, फोटोग्राफी, अनुसंधान और वायस प्रबंधन के माध्यम से रोजगार के अवसर प्रदान करता है। प्रशिक्षण प्राप्त कर युवा स्थानीय बर्ड गाइड बनकर, पक्षी पर्यटन को बढ़ावा देकर और वन्यजीव संरक्षण से जुड़कर अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं।

वन विभाग के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (सेवानिवृत्त) केएस सजवाण ने नैतिक पक्षी अवलोकन के बारे में आम जन-मानस और स्कूली बच्चों को बताया गया कि पक्षियों को बिना डिस्टर्ब किए, उनके वास स्थल का सम्मान करते हुए, उनकी नैस्टिंग साइट से दूरी बनाकर बर्डिंग करनी चाहिए। साथ ही उनका संरक्षण करना चाहिए। प्रभागीय वनाधिकारी तराई केंद्र वन प्रभाग यूसी तिवारी ने पर्यावरण संतुलन और पर्यावरण संरक्षण में आम जन-मानस के योगदान पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी। विभिन्न स्कूलों द्वारा बच्चों को सरस मेले का भ्रमण भी कराया गया।

यूसी तिवारी।

छात्रा जिया कठायत।

छात्रा जिया ने किया प्रकृति और पक्षियों से प्रेम के लिए संवाद

सरस आजीविका मेले में कार्यक्रम के दौरान नानकमत्ता पब्लिक स्कूल की कक्षा 11 की छात्रा जिया कठायत ने स्कूली बच्चों से प्रकृति व पक्षियों से प्रेम करने के लिए संवाद किया गया। जिया कठायत को अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय की लैब ऑफ ऑर्निथोलॉजी फेलोशिप का यंग बर्डर में चयन किया है।

सरस मेले में स्टॉलों से खरीदारी करते लोग। ● अमृत विचार

सरस मेले में दो दिन में स्टॉलों से हुई 23.67 लाख रुपये की बिक्री

रुद्रपुर : सरस आजीविका मेले में ऊधमसिंह नगर जनपद और विभिन्न प्रदेशों के 180 स्टॉल लगाए गये हैं। विगत दो दिनों में सरस मेले में स्टॉलों द्वारा 23 लाख 67 हजार 777 रुपये की बिक्री की गयी है। वहीं मेले में स्टॉल लगाने वालों को आने वाले दिनों में अधिक आय प्राप्त करने की उम्मीद है। सोमवार को परियोजना निदेशक डीआरडीए हिमांशु जोशी ने बताया कि सरस आजीविका मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारत की ग्रामीण आत्मा और नारी शक्ति के अदम्य साहस का उत्सव है। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार की इस अनूठी पहल के माध्यम से देश के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से आई महिला शिल्पकार अपने हुनर, कला और अपनी परंपराओं को शहर तक लेकर आती है। उन्होंने बताया कि सरस महोत्सव 2026 विविधता में एकता का एक जीवंत उदाहरण है। 10 दिनों तक यह मंच हस्तशिल्प और हथकरघा, ग्रामीण उत्पाद अनमोल विरासत का साक्षी बनेगा। उन्होंने बताया कि सरस मेले में जनपद व विभिन्न प्रदेशों के 180 स्टॉल लगाये गये हैं। विगत दो दिनों में सरस मेले में स्टॉलों से लोगों ने 23 लाख 67 हजार 777 रुपये की खरीददारी की है।

ये लोग रहे मौजूद

पीडी हिमांशु जोशी, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल, जिला प्रोबेशन अधिकारी व्योमा जैन, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नंदनी तोमर, एसडीओ वन शशि देव सहित स्कूली विद्यार्थी, वन विभाग के कार्मिक आदि मौजूद रहे।

बगवाड़ा क्षेत्र में स्क्रैप से भरी ट्रैक्टर ट्राली में लगी आग। ● अमृत विचार

ट्रैक्टर ट्राली में लगी आग से स्क्रैप जलकर स्वाहा

संवाददाता, रुद्रपुर

- बगवाड़ा से शिमला बहादुर की ओर आ रहा था ट्रैक्टर
- दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग को बुझाया

अमृत विचारः बगवाड़ा क्षेत्र में एक ट्रैक्टर ट्राली पर अचानक आग लग गयी। इससे ट्राली में रखा स्क्रैप जलकर स्वाहा हो गया। आसपास के लोगों ने आग बुझाने का काफी प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। इस बीच सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार सोमवार को तीन बजे के करीब बगवाड़ा स्थित हनुमान मंदिर के पास से एक ट्रैक्टर-ट्राली स्क्रैप लेकर शिमला बहादुर की आ रही थी। इसी बीच कुछ लोगों ने ट्राली में आग जलते हुए देखा। शोर शराबा करने पर वहां लोगों का जमावड़ा लग गया। इस दौरान आसपास के लोगों ने पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इस बीच किसी ने चालक को सूचना दी और ट्रैक्टर को सुरक्षित जगह पर खड़ा करने की सलाह दी। आनन फानन में चालक ने ट्राली से ट्रैक्टर को अलग किया। सूचना पर पहुंची दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। लेकिन इससे पहले ही ट्राली में रखा स्क्रैप जलकर स्वाहा हो गया। बताया जा रहा है कि ट्राली में बिजली के तार टकराने से शॉर्ट सर्किट हुआ। जिससे स्क्रैप ने आग पकड़ ली। अग्निशमन अधिकारी महेश चंद ने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

सिडकुल में चला सत्यापन अभियान

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः विगत दिवस पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के आदेश के बाद सिडकुल चौकी पुलिस ने सिडकुल की कई कंपनियों में सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान 20 कर्मचारियों के चालान किये गये। साथ ही कंपनियों को सख्त हिदायत दी गयी कि वे कर्मचारियों को सत्यापन अनिवार्य रूप से कराएं।

सोमवार को सिडकुल चौकी इंचार्ज सुरेंद्र बिष्ट के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पंतनगर में स्थित कपारो इंजीनियरिंग सेक्टर 6 प्लॉट नंबर 57 में सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान टीम को कंपनी में करीब सौ कर्मचारी, वेदाश्री कंपनी सिटी पार्क में करीब 170 कर्मचारी और ब्रिटानिया कंपनी में करीब 1400 कर्मचारी कार्य करते मिले। इसमें ठेकेदार ने कई कर्मचारियों को सत्यापन नहीं कराया है।

सिडकुल चौकी इंचार्ज ने बताया कि इस दौरान सभी कर्मचारियों से पूछताछ की गयी।

साथ ही सत्यापन के बारे में जानकारी ली। इस दौरान टीम को अलग-अलग कंपनियों में करीब 20 कर्मचारी ऐसे मिले जिनका ठेकेदार ने सत्यापन नहीं कराया था। इन सभी के चालान किए गए। उन्होंने बताया कि सभी कंपनियों को हिदायत दी कि कर्मचारियों का सत्यापन अवश्य कराएं।

सिडकुल में कर्मचारियों से पूछताछ करते चौकी इंचार्ज। ● अमृत विचार

- सत्यापन नहीं होने पर विभिन्न कंपनियों के 20 लोगों के काटे गए चालान
- सिडकुल चौकी प्रभारी बोले-अभियान रहेगा जारी

दिनेशपुर पुलिस ने किया सत्यापन

दिनेशपुर : पुलिस ने संदिग्ध लोगों के खिलाफ क्षेत्र में सत्यापन अभियान चलाकर लोगों से पूछताछ कर उनके संबंध में जानकारियां की। किराएदारों व सिडकुल फैक्ट्री मजदूरों के आईडी जांच की गई। इस दौरान पांच लोगों के विरुद्ध 81 पुलिस एक्ट में कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने तीन लोगों से 15 हजार रुपये का जुर्माना वसूला और दो मकान स्वामियों के खिलाफ 10- 10 हजार रुपये की चालानी की कार्रवाई की गई। थानाध्यक्ष रविंद्र बिष्ट ने मकान मालिकों से किरायेदार का शीघ्र सत्यापन कराने की अपील की। थानाध्यक्ष बिष्ट ने बताया कि संदिग्ध लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मकान मालिकों की जिम्मेदारी है कि वे अपने किरायेदारों का सत्यापन कराएं और पुलिस को सूचित करें।

रुद्रपुर से क्रांति संवाद यात्रा शुरू

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः यूकेडी का रुद्रपुर में कुमाऊं क्रांति संवाद यात्रा 2026 के प्रथम पड़ाव पर आयोजित कार्यक्रम के साथ संवाद यात्रा का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस दौरान संगठन की आगामी रणनीतियों एवं जन आंदोलन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गयी।

सोमवार को आंबेडकर पार्क में आयोजित कार्यक्रम के दौरान यूकेडी युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष आशीष नेगी ने कहा कि युवा शक्ति ही उत्तराखंड के भविष्य की दिशा तय करेगी। उन्होंने बढ़ती बेरोजगारी, पलायन एवं शिक्षा व्यवस्था की चुनौतियों पर चिंता व्यक्त करते हुए युवाओं से संगठित होकर सकारात्मक परिवर्तन के लिए आगे आने का आह्वान किया। केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ कुलदीप रावत ने संगठन की आगामी रणनीतियों एवं जन आंदोलन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए स्पष्ट किया कि उत्तराखंड की अस्मिता, जल-जंगल-जमीन और स्थानीय अधिकारों की रक्षा के लिए युवा प्रकोष्ठ निरंतर संघर्ष करेगा।

उत्तराखंड स्टूडेंट फेडरेशन के नव नियुक्त केंद्रीय अध्यक्ष नीरज बिष्ट ने क्षेत्रीय समस्याओं, युवाओं की भागीदारी और छात्र शक्ति की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर केंद्रीय संगठन मंत्री युवा प्रकोष्ठ गौरव जोशी, ब्लॉक अध्यक्ष गदरपुर रोशन सिंह बिष्ट, राज्य आंदोलनकारी एवं केंद्रीय उपाध्यक्ष एएस अजगोला, जिला महामंत्री रुद्रपुर भानु मेहरा, दिनेश भट्ट, राजेंद्र गढ़िया, राजेंद्र जोशी, सुनील राजपूत, राहुल कोटियाल आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन केंद्रीय महामंत्री सुशील उनियाल ने किया।

कार्यक्रम में मौजूद युवा प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष आशीष नेगी व अन्य।

राहुल बने जसपुर के नए एसडीएम

जसपुरः महीनों के इंतजार के बाद जसपुर के लिए सोमवार को एसडीएम मिल गए। जिलाधिकारी नितिन भदौरिया ने आदेश जारी कर राहुल शाह को जसपुर के एसडीएम की जिम्मेदारी सौंपी है। नवनियुक्त एसडीएम राहुल शाह ने सोमवार को जसपुर पहुंचकर चार्ज ले लिया है। बता दें कि राहुल शाह इससे पहले हल्द्वानी के एसडीएम थे। शासन के आदेश पर उन्हें जिले में भेजा गया है। एसडीएम अभय प्रताप ने उनका स्वागत किया। राहुल शाह ने बताया कि उनकी पहली प्राथमिकता जन समस्याएं निपटाना है।

कार्यालय महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, हल्द्वानी (नैनीताल)

पत्रांक : 2341/ जिउके/2025-2026 विज्ञप्ति दिनांक : 16 फरवरी, 2026

जिला उद्योग केन्द्र हल्द्वानी (नैनीताल) हस्तशिल्पियों / हथकरघा बुनकरों / लघु उद्यमियों को जनपद स्तरीय पुरस्कार 2025-26

हस्तशिल्प, हथकरघा एवं लघु उद्योग क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उत्कृष्ट हस्तशिल्पियों, बुनकरों, लघु उद्यमियों को उद्योग विभाग द्वारा जनपद स्तर पर चयन के उपरान्त पुरस्कार दिया जाना है। जिसके लिए जनपद नैनीताल के पात्र हस्तशिल्पी, हथकरघा बुनकर, लघु उद्यमी से निर्धारित प्रारूप पर आवेदन पत्र रू. 50/- डिमाण्ड ड्राफ्ट जो महाप्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र हल्द्वानी के पक्ष में देय हो तथा अपने उत्पादों की फोटोग्राफ एवं उत्पाद सहित दिनांक 26.02.2026 तक आमंत्रित किये जाते हैं।

निर्धारित आवेदन पत्र एवं विस्तृत जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस में जिला उद्योग केन्द्र, क्षेत्रीय सहायक प्रबन्धक / क्षेत्रीय अधिकारी से सम्पर्क किया जा सकता है।

महाप्रबन्धक
जिला उद्योग केन्द्र हल्द्वानी (नैनीताल)

महावीर नगर में सड़क निर्माण का शुभारंभ

संवाददाता, गदरपुर

अमृत विचारः विधानसभा क्षेत्र के ग्राम महावीरनगर में विकास कार्यों को गति देते हुए 'मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना' के तहत नई सड़क का शिलान्यास किया गया। भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा द्वारा विधिवत शुभारंभ की गई यह 900 मीटर लंबी सड़क लगभग 77 लाख रुपये की लागत से तैयार होगी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि गुंजन सुखीजा ने कहा कि इस मार्ग के बनने से ग्रामीणों को आवागमन में लंबे समय से हो रही परेशानी से राहत मिलेगी और शिक्षा, स्वास्थ्य व कृषि कार्यों में सुगमता आएगी। सड़क निर्माण की शुरुआत से स्थानीय ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा गया, क्योंकि इससे किसानों को अपनी उपज मंडी तक पहुंचाने में आसानी होगी।

इस दौरान सांसद प्रतिनिधि प्रीत ग्रोवर, नगर पालिका अध्यक्ष मनोज गुंबर, वरिष्ठ भाजपा नेता तिलक राज गंभीर, अशोक वर्मा, मनोहर प्रकाश, ग्राम प्रधान मयंक कालरा, क्षेत्र पंचायत सदस्य किरण रानी, गौरव रहलन, उदित वर्मा, परमजीत पम्मा, वंश वर्मा, शुभम वर्मा, अनिल छाबड़ा, शांटी वर्मा, बीडीसी बलवीर सिंह, बीडीसी राजेंद्र सैनी, बीडीसी पवन राजपूत, जसवीर चीमा, राजन गावड़ी, विजय वर्मा, प्रेम सचदेवा, सुरेंद्र गावड़ी, संदीप रहलन, जसवीर सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

गदरपुर में सड़क निर्माण कार्य का फीता काटकर शुभारंभ करते भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा।

गीतों की प्रस्तुति देते पंजाबी सिंगर जस्सी।

पंजाबी सिंगर जस्सी के गीतों पर झूमा रुद्रपुर शहर

रुद्रपुर : सरस आजीविका मेले के तीसरे दिन पंजाबी बॉलीवुड नाइट में पंजाबी सिंगर जस्सी गिल और बब्बल राय ने एक से बढ़कर धमाकेदार पंजाबी गानों की प्रस्तुति दी। इससे लोग झूमने को मजबूर हो गये। वहीं हास्य कवि सुदीप भोला और प्रताप फौजदार ने हास्य कवि सम्मेलन में अपनी कविताओं से लोगों को खूब गुदगुदाया और तालियां बजाने के लिए मजदूर कर दिया। इस अवसर पर सांसद अजय भट्ट, विधायक शिव अरोरा, महापौर विकास शर्मा, ब्लॉक प्रमुख ज्योति ग्रोवर, डीएम नितिन सिंह भदौरिया, सीडीओ दिवेश शासनी, मुख्य शिक्षा अधिकारी केएस रावत, जिला शिक्षा अधिकारी हरेंद्र मिश्रा, एडीएम पंकज उपाध्याय, एसडीएम ऋचा सिंह, गौरव पांडेय, परियोजना अधिकारी हिमांशु जोशी, जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन दोभाल समेत समेत कई लोग मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

विस्थापितों को मालिकाना हक दिलाने की मांग उठाई

गूलरभोज : सांसद अजय भट्ट, भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा और नगर पंचायत अध्यक्ष सतीश चुघ के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर गूलरभोज विस्थापितों को स्वामित्व अधिकार देने की मांग उठाई। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि 1962 में जलाशय निर्माण हेतु अधिग्रहित भूमि के बदले विस्थापितों को जमीन तो मिली, लेकिन मालिकाना हक आज तक नहीं मिला। वर्ष 1980 से पूर्व सिंचाई विभाग द्वारा ली गई 685 एकड़ भूमि पर वर्तमान में सैकड़ों परिवार, रेलवे स्टेशन और सरकारी संस्थान स्थित हैं। मुख्यमंत्री ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी को तत्काल जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

हादसे में कार चालक पर दर्ज की प्राथमिकी

सितारगंज : लापरवाही और तेजी से कार चलाकर 17 वर्षीय किशोर को टक्कर मारने के मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। बैगुल कॉलोनी निवासी दीपक कुमार ने बताया कि 9 फरवरी को उसका बेटा अनुराग यादव (17) भतीजे अभय कुमार के साथ साइकिल से दवाई लेने के लिए कुंवरपुर, सिसैया जा रहा था। रास्ते में किच्छा हाईवे पर पीछे से आई एक कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में अनुराग की मौत हो गई जबकि उसका भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया।

वीडियो वायरल करने की धमकी, आरोपी धरा

खटीमा : पुलिस ने युवती को वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दो साल तक शारीरिक शोषण करने वाले आरोपी शकील अहमद को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता के अनुसार, 2021 से आरोपी उसका पीछा कर रहा था और आपत्तिजनक वीडियो के नाम पर उसे ब्लैकमेल कर रहा था। 26 जनवरी को आरोपी ने घर में घुसकर जबरन निकाह का दबाव भी बनाया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू की। सोमवार को उपनिरीक्षक प्रियंका टम्टा की टीम ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी को इस्लामनगर क्षेत्र से दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

आज तहसील दिवस में समस्याएं सुनेंगे डीएम

जसपुर : तहसील दिवस में मंगलवार को जिलाधिकारी जन समस्याएं सुनेंगे। इस बाबत उन्होंने अपना रोस्टर जारी किया हुआ है। तहसीलदार दलीप सिंह ने बताया कि डीएम ने अपने तहसील दिवस के पूर्व में ही रोस्टर जारी किया हुआ है। इस क्रम में मंगलवार को डीएम लोगों की समस्याएं सुनेंगे। उन्होंने लोगों से पहुंचने की अपील की है।

निकाय चुनाव की मांग को लेकर निकाला जुलूस

सिरौली कला एवं किच्छा पालिका के लिए भाजपाइयों ने उठाई मांग, कांग्रेस पर अवरोध पैदा करने का आरोप

संवाददाता, किच्छा

किच्छा में एसडीएम गौरव पांडे को ज्ञापन सौंपते भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : प्रदेश सरकार द्वारा नगर पालिका क्षेत्र से अलग कर बनाई गई नई सिरौली कला नगर पालिका में जल्द चुनाव संपन्न कराए जाने की मांग को लेकर भाजपाइयों एवं क्षेत्र वासियों ने नगर में विशाल जुलूस निकाला। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने नई अनाज मंडी से एसडीएम कार्यालय तक हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियों के साथ नारेबाजी कर किच्छा एवं सिरौली कला नगर पालिका के चुनाव अलग-अलग कराने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेसियों द्वारा चुनाव में अवरोध पैदा करने का कार्य किया जा रहा है।

पूर्व विधायक राजेश शुक्ला के नेतृत्व में दर्जनों लोग नई अनाज मंडी मैदान में एकत्रित हुए। हाथों में नवगठित सिरौली कला के चुनाव जल्द संपन्न कराने संबंधित स्लोगन लिखी तख्तियों के साथ दर्जनों लोगों का प्रारंभ हुआ जुलूस नगर के बरेली मार्ग, दीनदयाल चौक, मुख्य बाजार होता हुआ एसडीएम कार्यालय पहुंचा। जहां उन्होंने एसडीएम गौरव पांडे को ज्ञापन सौंपते हुए नगर पालिका की किच्छा एवं सिरौली कला के चुनाव अलग-अलग संपन्न कराने की मांग की।

उन्होंने कहा कि धामी सरकार ने जनता की मांग पर सिरौली कला को किच्छा से अलग कर नगर पालिका का दर्जा दिया था, परंतु मुस्लिम समाज को अपना वोट बैंक समझने वाली कांग्रेस पार्टी को यह रास नहीं आया और उन्होंने उत्तराखंड हाई कोर्ट में रिट लगाकर चुनाव में अवरोध पैदा करने का काम कर दिया, जिसके चलते नगर निकाय के चुनाव उलझ गए हैं। उनका कहना था कि 1 वर्ष से किच्छा नगर पालिका तथा 6 वर्षों से सिरौली कला का मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन होने से दोनों क्षेत्रों का विकास बाधित हो रहा है और करोड़ों की योजनाएं लंबित पड़ी हैं। एसडीएम कार्यालय पहुंचे तमाम लोगों ने उप जिला अधिकारी गौरव पांडे को ज्ञापन सौंपते हुए नगर निकाय के चुनाव जल्द संपन्न कराने की मांग की। मौके पर धर्मराज जायसवाल, नितिन मैसी, राकेश गुप्ता, गोल्डी गोराया, दया डसीला, संगीता शर्मा, गफ्फार खान, श्याम बिष्ट, रामावतार अग्रवाल, नाजिम मलिक, नासिर प्रधान, इश्तियाक अहमद आदि मौजूद रहे।

भाजपाइयों ने भू स्वामित्व का डर दिखा जुलूस में आने को किया मजबूर

किच्छा : भाजपाइयों द्वारा किच्छा में निकाले गए जुलूस पर कटाक्ष करते हुए अखिल भारतीय राहुल गांधी यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव भूपेंद्र पपनेजा उर्फ बंटी ने कहा कि बड़े-बड़े दावे करने वाले भाजपाई आज अपनी सरकार के शासन में अपनी मांग को लेकर सड़कों पर धरना प्रदर्शन करने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि नियमानुसार किच्छा नगर पालिका से विभाजित कर सिरौली कला को नई नगर पालिका बनाना नियम विरुद्ध है, लेकिन भाजपाइयों द्वारा चुनाव में अपनी हार के दृष्टिगत जनता को धोखा देकर साजिश रची जा रही है, लेकिन समय आने पर क्षेत्र की जनता भाजपाइयों को सबक सिखाने का काम करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपाइयों द्वारा सिरौली कला की जनता को भू- स्वामित्व का डर दिखाकर जुलूस में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया।

खटीमा के मझोला में निकली शिव बारात में शामिल श्रद्धालु।

बाबा महाकाल की बारात धूमधाम से निकाली गई

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : महाशिवरात्रि पर मझोला क्षेत्र पूरी तरह शिवमय नजर आया। यूं तो सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा लेकिन आकर्षण का मुख्य केंद्र शाम को निकली बाबा महाकाल की भव्य बारात रही।

बारात में शिव पार्वती की जीवंत झांकी के साथ-साथ भूत पिशाच और विभिन्न देवी देवताओं के स्वरूपों ने सबका मन मोह लिया। स्थानीय बैंड बाजा द्वारा बजाए गए शिव भजनों पर भक्त झूमते नजर आए। पूरे रास्ते बम बम भोले और जय महाकाल के उद्घोष से वातावरण गूंजता रहा। कस्बे के मुख्य मार्ग से होते हुए जब बाबा महाकाल की बारात गुजरी तो जगह-जगह स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने उसे पुष्प वर्षा कर पालकी का स्वागत किया। मंदिर समिति और स्थानीय लोगों द्वारा भीड़ को देखकर सुरक्षा के इंतजाम किए गए इस दौरान मंदिर परिसर में विशेष साज सज्जा और लाइटिंग की व्यवस्था की गई पूजा पाठ के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान मंदिर महल समुद्र गिरी राजेश पटेल सरजू अरविंद पटेल ओम पटेल कुशल पटेल रवि शर्मा अतुल श्रीवास्तव शुभम पटेल तेजपाल पटेल राजू जोशी बाबू मोरिया आदि मौजूद रहे।

मालिकाना हक दिए जाने को लेकर एसडीएम ज्ञापन देते लोग।

सिंचाई विभाग की भूमि पर बसे लोगों को नोटिस

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : सितारगंज में सिंचाई विभाग की जमीन पर रह रहे परिवारों को नोटिस मिलने से हड़कम्प मचा हुआ है। दशकों से भूमि में बसे लोगों ने मालिकाना हक दिये जाने की मांग को लेकर सोमवार को एसडीएम के माध्यम से सीएम को मांग पत्र भेजा।

वार्ड छह समेत आसपास के वार्डों में बसे लोगों ने कहा है कि सिंचाई खंड की ओर से उन्हें नोटिस देकर मकान हटाने के नोटिस दिए हैं। बलपूर्वक हटाने की चेतावनी दी है। उनके घरों में बिजली मीटर लगे हैं। पानी लाइनें हैं। नगरपालिका में टैक्स अदा करते हैं। वार्ड के लोगों ने कहा है कि वे बेघर हो जायेंगे। इस मौके पर नारायण सिंह, प्रेमवती देवी, राजेश कुमार, सूरजपाल, नवीजान, इदरीश अहमद, राजेश कुमार, रमेश, तनवीर, जाकिर हुसैन, मोहन लाल मौजूद रहे।

मर्तोलिया बने किच्छा चीनी मिल के ईडी

किच्छा: पूर्व में किच्छा चीनी मिल के अधिशासी निदेशक रहे त्रिलोक सिंह मर्तोलिया को शासन ने पुनः अधिशासी निदेशक पद का दायित्व सौंपा है। अधिशासी निदेशक बनने के बाद किच्छा चीनी मिल पहुंचे त्रिलोक सिंह मर्तोलिया ने विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। नवनियुक्त अधिशासी निदेशक मर्तोलिया ने कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत चीनी मिल का भ्रमण किया और मिल अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में ईडी मर्तोलिया ने अवशेष पेराई सत्र हेतु गन्ने की आपूर्ति के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने गन्ना किसानों से अनुरोध करते हुए कहा कि मिल बंदी के द्वितीय नोटिस के अनुसार आगामी 20 फरवरी को किच्छा चीनी मिल के पेराई सत्र का समापन होना संभावित है, इसीलिए सभी गन्ना किसान यथा समय अपना शेष गन्ना मिल को आपूर्ति कर दें।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने किया प्रदर्शन

- जिला कार्यक्रम अधिकारी के माध्यम से सीएम को भेजा ज्ञापन
- जल्द मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

संवाददाता, रुद्रपुर

कलेक्ट्रेट गेट पर धरना प्रदर्शन को संबोधित करतीं आंगनबाड़ी कार्यकत्री। ● अमृत विचार

अमृत विचार: मानदेय बढ़ाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने कलेक्ट्रेट गेट पर धरना दिया और प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। आक्रोशित कार्यकत्रियों ने जल्द मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

सोमवार को धरना प्रदर्शन के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां पिछले लंबे समय से अपनी मांग उठा रही हैं। इसमें मानदेय में 140 रुपये प्रतिदिन की वृद्धि करने, केंद्र सरकार को 150 रुपये प्रतिदिन की बढ़ोतरी का प्रस्ताव भेजे जाने, बिना किसी अतिरिक्त अर्हता के सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये देने संबंधी शासनादेश जारी होने के बाद ही विभाग द्वारा 300 रुपये मासिक कटौती का प्रस्ताव लागू करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि जब तक इस संबंध में स्पष्ट शासनादेश जारी नहीं होता तब तक उनके खातों से 300 रुपये की कटौती न की जाए।

इसके अतिरिक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बायोमेट्रिक मशीन से न जोड़ने की मांग भी की गयी। इस अवसर पर आंगनबाड़ी सेविका मिनी कर्मचारी संगठन की जिलाध्यक्ष चंद्रावती, महामंत्री शाहजहां, ब्लॉक अध्यक्ष मुन्नी ठाकुर, प्रदेश सदस्य कुसुम लता, धर्मा देवी, गीता जोशी, रतन कुशवाहा, सुरभि, पूनम, आसमा, सुजाता, रिहाना, दीपा पांडे, उन्नति, रिचा सक्सेना, फरजाना मलिक, कुलविंदर कौर, ममता चौहान, चंपा देवी, अनिता सैनी, ज्योति शर्मा, राजकुमारी आदि मौजूद रहीं।

21 कन्याओं का कराया विवाह

संवाददाता, खटीमा

खटीमा में विवाह के समय कन्याओं के साथ उपस्थित एनआरआई ग्रेवाल और अन्य।

अमृत विचार: 25 साल पहले सुनपहर निवासी संदीप ग्रेवाल कनाडा चले गए थे। टोरंटो में रह रहे संदीप ग्रेवाल का दिल आज भी भारत के लिए धड़कता है। सोमवार सुबह गुरुद्वारा हर गोविंद सिंह साहिब में कनाडा एनआरआई ग्रेवाल ने पहुंचकर 21 निर्धन कन्याओं पूरनपुर प्रभजोत कौर, मझोला सुनीता सौभाग्यवती, सहदौरा लक्ष्मी, उलानी नवनीत कौर, बुडरा जसप्रीत कौर, रघुलिया की रविंद्र कौर, पालीगंज राजविंदर कौर, सुमित्रा मंडल हरिया, गुरदीप कौर हल्दी, खुशबू देवहा, नीरू कौर हृदासपुर, सतनाम कौर सितारगंज, रमनदीप कौर दियार, कुलदीप कौर जमौर, संदीप कौर जादोपुर और आराधना राणा आदि को वाशिंग मशीन, फ्रिज, टीवी, बक्से, ड्रेसिंग टेबल, बेड, कुर्सियां, टेबल, अलमारी, रजाई, गद्दे, कपड़े सहित घर गृहस्थी का सामान उपहार स्वरूप नव विवाहित जोड़े को भेंट किया। वहीं यूपी उत्तराखंड के 10 गरीब छात्रों को गोद लिया और करीब पांच लाख 60 हजार स्कूल फीस जमा कर निजी स्कूल में दाखिला दिलाया। गुरुद्वारा ग्रंथि दिलबाग सिंह और एनआरआई ग्रेवाल ने नवविवाहित जोड़ों का सिख परम्परा से विवाह संपन्न कराया। इस दौरान गुरुद्वारे में अखंड पाठ, भोग रखा गया। संचालन पूर्व कंचनपुरी समिति अध्यक्ष जसविंदर सिंह बाजवा ने किया। इस अवसर पर सरदार सेवा सिंह, गुरुद्वारा प्रबंधक जसवंत सिंह, गुरप्रीत सिंह औजला, परविंदर सिंह, भारतीय किसान यूनियन जिला अध्यक्ष गुरसेवक सिंह, गोरी शंकर, बलजिंदर सिंह रिठू, हरप्रीत सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रियंका चिंतापात्र ने हासिल की ऑप्टोमेट्री में डिग्री

- सीमित संसाधन के बावजूद बढ़ाया क्षेत्र व परिजनों का मान

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : गुरुग्राम निवासी प्रियंका चिंतापात्र ने सीमित संसाधनों के बावजूद सफलता हासिल करते हुए स्वामी राम हिमालयन यूनिवर्सिटी, जौलीग्रांट (देहरादून) से बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री की डिग्री प्राप्त की है। कॉलेज परिसर में आयोजित दीक्षांत समारोह में उन्हें यह डिग्री मुख्य अतिथि जेपी नड्डा एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में प्रदान की गई।

प्रियंका ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया है। प्रियंका की माता शर्मिला आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और पिता मनीशंकर किसान हैं। ग्राम प्रधान बितिका मिस्त्री, शिक्षक तारादत्त, प्राण बढ़ई, दिलीप मिस्त्री, दीपक सरकार, तोमस साना, रविंद्र खान, गोकुल विश्वास, रीतेश, गोविंद मंडल, बासु माझी आदि ने बधाई दी है।

ऑप्टोमेट्री की डिग्री प्राप्त करतीं प्रियंका।

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड
HINDUJA HOUSING FINANCE
कॉर्पोरेट कार्यालयः नं. 167-169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैवापेट, चेन्नई-600015, ईमेलः auction@hindujahousingfinance.com
असवानी कॉम्प्लेक्स गोल्डन फर्नीचर के पास बरेली रोड हलद्वानी-263132
आरएलएम–ब्रजेश अवस्थी–9918301885, आरआरएम– हरिश चंद यादव, 7060411785, सीएलएम– श्री रवि दीक्षित 9794347032, सीआरएम– अनिल कुमार, 9927028507

सांकेतिक कब्जा सूचना

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रति भूति हित अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड, का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 (2002 का नं. 3) के नियम के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत शक्तियो के अंतर्गत निम्नलिखित कर्जदारों (तदोपरान्त कर्जदार एवं गारंटरों को संयुक्त रूप से "कर्जदार" कहा गया है) को निम्नांकित दिनांको को मांग नोटिस जारी किया था जिसमें उल्लेखित राशि प्रत्येक खाते के आगे वर्णित है उक्त सूचना की तिथि से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार उक्त राशि का भुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतद्द्वारा कर्जदार और गारंटर तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियमो के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत सम्पत्ति का कब्जा नीचे प्रत्येक खाते के सामने अंकित के अनुसार लिया है। विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन–देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड, के प्रभार वास्ते निम्नलिखित राशि और उपरोक्तानुसार राशि पर संविदात्मक दर पर भविष्य का ब्याज, आकस्मिक खर्चे, लागत, प्रभार इत्यादि सहित के अधीन होगा। उधारकर्ता का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्र. सं.	कर्जदार/गारन्टर के नाम एवं पता	मांग सूचना की तारीख / कब्जा सूचना की तिथि	बकाया राशि	अचल सम्पतियों का विवरण
1	UP/ALI/MDBD/A000000667 श्री साकिर पाशा श्रीमती बेहद्रीन जहान श्री साजिद अली गांव छितरिया जागीर, 0, गांव छितरिया जागीर पोस्ट धानुपुरा रामपुर, अर्धशहरी, रामपुर, उत्तर प्रदेश, भारत – 244925	06-11-2025 / 12-02-2026 सांकेतिक	₹ 1371982 as on 05-11-2025 plus interest thereon	रामपुर, रामपुर, अर्धनगरीय, रामपुर, उत्तर प्रदेश, भारत – 244901, सीमाएं: उत्तर – प्लॉट तौफीक, दक्षिण – माकन नाजिम, पूर्व – रस्ता 12 फीट चौड़ा पश्चिम–प्लॉट मुकीर
2	UP/HDW/KSHP/A000000495 श्री. अमरजीत सिंह और श्रीमती कुलविंदर कौर श्यामपुरम कॉलोनी, 0, देवीपुरा, सेमीअर्बन, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत – 244713	06-11-2025 / 12-02-2026 सांकेतिक	₹ 695706 as on 05-11-2025 plus interest thereon	खासरा नंबर 276, श्यामपुरम कॉलोनी, खदकपुर देवीपुरा, यूएस नगर, ब्राइट वे क्लास के पास, काशीपुर, उत्तराखंड, देवीपुरा, सेमीअर्बन, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत – 244713, सीमाएं: उत्तर – हाउस ऑफ अदर, दक्षिण–13 फिट रोड, पूर्व–हाउस ऑफ विजय पाल, पश्चिम–हाउस ऑफ नरेंद्र
3	UP/ALI/MDBD/A000000481 श्री नूरुल हसन और श्रीमती रूही परवीन घेर पचछैया अमरोहा, 0, घेर पचछैया अमरोहा, वासुदेव मंदिर के पास, अर्धशहरी, अमरोहा, उत्तर प्रदेश, भारत – 244221	06-11-2025 / 13-02-2026 सांकेतिक	₹ 776089 as on 06-11-2025 plus interest thereon	1,ना, वासुदेव रोड,मोहल्ला घेर पचौयन में घर,वासुदेव तीर्थस्थल,मिलान विवाह हॉल, , अमरोहा, मोहल्ला घेर पचौयन वासुदेव तीर्थस्थल मिलान विवाह हॉल में वासुदेव रोड हाउस, अर्धशहरी, अमरोहा, उत्तर प्रदेश, भारत – 244221, सीमाएं: उत्तर – अराजी मोइन अहमद, दक्षिण–अराजी नाजिम और इकबाल अहमद, पूर्व–अराजी मशकूर अहमद और रास्ता 6 फीट चौड़ा, पश्चिम–अराजी वसीम अहमद
4	DL/BIJ/BIJN/A000000414 श्री मोहम्मद महबूब गांव छितरिया जागीर, 0, गांव छितरिया जागीर पोस्ट धानुपुरा रामपुर, सेमीअर्बन, रामपुर, उत्तर प्रदेश, भारत – 244925 श्रीमती शमशीदा शमशीदा श्री मोहम्मद आसिफ चौक बाजार, 0, चौक बाजार कंठ, स्कूल के पास, शहरी, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत – 244501	15-11-2025 / 13-02-2026 सांकेतिक	₹ 1038367 as on 12-11-2025 plus interest thereon	मौजा चौक बाजार,वार्ड नंबर 16, कांत,तहसील–कांत, जिला मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, कांत मुरादाबाद, स्कूल के पास, शहरी, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, भारत – 244501 में स्थित संपत्ति, सीमाएं: उत्तर – रायसुद्दीन का घर, दक्षिण–जेहबर खान का घर, पूर्व–नेम अंसारी का घर, पश्चिम– 6 मीटर चौड़ी सड़क
5	UP/UDA/JSHP/A000000288, श्री अर्जुन सिंह, , श्रीमती लक्ष्मी देवी, विल्मे थारी आरटीसी हेमपुर, अर्जुन सिंह, नैनीताल, थारी रोड के पास, ग्रामीण, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत 244716	20-11-2025 / 12-02-2026 सांकेतिक	₹ 2459682 as on 20-11-2025 plus interest thereon	खसरा नं 57 मिन गरम थारी चिलकिया, रामनगर, मन्दिर के पास, ग्रामीण, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत द्व 244716, सीमाएं: उत्तर – तुलिया देवी की भूमि, दक्षिण– पूरन सिंह की भूमि, पूर्व– 15 फीट चौड़ी सड़क और अर्जुन सिंह/डोनर की भूमि, पश्चिम– अर्जुन सिंह की भूमि
6	UP/UDA/RUDR/A000000420 श्री अफसर अफसर यादव सभा के पास, 0, यादव सभा के पास, ओझान, वार्ड नंबर 11, काशीपुर, पो काशीपुर, जिला उधम सिंह नगर, ग्रामीण, काशीपुर, उत्तराखंड, भारत – 244713 श्रीमती शमीम बेगम वार्ड नंबर 07 सीतारगंज, सीतारगंज, ग्रामीण, सीतारगंज उत्तराखंड, भारत, 262405	20-11-2025 / 12-02-2026 सांकेतिक	₹ 1075759 as on 20-11-2025 plus interest thereon	खासरा नंबर 314 एए मिन,ना, मोहल्ला बाली नगर,पुराना वार्ड नंबर 1 नया वार्ड नंबर 10, यूएस नगर,मस्जिद और बी एड कोलाज,सीतारगंज, उत्तराखंड, 262405, सीमाएं: उत्तर–सड़क, दक्षिण–खेत यूसुफ और अब्दुल, पूर्व–बाबू का घर, पश्चिम–नफीस का घर

दिनांक : 16-02-2026, स्थान : हल्द्वानी
प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

आयोजन

समारोह में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समा बांधा

धूमधाम से मना पीएमश्री अटल उत्कृष्ट कॉलेज का वार्षिकोत्सव

संवाददाता, खटीमा

वार्षिकोत्सव समारोह में कार्यक्रम के माध्यम से मोबाइल यूजरों को संदेश देते बच्चे।

अमृत विचार: पीएमश्री अटल उत्कृष्ट थारू राजकीय इंटर कॉलेज का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। समारोह में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समा बांधा। वहीं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों के साथ शत प्रतिशत उपस्थिति देने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया।

विद्यालय परिसर में आयोजित वार्षिकोत्सव का शुभारंभ पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, रणदीप पोखरिया, पूर्व प्रधानाचार्य सुदर्शन चंद वर्मा, सतीश चंद्र गुप्ता ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया। वंदना से शुरू हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में राजस्थानी गीत, कुमाऊनी लोक नृत्य, गिद्दा, सोशल मीडिया विषय पर नाटक तथा योग प्रदर्शन प्रमुख आकर्षण रहे। एनसीसी एयर विंग स्टॉल और सेल्फी प्वांइट आकर्षण का केंद्र रहे। वरिष्ठ शिक्षक नरेंद्र सिंह रौतेला ने विद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। अंत में शैक्षणिक उत्कृष्टता, शत प्रतिशत उपस्थिति, एनसीसी, एनएसएस, क्रीड़ा, विज्ञान, योग एवं गणित में विशेष योगदान देने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य संतोष कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संचालन मनीषा कल्पासी, रेहान और एलेना ने किया। इस अवसर पर नीरज खन्ना, भगवान सिंह बोरा, गोपाल दत्त पाठक, नरेश चंद्र तिवारी, भगवान सिंह मेहता, डीके जोशी, केडी जोशी, एमसी जोशी, पूजा सक्सेना असलम, आशीष, फरहान, भजनलाल गंगवार, नंदन सिंह बिष्ट, बी. चिलकोटी, दयाल सिंह राणा, तारा पंत (मुख्य प्रशासन अधिकारी), संजय पंत (मुख्य प्रशासन अधिकारी), चंदन कुमार (प्रधानाचार्य), रामनारायण वर्मा, राजकीय गोपाल दत्त पाठक, शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष भुवन चंद, ब्लॉक मंत्री गोकुल कापड़ी, जिला अश्वनी कुमार मौर्य, तोताराम दिवाकर, ललित जोशी, केडी जोशी, लिली सिंह, विवेक जोशी मौजूद रहे।

अमृत विचार

हल्द्वानी , मंगलवार,17 फरवरी 2026

सिटी ब्रीफ

नाबालिग को भगा ले जाने का आरोपी गिरफ्तार

काशीपुर : आईटीआई कोतवाली क्षेत्र निवासी एक नाबालिग को भगा ले जाने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नाबालिग को बरामद कर लिया। बीते दिन एक व्यक्ति ने तहरीर सौंपी। इसमें बताया कि हेमपुर इस्माइल हरप्रतापपुर निवासी चंदन उसकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस ने आरोपी चंदन के घर से नाबालिग को बरामद कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट रिपोर्ट दर्ज कर उसको गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया।

निगम में आज लगेगा बहुउद्देशीय शिविर

काशीपुर : जन-जन की सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत कल 17 फरवरी को नगर निगम परिसर में प्रात: 11 बजे एक बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सभी विभागों के अधिकारी मौके पर रहकर जनता की समस्याओं को सुनेंगे और उनका समाधान करेंगे। साथ ही केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनहितकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी जनता को देंगे और उनके लाभ लेने के संबंध में भी जानकारी देंगे। महापौर दीपक बाली एवं नगर आयुक्त रविंद्र सिंह बिष्ट ने काशीपुर क्षेत्र की जनता से अनुरोध किया है कि वह अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस बहुउद्देशीय शिविर का लाभ उठाएं।

गली पर अवैध कब्जा करने का आरोप

बाजपुर : गली पर अवैध कब्जे और सरकारी नाले पर अतिक्रमण का मामला सामने आया है। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोपी पर कार्रवाई की मांग की है। वार्ड-पांच चूना भट्टी रोड केशवनगर निवासी कमरूद्दीन ने पुलिस को बताया कि उनके घर आने-जाने के लिए करीब पांच फुट चौड़ी गली है। आरोप है कि पड़ोसी महिला द्वारा छज्जा बढ़ाकर गली को संकरा किया जा रहा है, जिससे आवागमन में परेशानी हो रही है। यह आरोप भी लगाया है कि आरोपी द्वारा दक्षिण दिशा में स्थित लगभग 18 फुट चौड़े सरकारी नाले पर अवैध कब्जा कर उसकी चौड़ाई घटाकर चार फुट कर दी गई है। इससे आसपास के लोगों को जल निकासी सहित अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

113 शिकायतों में से 42 का निस्तारण हुआ, 54 मजदूरों को बांटे कंबल-छाते, बिजली की समस्याएं छाई रहीं

महुवाडाबरा बहुउद्देशीय शिविर में सुनीं जनसमस्याएं

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचार: जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार के तहत लगे शिविर में 113 लोगों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराई। जिनमें से 42 शिकायतों का अधिकारियों ने मौके पर ही निस्तारण कर शेष शिकायतों को जल्द निस्तारित करने के आदेश दिए। शिविर में मुख्य रूप से सड़क, पानी, सफाई, बिजली की समस्याएं छाई रहीं।

जसपुर में समस्याएं सुनते अधिकारी। ● अमृत विचार

सोमवार को नगर पंचायत महुआडाबरा के बारात घर में लगे शिविर में सीडीओ दिवेश शाशनी, एसडीएम अभय प्रताप सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज पाल, एससी आयोग अध्यक्ष मुकेश कुमार, पूर्व विधायक डॉ. शैलेंद्र मोहन सिंघल आदि पहुंचे। उन्होंने लोगों से कैंपों का लाभ लेने को कहा। सीडीओ द्वारा विभागीय अधिकारियों को जन समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देशित किया। कैंप में 113 शिकायतें एवं प्रार्थना पत्र दर्ज हुए। इनमें 42 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर शेष को निस्तारित करने के आदेश दिए। कैंप में श्रम विभाग के एलईओ बलराम सिंह ने 54 मजदूरों को कंबल-छाते बांटे। स्वास्थ्य विभाग, होम्योपैथी, आयुष विभाग द्वारा 500 से अधिक मरीजों की जांच की गई। समाज कल्याण विभाग ने सात पेंशन फार्म भरे। 16 श्रम कार्ड बनाए गए। बाल विकास विभाग ने गोद भराई कराई। शिविर में दस महिलाओं को महालक्ष्मी किट तथा पांच महिलाओं को नंदा गौरा योजना से लाभान्वित किया। शिविर में स्मार्ट मीटर न लगाने, लाइनें शिफ्ट कराने, बीएलओ द्वारा काम न करने, नाला, गूल का निर्माण, आधार कार्ड, राशन कार्ड बनवाने, विभिन्न गांवों में श्मशान और कब्रिस्तान, बारात घर, टाइल्स रोड, नाली बनवाने, पाइप लाइन डलवाने, पीएम आवास बनवाने, शराब स्मैक की बिक्री रुकवाने, महुआडाबरा में सीसीटीवी कैमरे लगवाने आदि के मुद्दे छाए रहे। सीडीओ ने बताया कि बिजली लाइनों को शिफ्ट कराने को एक डीपीआर भेजने को कहा है।

इस मौके पर नोडल अफसर सुशील कुमार, एसडीएम राहुल शाह, तहसीलदार दलीप सिंह, बीडीओ केके कांडपाल, राजकुमार, विशाल, मनप्रीत लाडी, दर्पण, हरिबाबू निरंजन, डॉ. धीरेंद्र, सद्दाम अली, दीपक कुमार, गौरव चौहान, मुकुल गर्जोला मौजूद रहे।

काशीपुर में जागरूकता रैली निकालतीं स्वयं सेवी छात्राएं। ● अमृत विचार

नशा उन्मूलन जागरूकता रैली निकाली

काशीपुर : एनएसएस के विशेष शिविर में स्वयंसेवियों ने चयनित मलिन बस्ती कटरामालियान में नशा उन्मूलन जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे का सेवन न करने की अपील की एवं नशे की सेवन से होने वाली बीमारियों एवं दुष्प्रभाव की जानकारी दी। शिविर के तीसरे दिन स्वयंसेवियों ने पॉलीथिन उन्मूलन पर जागरूकता रैली निकालकर जनमानस को प्लास्टिक और पॉलिथीन का उपयोग न करने का आग्रह किया। बौद्धिक सत्र में डॉ. गिरीश चंद्र पलड़िया एवं कार्यक्रम अधिकारी द्वारा वित्तीय जागरूकता विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वंदना सिंह, डॉ. गीता मेहरा, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रमा अरोरा एवं सृष्टि सिंह आदि मौजूद रहीं।

अंधविश्वास के नाम पर लोगों से ठगे 62.79 लाख, मुकदमा दर्ज

आरोपी ने धार्मिक उपदेश देकर लोगों को वश में किया, निवेश की योजनाएं बताईं

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: एक व्यक्ति ने धीमरखेड़ा निवासी एक व्यक्ति पर अंधविश्वास के नाम पर लुभावने रिटर्न का लालच देकर पीड़ितों के परिवार से लगभग 62.79 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप लगाया है। पीड़ितों ने आईटीआई कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं पुलिस ने आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बांसखेड़ा खुर्द निवासी शकील अहमद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि अप्रैल 2025 में उसकी मुलाकात धीमरखेड़ा निवासी सरताज अली उर्फ सैयद मियां से हुई थी। सरताज ने दावा किया कि उसके पास 'भाईजान' नाम का एक जिन्न है, जिसके जरिए वह लोगों को भारी मुनाफा कमा कर देता है। विश्वास जीतने के लिए जुलाई 2025 में ग्राम बांसखेड़ा में एक बड़े जलसे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोग जुटे। वहां

काशीपुर की आईटीआई कोतवाली में तहरीर सौंपते पीड़ित। ● अमृत विचार

सरताज ने धार्मिक उपदेश देकर लोगों को अपने वश में कर लिया और निवेश की दो योजनाएं बताईं। कहा कि 25 हजार 500 रुपये जमा करने पर 16 हजार रुपये प्रति माह, 1 लाख 11000 रुपये जमा करने पर 1 लाख रुपये प्रति माह का रिटर्न मिलेगा। आरोप है कि सरताज अली ने अपने साथियों आरिफ अली और नाजिम के साथ मिलकर एक संगठित सिंडिकेट बनाया। शकील अहमद और उनके परिवार के करीब 9 सदस्यों ने अपनी जीवन भर की जमा पूंजी कुल 62.79 लाख रुपये इन लोगों को सौंप दी। जिसमें आविद हुसैन ने 9,43,500 रुपये, सिराजुद्दीन ने 7,95,500 रुपये, यामीन ने कुल 6,88,500 रुपये, यासीन ने कुल 8,92,500 रुपये, नजीर ने कुल 4,08,000 रुपये, नदीम ने कुल 3,06,000 रुपये, रिजवान ने कुल 6,12,000 रुपये, शौकीन ने कुल 7,65,000 रुपये व उसके 8,68,000 रुपये दिए। बताया कि आरोपियों ने भरोसे का हवाला देकर कोई रसीद नहीं दी और संसद ताजुल कादरी नाम की एक फर्जी समिति बनाकर कार्यालय खोल लिया, जो अब बंद है।

बताया कि जानकारी करने पर पता चला कि आरोपी फर्जी समिति बनाकर लोगों से पैसा उगाते हैं और फिर वहां से भाग जाते हैं। इन लोगों ने ऐसा ही अपराध ग्राम रोफिनी जिला रामपुर में भी किया है। शकील के अनुसार, जब वे 12 फरवरी 2026 को पैसा वापस मांगने सरताज के घर पहुंचे, तो आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। आरोप लगाया है कि ठगी के पैसों से आरोपियों ने जमीन और गाड़ियां खरीद ली है और अब वे विदेश भागने की फिराक में हैं। शकील ने पैसा वापस दिलाने की मांग की है और कार्यवाही न होने पर आत्महत्या की चेतावनी दी है। कोतवाली आईटीआई प्रभारी निरीक्षक रवि सैनी ने बताया कि तहरीर के आधार पर सरताज अली, आरिफ अली और नाजिम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। बताया जा रहा है कि इस सिंडिकेट ने उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में भी इसी तरह की वारदात को अंजाम दिया है।

सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: प्रदेश सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों और बढ़ते भ्रष्टाचार के विरोध में सोमवार को बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता देहरादून स्थित राजभवन घेराव के लिए रवाना हुए। किसान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष हरमिंदर सिंह ढिल्लो के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने तड़के ही कूच किया।

ढिल्लो ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। उन्होंने ओवरलोड डंपरों को "चलती-फिरती मौत" करार देते हुए आरोप लगाया कि प्रशासन की अनदेखी से आए दिन हादसे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और असुरक्षा के माहौल के खिलाफ यह आंदोलन जनता की आवाज बनेगा। कार्यकर्ताओं से शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन को सफल बनाने की अपील की गई है।

इस मौके पर केलाखेड़ा नगर पंचायत के पूर्व चेयरमेन हामिद हुसैन, ग्राम प्रधान पति महेशपुरा लीलाधर सैनी, नवदीप कंग, गुरबाज सिंह, जयदेव प्रधान, जग्गा सिंह, अमर रंधावा, मोनू, बब्बू सिंह, जगजीत सिंह संधू, गोल्डी कंग समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाजपुर से देहरादून रवाना होते कांग्रेस कार्यकर्ता।

काशीपुर से दून गए प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के साथ।

राजभवन घेराव को कांग्रेसियों ने किया दून कूच

काशीपुर : प्रदेश सरकार पर बेरोजगार युवाओं के अधिकारों पर डाका डालने, भर्ती घोटालों और बढ़ती बेरोजगारी के विरोध में बड़ी संख्या में कांग्रेस प्रदेश महासचिव अनुपम के नेतृत्व में राजभवन घेराव के लिए सोमवार को देहरादून रवाना हो गए। देहरादून कूच करने वालों में महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अलका पाल, पूर्व अध्यक्ष मुशर्रफ हुसैन, गौरव चौधरी, सारिम सैफी, नंदराम आदि मौजूद रहे।

जसपुर में कार्रवाई करती पुलिस। ● अमृत विचार

जसपुर पुलिस ने शुरू किया ऑपरेशन क्रैक डाउन

जसपुर : एसएसपी अजय गणपति के निर्देश पर पुलिस ने आपराधिक तत्व, संदिग्धों के विरुद्ध क्षेत्र में ऑपरेशन क्रैक डाउन शुरू कर दिया है। यह अभियान 15 मार्च तक चलेगा। सोमवार को अभियान की शुरुआत करते हुए पुलिसकर्मियों ने ईदगाह रोड, धर्मपुर, पतरामपुर क्षेत्र में किरायेदार, नौकर, रेहड़ी, फेरी वालों का सत्यापन किया। सत्यापन न कराने पर एक मकान मालिक का पुलिस एक्ट में 10 हजार रुपये का चालान किया। साथ ही पुलिस एक्ट में चार लोगों का नगद चालान किया गया। एसएसआई जावेद मलिक ने बताया कि अभियान का मुख्य लक्ष्य बाहरी अपराधियों से क्षेत्र को सुरक्षित रखना है। उन्होंने जनता से अपील की है कि वह अपने किरायेदार एवं बाहरी कर्मचारियों का सत्यापन करा लें।

किरायेदारों का सत्यापन नहीं कराने पर काटे चालान

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: पुलिस ने बांसफोड़ान और प्रतापपुर क्षेत्र में सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने 61 लोगों का सत्यापन किया। पांच लोगों के 81 पुलिस एक्ट में नकद चालान किए। किरायेदारों का सत्यापन न कराने वाले मकान मालिकों के खिलाफ 83 पुलिस एक्ट में 10-10 हजार रुपये के सात चालान किए।

सोमवार को एसएसपी के निर्देश पर पुलिस ने क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से बाहरी व्यक्तियों, किरायेदारों, घरेलू सहायकों, निर्माण श्रमिकों आदि का सत्यापन अभियान चलाया। पुलिस ने मकान मालिकों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों के स्वामियों, ठेकेदारों एवं आम नागरिकों से अपील कर कहा कि वे अपने यहां कार्यरत या निवास कर रहे बाहरी व्यक्तियों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य रूप से कराएं। सत्यापन न कराने की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा सकती है।

काशीपुर में सत्यापन अभियान चलाती पुलिस। ● अमृत विचार

बरहैनी में वाहनों की सघन चेकिंग करती पुलिस। ● अमृत विचार

बरहैनी में पुलिस ने रात में चलाया चेकिंग अभियान

बाजपुर : जनपद में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से एसएसपी अजय गणपति के निर्देश पर रविवार रात व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के तहत क्षेत्र में पुलिस टीमों ने देर रात तक वाहनों की सघन जांच की। बरहैनी पुलिस चौकी प्रभारी संदीप शर्मा के नेतृत्व में मुख्य चौराहों, संवेदनशील मार्गों और बाहरी क्षेत्रों में बैरिकेडिंग कर दोपहिया और चारपहिया वाहनों की गहन तलाशी ली गई। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की गई तथा वाहन दस्तावेज, ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट और सीट बेल्ट की भी जांच की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य अपराधियों में भय पैदा करना और आमजन में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है।

घर-घर जाकर लोगों के दस्तावेजों की जांच की

बाजपुर : दोराहा पुलिस चौकी क्षेत्र में सोमवार को पुलिस द्वारा सत्यापन एवं चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बाहर से आए लोगों से पहचान पत्र, आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। पुलिस ने ग्राम पंचायत महेशपुरा क्षेत्रांतर्गत घर-घर दस्तक देकर कई लोगों के दस्तावेजों की जांच की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान 25 लोगों का सत्यापन किया गया। एक मकान मालिक का 83-पुलिस एक्ट में 10 हजार का चालान किया, जबकि 4 लोगों का 81-पुलिस एक्ट में चालान किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण करना है। इस दौरान पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की कि वह किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

बाइंका में आयोजित कौशलम् कार्यक्रम में शामिल छात्राएं।

बालिकाओं ने किया हस्तशिल्प कला का सुंदर प्रदर्शन

शक्तिफार्म : कौशलम् प्रोग्राम के तहत बालिका इंटर कॉलेज में छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने के कौशल सिखाए गए। प्रधानाचार्य मनीषा अग्रवाल, अतिथि प्रशिक्षक गणेश चन्द्रा, प्रियंका सिंह, निशा रानी, रेनू कुशवाह और कनिका चंद्र ने छात्राओं को कौशल विकसित करने का प्रशिक्षण दिया। बालिकाओं ने हस्तशिल्प कला का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि इससे बालिकाएं भविष्य में आत्मनिर्भर हो सकेंगी और परिवार का भरण पोषण करने में सक्षम होंगी।

मेले में इलेक्ट्रॉनिक झूले बने आकर्षण

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: प्राचीन शिव मंदिर रामबाग में आयोजित आठ दिवसीय मेले के दूसरे दिन तराई के विभिन्न हिस्सों से बुक्सा समुदाय के साथ-साथ अन्य वर्ग के लोग भी पहुंचे। रात्रि में हो रहे शिव भजनों से रौनक खासी बढ़ गई है। मेले में लगे इलेक्ट्रॉनिक झूले लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। झूलों पर झूल कर लोग आनंद लिया।

सोमवार की प्रातः मंदिर के मुख्य पुजारी चंदू सिंह लखचौरसिया व पुजारन मंतो देवी ने पूजा- अर्चना कर जलाभिषेक किया। पूजा स्थल से कुछ ही दूर मेले में लगे इलेक्ट्रॉनिक झूले मनोरंजन के तमाम साधनों एवं मेले में मुख्य बुक्सा पकौड़ी व जलेबी का लोगों ने आनंद लिया। मेले में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मेले में जगह-जगह पुलिस के जवान तैनात रहे। श्रद्धालुओं की सुरक्षा

दिनेशपुर रामबाग मेले में इलेक्ट्रॉनिक झूले का आनंद लेते लोग। ● अमृत विचार

का ध्यान रख रहे हैं। मेले में आए बुक्सा समुदाय के लोगों ने बताया कि मेला उनकी संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। परिवार के साथ हर साल मेले में आते हैं। इस मौके पर भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा, जनजाति आयोग सदस्य बाबू सिंह तोमर, मेला कमेटी संरक्षक राकेश सिंह, व्यवस्थापक नित्यानंद मंडल, सचिव किशोर मल्लिक, मेला प्रभार एसआई प्रदीप शर्मा, मुख्य पुजारी चंदू सिंह लखचौरसिया, पुजारन मंतो देवी, कमेटी भाजपा नेता अमित नारंग, खटोला पूर्व प्रधान एडवोकेट मुकेश सिंह राणा, पूर्व प्रधान विकास सरकार, सोमल सिंह, भूप सिंह, शिवपद मल्लिक, सागर सिंह, विभूति सरकार, अभिनव सिंह, गगन सिंह, पूर्व प्रधान विकास राय, अशोक कालड़ा, मुकेश सिंह, किशोर सिंह, विजय ढाली, करम सिंह, प्रीतम सिंह, सागर सिंह आदि सैकड़ो श्रद्धालु मौजूद रहे।

मां की हत्या का प्रयास कर घर में लगाई आग

बाजपुर: थाना केलाखेड़ा क्षेत्र में एक युवक द्वारा अपनी ही मां की हत्या की कोशिश और पड़ोसियों को आतंकित करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है।

बीती 14 फरवरी को आरोपी अपनी मां को जान से मारने की नीयत से पीछे दौड़ा, जिसके बाद मां ने पड़ोसी के घर छिपकर जान बचाई। आरोप है कि युवक जबरन पड़ोसी के घर में घुस गया और विरोध करने पर गाली-गलौज व मारपीट की। बीच-बचाव करने आए अपने पिता के साथ भी आरोपी ने अभद्रता की। डायल 112 पर सूचना मिलने के बाद आरोपी पकड़े जाने के डर से अपनी ही बाइक में आग लगाकर मौके से फरार हो गया। हैरानी की बात यह है कि सोमवार को आरोपी ने फिर से पीड़ित पड़ोसी के घर के सामने आकर कथित रूप से पिस्टल लहराते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दी। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

बाजपुर चीनी मिल का स्थापना दिवस मनाया

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: सहकारिता क्षेत्र की प्रथम चीनी मिल बाजपुर का 67वां स्थापना दिवस सोमवार को श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर चीनी मिल प्रबंधन की ओर से मिल की नींव रखने वाले देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मिष्ठान वितरण किया गया।

इस मौके पर प्रधान प्रबंधक डॉ.अमृता शर्मा की अगुवाई में पं.जवाहरलाल नेहरू पार्क में स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक सहित समस्त अधिकारी व कर्मचारियों ने पं.नेहरू की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम

पूर्व प्रधानमंत्री पं .जवाहर लाल नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते अधिकारी।

को संबोधित करते हुए डॉ. अमृता शर्मा ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने तत्कालीन परिस्थितियों से संघर्ष कर इस चीनी मिल की स्थापना की थी। एक समय ऐसा भी था जब बाजपुर चीनी मिल पूरे देश में अपनी विशिष्ट पहचान रखती थी। उन्होंने बताया कि समय के साथ देश में कई नई चीनी मिलें स्थापित हुईं, लेकिन बाजपुर मिल की पहचान आज भी बरकरार है। यहां लगी जापानी मशीनें आज भी कार्यरत हैं।

धारदार हथियारों से हमला, तीन लुहलुहान

जसपुर : नगर पंचायत महुवाडाबरा में तेज बाइक चला रहे युवक को स्थानीय निवासी द्वारा टोकना भारी पड़ गया। बाइक सवार ने अपने छह साथी बुलाकर ग्रामीण पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। झगड़े के बीच बचाव में आये दो अन्य ग्रामीणों को भी युवकों ने लहुलुहान कर दिया। ग्रामीण की तहरीर पर पुलिस ने चार युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। सोमवार को नगर पंचायत महुआडाबरा में शाम छह बजे के करीब गांव के ही लक्की सैनी पुत्र घसीटा, उसका भाई बाइक को अनियंत्रित तरीके से लहराते हुए हाथ छोड़कर चला रहे थे। इस दौरान बाजार में छोटे-छोटे बच्चे भी घूम रहे थे। यह देख शाकिर हुसैन पुत्र अली हुसैन ने बाइक सवार लकी को रोककर टोका तो वह गाली गलौज पर उतारू हो गया। आरोप है कि लकी को डांटने पर उसने अपने साथियों को बुला लिया। सभी ने शाकिर पर हमला बोल दिया। हमले में शाकिर गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं पास खड़े अली गौहर, मो. यामीन ने शाकिर को बचाने का प्रयास किया तो हमलावरों ने उन्हे भी लुहुलुहान कर दिया।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने जुलूस निकालकर किया प्रदर्शन

विभिन्न मांगों के निराकरण की मांग को लेकर आंगनबाड़ी कर्मचारी संगठन मुखर , सीएम को ज्ञापन भेज शीघ्र समस्याओं के निराकरण की मांग

18 हजार रुपये मानदेय समेत तमाम समस्याओं को उठाया

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: मानदेय में वृद्धि समेत तमाम मांगों के निराकरण को लेकर आंगनबाड़ी कर्मचारी संगठन मुखर हो गया है। सोमवार को संगठन से जुड़े सदस्यों ने नगर में सरकार के खिलाफ विरोध जुलूस निकाल जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री और संबंधित मंत्री को ज्ञापन भेजा। जल्द मांगों का निराकरण नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

सोमवार को आंगनबाड़ी कर्मचारी संगठन के बैनर तले विभिन्न ब्लॉकों की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता यहां मालरोड स्थित गांधी पार्क में एकत्र हुए। जहां से मांगों के निराकरण को लेकर नगर के मालरोड होते हुए पूरे बाजार में विरोध जुलूस निकाला। गांधी पार्क में हुई सभा के दौरान वक्ताओं ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां लंबे समय से समस्याओं के निराकरण की मांग उठा रही है, लेकिन शासन प्रशासन लगातार उनकी मांगों को अनदेखा कर रहा है। जिससे कार्यकत्रियों में भारी रोष व्याप्त है। उन्होंने 18 हजार मानदेय देने, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सेवानिवृत होने पर 10 लाख की धनराशि दिए जाने, सेवानिवृत्ति की आयु 60 की जगह 62 साल किये जाने समेत तमाम मांगों को रखा। चेतावनी दी कि यदि जल्द मांगों का निराकरण नहीं किया गया तो समस्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां उग्र आंदोलन को बाध्य होगी। जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

अल्मोड़ा में सोमवार को मांगों के निराकरण की मांग को लेकर प्रदर्शन करतीं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां। ● अमृत विचार

बागेश्वर में प्रदर्शन करतीं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां। ● अमृत विचार

इन मांगों को उठाया

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में राज्य सरकार की ओर से 140 रुपए और केंद्र सरकार से 150 रुपए प्रतिदिन वृद्धि का प्रस्ताव पारित करने, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बिना किसी अर्हता पूरी किए बिना सेवानिवृत होने पर दस लाख देने, समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बायोमेट्रिक मशीन से नहीं जोड़ने समेत आदि मांगों को रखा।

ये लोग रहे मौजूद

जिलाध्यक्ष रजनी बगड़वाल, लीला पांडे, तनुजा बिष्ट, माया जोशी, मनोरमा बनौला, दया टम्टा, राधा आर्या, कमला कार्की, कमला बोरा, कविता जोशी ब्लॉक, हेमा डालाकोटी, जानकी देवी, दीपा बनौला, बिना उप्रेती, उमा बनौला, सुनीता देवी, संगीता जोशी, निर्मला भट्ट समेत कई आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बागेश्वर में भी आंगनबाड़ी वर्कर्स मुखर

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने विभिन्न मांगों को लेकर जिला मुख्यालय में रैली निकालकर प्रदर्शन किया। इसके बाद जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं महिला कल्याण मंत्री रेखा आर्य को ज्ञापन भेजा गया।

आयोजित सभा में वक्ताओं ने मानदेय में प्रतिदिन 140 रुपये की वृद्धि करने तथा केंद्र सरकार को 150 रुपये प्रतिदिन बढ़ाने का प्रस्ताव भेजने की मांग की। साथ ही सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये दिए जाने संबंधी शासनादेश को पूर्ण रूप से लागू करने की मांग भी उठाई गई। कार्यकर्ताओं ने बायोमेट्रिक मशीन से जोड़ने का विरोध करते हुए इसे अव्यवहारिक बताया। संगठन की प्रदेश उपाध्यक्ष बिमला कोहली, जिला अध्यक्ष कमला दानू, जिला महामंत्री भावना टाकूली, जिला उपाध्यक्ष ममता बोरा, जिला कोषाध्यक्ष प्रभा आर्या, ब्लॉक अध्यक्ष नीमा गोस्वामी एवं नीमा जोशी ने चेतावनी दी कि यदि मांगें शीघ्र पूरी नहीं हुईं तो विधानसभा और मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा।

ब्रीफ न्यूज

पूर्णागिरि मेले के दौरान स्वास्थ्य कैंप लगाया जाए

टनकपुर : अन्नपूर्णा जन सेवार्थ टैक्सी समिति ने एसडीएम को ज्ञापन भेजकर बूम पार्किंग क्षेत्र में पूर्णागिरि मेले के दौरान स्वास्थ्य कैंप लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि बूम पार्किंग क्षेत्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। यात्रियों एवं वाहन चालकों की सुविधा के लिए यहां स्वास्थ्य कैंप लगाना जरूरी है। ज्ञापन में बूम में पानी का स्टेंड पोस्ट लगाने, शौचालयों की संख्या बढ़ाने की भी मांग की है। कहा है कि शौचालयों की पर्याप्त व्यवस्था न होने से लोग जंगलों में खुले में शौच करने को मजबूर होते हैं, जिससे पर्यावरण दूषित होता है। ज्ञापन देने वालों में अध्यक्ष पंकज सिंह महर, उपाध्यक्ष बची सिंह महर, आनंद सिंह महर, मीना महर, सुरेश सिंह, महेंद्र सिंह, चंचल सिंह, मनोज आदि शामिल रहे।

तेंदुए ने पालतू कुत्ते को निवाला बनाया

काशीपुर : कुंडेश्वरी रोड पर स्थित साईं विहार कॉलोनी में तेंदुए ने एक पालतू कुत्ते को मार दिया। इसके बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। काशीपुर रेंज कार्यालय प्रभारी भोपाल सिंह ने बताया कि रविवार देर शाम को साईं विहार कॉलोनी के पास एक निजी स्कूल के समीप तेंदुए ने पालतू कुत्ते को अपना निवाला बनाया है। तेंदुए की शिकायत मिलने के बाद जहां पर तेंदुआ दिख रहा है, वहां पर गश्त बढ़ा दी गई है।

दिव्यांग का हत्यारोपी गिरफ्तार

- सोमेश्वर में दीपक ने पत्थर से वार कर कुंदन की हत्या की थी
- पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में किया पेश, जेल भेजा

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: सोमेश्वर पुलिस ने कुंदन हत्याकांड का खुलासा कर लिया है। आरोपी ने दिव्यांग कुंदन पर पत्थर से वार कर मौत के घाट उतारा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

सोमेश्वर के रस्यारा गांव में बीते 24 जनवरी को दिव्यांग कुंदन राम का शव हत्यारोपी दीपक पांडे के घर के बाहर मिला था। पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी थी। लेकिन आरोपी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आ पा रहा था। इधर, पुलिस ने आरोपी दीपक पांडे को अल्मोड़ा के करबला से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में बताया कि मृतक कुंदन राम से उनका लंबे समय से विवाद चल रहा था। बीते 18 जनवरी की रात उसकी कुंदन के साथ मारपीट हुई। इसी दौरान उनसे कुंदन पर पत्थर से वार कर मौत के घाट उतार दिया। आरोपी को सोमवार को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। एसएसपी चंद्रशेखर आर घोड़के ने टीम को एक हजार रुपये ईनाम की घोषणा की है। गिरफ्तारी टीम में थानाध्यक्ष सोमेश्वर मदन मोहन जोशी, एएसआई फिरोज खान, हेड कांस्टेबल हरीश आर्या, कांस्टेबल राजेश भट्ट, गोरखनाथ, नीरज मेहरा की टीम में शामिल रहे।

सोमेश्वर पुलिस की गिरफ्त में हत्या का आरोपी। ● अमृत विचार

छीनीगोठ में शुरू हुआ रामलीला का मंचन

टनकपुर : छीनीगोठ गांव में महाशिवरात्रि से रामलीला का शुभारंभ हो गया है। प्रातः में महिलाओं ने नगर के शारदा नदी से छीनीगोठ तक भव्य कलश यात्रा निकाली। जिसके बाद पूजा अर्चना एवं भजन कीर्तन हुए।

देर शाम मुख्य अतिथि कोतवाल चेतन सिंह रावत, चंद्रशेखर गहतोड़ी व बीडीसी सदस्य ममता देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर लीला का शुभारंभ किया। पहले दिन शिव पार्वती दरबार का मंचन किया गया। देवभूमि रामलीला समिति के अध्यक्ष बंशीधर चौड़ाकोटी ने बताया कि वर्ष 2021 में अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर निर्माण के शिलान्यास होने पर छीनीगोठ में रामलीला मंचन शुरू किया गया था, जो अनवरत जारी है। इस बार रामलीला 14 दिन तक चलेगी।

बीडीसी बैठक में उठे बिजली, पानी के मुद्दे

- सोमवार को द्वाराहाट में क्षेत्र पंचायत की बैठक हुई

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: द्वाराहाट ब्लॉक सभागार में सोमवार को क्षेत्र पंचायत समिति की बैठक हुई। इस दौरान बैठक में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी की समस्याएं छाई रहीं। जिस पर ब्लॉक प्रमुख और एडीएम ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याएं सुलझाने के निर्देश दिए।

ब्लॉक प्रमुख आरती किरौला की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं सदन में रखी। जिस ब्लॉक प्रमुख ने अधिकारियों को शिकायतों का निस्तारण तय समय सीमा में करने को कहा। बैठक में मौजूद एडीएम युक्ता मिश्र ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर समयबद्ध एवं समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन प्रकरणों में स्थलीय निरीक्षण या तकनीकी परीक्षण अपेक्षित है, उनमें प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाए। एडीएम ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा प्रगति की नियमित समीक्षा करने पर भी जोर दिया। जिससे निर्णय केवल कागजों तक सीमित न रहकर धरातल पर दिखाई दें।

द्वाराहाट क्षेत्र पंचायत की बैठक में मंचासीन अतिथि। ● अमृत विचार

पेयजल समस्या को ग्राम स्तर पर निरीक्षण के निर्देश

बैठक में एडीएम ने पेयजल समस्याओं के समाधान को संबंधित अधिकारियों को ग्राम स्तर पर निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। वहीं, विद्युत विभाग द्वारा लंबित कार्यों की जानकारी साझा की गई, जिस पर शीघ्र निराकरण की कार्य योजना बनाने को कहा गया। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग की ओर से महिलाओं के लिए कैंसर स्क्रीनिंग शिविर आयोजित करने तथा एचपीवी वैक्सीनेशन के संबंध में जानकारी दी गई। जिसे बैठक में सकारात्मक पहल के रूप में देखा गया।

आठ हॉकी खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित

संवाददाता, अल्मोड़ा

- दिल्ली में आयोजित हॉकी प्रतियोगिता में उत्तराखंड का करेंगे प्रतिनिधित्व

अमृत विचार: अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज हॉकी प्रतियोगिता के लिए जिले के आठ शिक्षकों का चयन हुआ है। ये सभी खिलाड़ी आगामी 17 से 28 फरवरी में दिल्ली में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी दीपक वर्मा ने बताया कि दिल्ली में होने जा रही अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज राष्ट्रीय हॉकी के लिए उत्तराखंड की पुरुष एवं महिला टीम में अल्मोड़ा जिले के आठ शिक्षकों का चयन हुआ है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड की टीम में रापूमावि प्रधानाध्यापक व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दीपक वर्मा, जीआईसी लोधिया के पंकज टम्टा, जीआईसी कुलसीवी के विरेंद्र सिंह बिष्ट, जीआईसी नगरखान के गणेश शाही, जीआईसी लोधिया के किशन खौलिया, जीआईसी ताकुला के तरुण बेलवाल, जीआईसी जैना की कृतिका जोशी, जीआईसी चौबा हवालबाग की नन्दा भाकुनी का चयन हुआ है। विधायक मनोज तिवारी, मेयर अजय वर्मा, पूर्व विस उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, रवि रौतेला, लियाकत अली खान, डीईओ चंदन सिंह बिष्ट, बीईओ हरीश रौतेला समेत कई खेल प्रेमियों ने खुशी जताई।

पॉलिटेक्निक में नए ट्रेड की मांग

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: अल्मोड़ा विधानसभा क्षेत्र के विकास और युवाओं को तकनीकी शिक्षा से जोड़ने को विधायक मनोज तिवारी ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मामले को लेकर विधायक ने पॉलिटेक्निक बाड़ेछीना में नए ट्रेड शुरू करने को लेकर तकनीकि शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कहा कि शहीद मेजर कमलेश पांडे राजकीय पॉलिटेक्निक बाड़ेछीना की स्थापना वर्ष 2014 में की गई थी। पिछले एक दशक में इस संस्थान ने क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को तकनीकी रूप से कुशल बनाने और उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बताया कि वर्तमान में इस संस्थान में संस्थान में इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के दो ट्रेड संचालित है। बताया कि रोजगार के अवसरों के लिए नए ट्रेड की आवश्यकता है। कहा कि बदलती जरूरतों तथा आईटी व कंप्यूटर साइस के दौर में नये ट्रेड सुरू करना जरूरी है। जैसे विधायक तिवारी ने बताया कि छात्रहित के तर्कों को गंभीरता से लेते हुए तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। मंत्री ने तत्काल दूरभाष के माध्यम से तकनीकी शिक्षा सचिव से इस विषय पर वार्ता की और आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

देहरादून में मंत्री उनियाल को ज्ञापन सौंपते विधायक मनोज तिवारी।

- विधायक मनोज तिवारी ने तकनीकि शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन
- वर्तमान में पॉलिटेक्निक में दो ट्रेड होते है संचालित

लोहाघाट में होली गीतों की मची धूम

लोहाघाट: नगर से लगी ग्राम सभा फोर्ती में बैठकी होली का गायन किया। होल्यारों ने देर रात तक एक से बढ़कर एक राग फागों की मन मोहक प्रस्तुति देकर समां बांधा। चंद्रशेखर बगौली के आवास में होल्यारों ने सामूहिक गणपति वंदना जय हो जय गणराज तेरा आज सभा में अभिनंदन के साथ किया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए नवीन बगौली ने कुछ लेना ना देना मगन रहना..., प्रकाश बगौली ने

फागुन महिनो लागि रियो अब रंग गुलाल उड़ाए...., उमेश उपाध्याय ने होली खेल रयो नंद लाल,ले के चले हैं गुलाल ...., रोहित बगौली ने आज मोहे लागो वृन्दावन नीको...., योगेश बगौली ने अजहूं उम्र की मैं बाली मुझसे खेलो ना होली की मनमोहक प्रस्तुति दी। हारमोनियम में संदीप बघौली ढोलक में विवेक बगौली ने संगत दी।

बैरती स्थित ब्रह्मा कुमारी ध्यान केंद्र पर शिव स्तुतिगान करतीं महिलाएं।

ब्रह्माकुमारी केंद्र पर हुआ वार्षिक शिव स्तुतिगान

अल्मोड़ा : ग्राम पंचायत के मुख्य गांव बैरती में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के ध्यान केंद्र पर महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर विशेष शिव स्तुतिगान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ब्रह्मा कुमारी के सदस्य बीके बसंत तिवारी के आवास पर आयोजित किया गया, जिसमें गांव की मातृशक्ति ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। इस दौरान भजन-कीर्तन का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत की पूर्व प्रधान रमा त्रिपाठी सहित अन्य महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी की। उधर, क्षेत्र के सभी शिवालयों में भी देर रात तक भजन-कीर्तनों का दौर चलता रहा।

लोक संस्कृति | सात दिवसीय महोत्सव में लोक कलाकार देंगे रंगारंग प्रस्तुतियां, विभिन्न राज्यों के व्यंजनों के स्टॉल भी लगाए जाएंगे

टनकपुर में 'चम्पावत सरस कॉर्बेट महोत्सव 2026' कल से

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: चम्पावत जनपद में सांस्कृतिक, सामाजिक, शैक्षिक, पर्यटन एवं साहसिक गतिविधियों से परिपूर्ण "चम्पावत सरस कॉर्बेट महोत्सव–2026" का भव्य आयोजन 18 से 24 फरवरी तक टनकपुर स्थित केंद्रीय जल आयोग कार्यालय के निकट मैदान में किया जाएगा। सात दिवसीय यह महोत्सव जनपद की लोकसंस्कृति, पारंपरिक विरासत, महिला सशक्तिकरण, युवा ऊर्जा एवं उद्यमिता विकास को एक साझा मंच प्रदान करेगा।

महोत्सव के दौरान देश के विभिन्न राज्यों के पारंपरिक एवं प्रसिद्ध व्यंजनों के आकर्षक फूड स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां आगंतुक विभिन्न स्वादों का आनंद ले सकेंगे। महोत्सव का शुभारंभ 18 फरवरी को सामान्य योग प्रोटोकॉल के साथ होगा। इस अवसर पर नशा मुक्त भारत अभियान, एनवीबीडी, एनसीडी, एनीमिया एवं टीबी मुक्त अभियान को लेकर जागरूकता गोष्ठी आयोजित की जाएगी। चम्पावत के गौरवशाली इतिहास पर आधारित लेजर शो विशेष आकर्षण रहेगा। साथ ही काइट फ्लाइंग, रंगोली प्रतियोगिता, सात दिवसीय पुस्तक मेला, पारंपरिक वाद्य यंत्र एवं बर्तनों की प्रदर्शनी, अनुभव शिविर तथा फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। स्टार नाइट में जितेन्द्र तोमक्याल एवं माया उपाध्याय प्रस्तुति देंगे।

19 फरवरी को पारंपरिक परिधान रैम्प वॉक, ब्राइडल मेकअप प्रतियोगिता, बाल विवाह एवं घरेलू हिंसा पर आधारित नाटिका, बालिका जन्मोत्सव, सुलेख एवं केश सज्जा प्रतियोगिता आयोजित होंगी। स्टार नाइट में हिमनाद बैंड, गोविन्द दिगारी एवं खुशी दिगारी प्रस्तुति देंगे। 20 फरवरी को कृषि, पशुपालन, डेयरी, सहकारिता, मत्स्य, ऊर्जा संरक्षण एवं उद्यान विभाग द्वारा विभिन्न गोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। स्टार नाइट में बेबी प्रियंका, इंदर आर्या एवं श्वेता महारा मंच संभालेंगी। 21 फरवरी को रोजगार मेला, कैरियर काउंसलिंग, यूथ पार्लियामेंट, साइबर सिक्योरिटी एवं आपदा प्रबंधन कार्यशाला, सुंदरकांड पाठ तथा शारदा घाट पर दीपोत्सव एवं आरती का आयोजन होगा। स्टार नाइट में मनोज आर्या, राधा श्रीवास्तव एवं ज्योति नूरान प्रस्तुति देंगे। 22 फरवरी को फैंसी ड्रेस, स्वस्थ बेबी शो, लेजिम, नर्सरी राइम, हुला हूप, म्यूजिकल चेयर एवं जलेबी दौड़ जैसी प्रतियोगिताएं होंगी। 23 फरवरी को पूर्व सैनिक एवं वृद्धजन संवाद, देशभक्ति नाट्य प्रस्तुति, दिव्यांग कला प्रदर्शन, उद्यमिता जागरूकता शिविर, नदी उत्सव, जल संरक्षण कार्यशाला एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। स्टार नाइट में कथक धरोहर सहित राकेश खनवाल, सुन्दर बाफिला एवं प्रिंयका महर प्रस्तुति देंगे। 24 फरवरी को विधिक साक्षरता, बाल विवाह एवं सड़क सुरक्षा जागरूकता, वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम, पेपर क्राफ्ट एवं ऐपण प्रतियोगिता, विज्ञान प्रदर्शनी, रूबिक क्यूब एवं एबेकस चैलेंज आयोजित किए जाएंगे।

अधिकारियों को निर्देश देते विधायक सुरेश गढ़िया। ● अमृत विचार

जनता दरबार में 27 शिकायतें दर्ज

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे के निर्देश पर जन समस्याओं के समाधान के लिए कपकोट में जनता दरबार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक सुरेश गढ़िया के साथ ही अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल आदि मौजूद रहे।

जनता दरबार में विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल एवं विद्युत से संबंधित समस्याएं प्रमुखता से रखीं। कुल 27 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों के लिए संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक लंबितता न रहे। विधायक सुरेश गढ़िया ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष विशाखा खेतवाल, उपजिलाधिकारी अनिल चन्याल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. कुमार आदित्य तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अमृत विचार

मंगलवार, 17 फरवरी 2026

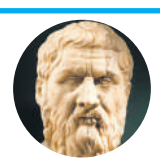

पहली और सबसे बड़ी जीत स्वयं पर विजय प्राप्त करना है।
–प्लेटो, दार्शनिक

रहमान को कमान

आज तारिक रहमान के शपथ ग्रहण के साथ बांग्लादेश की सत्ता चुनी हुई सरकार के हाथों में होगी। इस बदलाव का सीधा असर हसीना के समय विकसित भारत–बांग्लादेश संबंधों पर पड़ेगा। शेख हसीना के दौर में सुरक्षा, कनेक्टिविटी और ऊर्जा सहयोग में प्रगति दक्षिण एशिया में सहयोग का मॉडल मानी गई। अब नई व्यवस्था भारत के लिए अवसर बनेगी या चुनौती यह भविष्य बताएगा। सकारात्मक पक्ष यह है कि तारिक रहमान और उनके सलाहकार सार्वजनिक रूप से 'रचनात्मक सहयोग' और 'नए सिरे से संबंध' की बात कर रहे हैं। इसका अर्थ पुराने ढांचे को तोड़े बिना राजनीतिक परिवर्तनों के अनुरूप समीकरणों का पुनर्संतुलन है।

नई सरकार की संतुलित संबंधों की बात को हमें असुरक्षा के बजाय परिपक्व कूटनीति के संकेत के रूप में लेना चाहिए। एक आत्मविश्वासी भारत अपने पड़ोसी की बहुध्रुवीय कूटनीति से विचलित नहीं होता, हालांकि नकारात्मक आयाम भी कम नहीं। बीएनपी की वैचारिक पृष्ठभूमि और जमात-ए-इस्लामी जैसे दलों का संभावित प्रभाव भारत के लिए चिंता का विषय है। जमात का ऐतिहासिक झुकाव पाकिस्तान की ओर रहा है और भारत-विरोधी बयानबाजी उसकी राजनीति का हिस्सा रही है। तारिक रहमान को घरेलू दबावों के बीच 'भारत के प्रति नरम' न दिखने की मजबूरी हो सकती है, जिससे सार्वजनिक रुख कठोर और व्यावहारिक सहयोग सीमित हो सकता है। 'नए सिरे से संबंध' की अभिव्यक्ति का तात्पर्य है कि ढाका द्विपक्षीय संबंधों में अधिक समता, पारदर्शिता और पारस्परिकता चाहता है। भारत को इसे व्यापार असंतुलन कम करने, निवेश को द्विदिश बनाने और लोगों-से-लोगों के संपर्क बढ़ाने के अवसर की तरह देखना चाहिए। तीस्ता नदी जल-बंटवारा समझौते का जटिल मुद्दा नई सरकार के साथ और कठिन हो सकता है, क्योंकि तारिक को घरेलू राष्ट्रवादी दबाव झेलने होंगे। इसी तरह, कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स—रेल, सड़क, बंदरगाह और ऊर्जा ग्रिड पर भी जमात का वैचारिक विरोध बाधा बन सकता है। सुरक्षा समन्वय, विशेषकर आतंकवाद-रोधी सहयोग और सीमा प्रबंधन, हसीना काल की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। यदि नई सरकार इस सहयोग को कमजोर करती है, तो पूर्वोत्तर भारत की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है, परंतु बांग्लादेश स्वयं भी उग्रवाद की पुनरावृत्ति नहीं चाहेगा; इसलिए सुरक्षा सहयोग की बुनियाद पूरी तरह ढहने की संभावना कम है। ढाका का बीजिंग या इस्लामाबाद की ओर झुकाव तभी सीमित होगा, जब नई दिल्ली भरोसे, संवेदनशीलता और व्यावहारिक लाभों पर आधारित संबंधों का नया अध्याय लिख सके। शेख हसीना की भारत में मौजूदगी और संभावित प्रत्यर्पण का प्रश्न राजनीतिक रूप से विस्फोटक है। प्रत्यर्पण विधिक प्रक्रिया और द्विपक्षीय संधियों पर निर्भर करेगा। यदि इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई के रूप में देखा गया, तो यह तारिक सरकार के लिए अंतर्राष्ट्रीय आलोचना का कारण बन सकता है। अल्पसंख्यक, विशेषकर हिंदू समुदाय की सुरक्षा नई सरकार की परीक्षा होगी।

यदि बीएनपी धर्मनिरपेक्षता के बजाय 'समानता' की भाषा अपनाती है, तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि समानता का अर्थ बहुसंख्यक वर्चस्व न बन जाए। हिंसा से दूरी का सार्वजनिक संदेश अंतर्राष्ट्रीय छवि सुधारने का प्रयास भी हो सकता है।

प्रसंगवश

ब्रह्मांड की सरकार और धरती की राजनीति

आने वाली 19 मार्च से विक्रम संवत 2083 शुरू हो रहा है। ज्योतिषियों ने बताया है कि इस बार वर्ष के राजा देवगुरु बृहस्पति होंगे। सब लोग न ज्योतिषी हैं और न खगोल के जानकार। ग्रहों की गणना समझ से बाहर हो सकती है, लेकिन हर साल यह बात पढ़कर लोग ठहर जाते हैं। वर्ष के राजा के विचार में एक प्रतीक छिपा है, वह ध्यान खींचता है। इस विचार में सत्ता को लेकर एक ऐसी सोच छिपी है, जो हमारी रोजमर्रा की राजनीति से बिल्कुल अलग है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार हर नव संवत्सर के साथ सृष्टि की सत्ता बदलती है। एक ग्रह वर्ष का राजा बनता है, कोई मंत्री, कोई सेनापति, कोई वर्षा का अधिपति।

यह पूरी व्यवस्था प्रतीकात्मक है, लेकिन कल्पना कीजिए कि ऊपर कहीं तो यह मान लिया गया है कि सत्ता स्थायी नहीं होती। वह हर साल बदलती है। उत्तदायित्व परिवर्तित होते रहते हैं। कोई एक हमेशा के लिए नहीं बैठा रहता। यह विचार अपने आप में सुंदर है, क्योंकि हमारी धरती पर सत्ता अक्सर स्थायित्व चाहती है। यहां कुर्सी को पकड़ कर रखने की प्रवृत्ति स्वाभाविक मानी जाती है। हमारी परंपराओं में बदलाव स्वाभाविक ही नहीं है, बल्कि आवश्यक है। फिर भी बदलाव को जोखिम समझा जाता है। ज्योतिषीय मान्यताएं कहती हैं कि अगर बृहस्पति वर्ष के राजा हों तो ज्ञान, संतुलन और नैतिकता के संकेत माने जाते हैं।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

अगर शनि हों तो अनुशासन और कठोर परिश्रम के संकेत। मंगल राजा हों तो ऊर्जा और संघर्ष होना तय है। इन मान्यताओं को कोई आस्था कहता है, कोई इन्हें सांस्कृतिक कल्पना के दायरे में रखता है, तो किसी की नजर में यह प्रतीकात्मक भाषा है। तमाम दृष्टियों के बावजूद एक बात तय है कि हर साल का स्वभाव अलग हो सकता है। हर समय एक जैसा नहीं होता।

धरती पर सत्ता का लोभ इस कदर हावी है कि हम अक्सर यह मान लेते हैं कि जो व्यवस्था आज है, वही अंतिम है। जो सोच अभी प्रबल है, वही स्थायी है, लेकिन कैलेंडर हर साल बदलकर यह स्मरण करवा देता है कि समय स्थिर नहीं है। अगर ग्रहों की कल्पित सत्ता बदल सकती है, तो मनुष्य की सत्ता क्यों नहीं? अगर ब्रह्मांड को हर साल नई दिशा दी जा सकती है, तो समाज में नई सोच क्यों नहीं आ सकती?

कई लोग तर्क-वितर्क करते हैं। ज्योतिष की सत्यता या असत्यता में उलझ जाते हैं, लेकिन बात उस प्रतीक की है, जो हमारी परंपराओं ने हमें दिए हैं। परंपराएं भूमिकाओं को अस्थायी करार देती हैं। यानी, आज जो राजा है, कल वह आम आदमी होगा। आज जो मंत्री बन उद्घोधन देता है, वह कल श्रोताओं की कतार में होगा। आज जो नीति नियंता है, निर्णय लेने में समक्ष है, कल उससे सवाल पूछे जाना अवश्यंभावी हैं, दरअसल जीवन भी कुछ ऐसा ही है। बचपन में पिता सवाल पूछते हैं, बड़ा होकर बेटा पूछने लगता है। कभी शिक्षक मंच पर होता है तो कभी शिष्य मंचासीन हो जाते हैं। कभी हम निर्णय लेते हैं, तो कभी निर्णय मानने के लिए बाध्य हो जाते हैं।

नव संवत्सर का विचार सकारात्मकता का भाव लेकर आता है। चाहे पिछले वर्ष में कितनी ही उलझनें रही हों, कितनी मुश्किलें आई हों, पर नव संवत्सर कहता है कि पुनः शुरुआत संभव है। विज्ञान कहता है कि अगर हर चक्र के उपरांत नया चक्र आने के प्रति कुदरत आश्वस्त रहती है, तो हममें यह आश्वासन का भाव क्यों नहीं होना चाहिए? लोग अक्सर बड़े सिद्धांतों में उलझ जाते हैं। सोशल मीडिया के दौर में यह सब अधिक हो गया है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

गिग-इकोनॉमी में सहकारिता की दस्तक

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

भारत टैक्सी को लेकर इस समय चर्चा आम है। कोई इसे ओला-उबर जैसी सेवाओं का सरकारी विकल्प बता रहा है, कोई गिग-इकोनॉमी में सरकार का एक प्रयास, तो कोई इसे टैक्सी बाज़ार में अनावश्यक सरकारी दखल कहकर खारिज कर देना चाहता है। इस शोर के बीच सबसे ज़रूरी बात यह है कि इस पहल को भावनात्मक या राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि उसके संस्थागत ढांचे, आर्थिक तर्क और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर समझा जाना चाहिए।

सहकारिता मंत्रालय के अधीन गठित सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा संचालित 'भारत टैक्सी' किसी निजी स्टार्ट-अप का विस्तार नहीं, बल्कि सहकारिता ढांचे में ऐप-आधारित राइड-हेलिंग का एक संस्थागत प्रयोग है। यह संस्था जून 2025 में मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटीज़ एक्ट, 2002 के तहत पंजीकृत हुई और कई बड़े सहकारी संगठनों की भागीदारी से इसका गठन हुआ। दिसंबर 2025 से यह दिल्ली-एनसीआर और गुजरात के कुछ शहरों में पायलट रूप में चल रही थी, जहां मंत्रालय के अनुसार रोज़ाना दस हज़ार से अधिक राइड पूरी हो रही थीं।

भारत टैक्सी के व्यावसायिक मॉडल का मूल अंतर उसके स्वामित्व ढांचे में है। निजी टैक्सी प्लेटफॉर्मों जैसे कि ओला-ऊबर में स्वामित्व निवेशकों के पास होता है और ड्राइवर स्वतंत्र कॉन्ट्रैक्टर के रूप में काम करते हैं। भारत टैक्सी में पंजीकृत ड्राइवरों, जिन्हें 'सारथी' कहा गया है, को सहकारी संस्था के सदस्य और शेयरधारक का दर्जा दिया जाने की बात कही गई है। न्यूनतम शेयर पूंजी के साथ वे संस्था में भागीदारी प्राप्त करते हैं और प्रतिनिधियों के चुनाव में हिस्सा लेते हैं। इसका अर्थ यह है कि प्लेटफॉर्म के स्वामित्व और लाभ के ढांचे में ड्राइवर को संस्थागत हिस्सेदारी देने का प्रयास किया गया है।

निजी प्लेटफॉर्म आम तौर पर प्रति राइड कमीशन पर आधारित होते हैं, जो कई बार 15 से 30 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। भारत टैक्सी का घोषित ढांचा कमीशन-मुक्त है। कहा जा रहा है कि ड्राइवर से केवल सीमित सदस्यता शुल्क लिया जाएगा और किराये की पूरी राशि उसके खाते में जाएगी। सहकारी संस्था के पास जो अधिशेष रहेगा, वह भी अंततः सदस्यों की सामूहिक पूंजी का हिस्सा होगा। आय-वितरण के इस ढांचे का सीधा उद्देश्य ड्राइवर की शुद्ध आय बढ़ाना और प्लेटफॉर्म-लाभ में उसकी हिस्सेदारी सुनिश्चित करना है, हालांकि, केवल सदस्यता शुल्क से तकनीकी अवसंरचना का खर्च निकालना प्रबंधन के लिए एक चुनौती हो सकती है, जिसका उत्तर परिचालन के विस्तार में छिपा है।

यात्रियों के दृष्टिकोण से सबसे महत्वपूर्ण पहलू किराया-प्रणाली है। ऐप-आधारित सेवाओं की सबसे बड़ी आलोचना डायनेमिक या सर्ज प्राइसिंग को लेकर रही है, जिसमें मांग बढ़ने पर किराया कई गुना तक बढ़ जाता है। फिलहाल भारत टैक्सी में एल्गोरिद्मिक सर्ज प्राइसिंग नहीं रखने की नीति घोषित की गई है। इसके स्थान पर पारंपरिक मीटर-मॉडल की तरह सीमित कंजेशन सरचार्ज का प्रावधान है। उपलब्ध टैरिफ-संरचना के अनुसार न्यूनतम किराया, प्रति किलोमीटर दर, पिक-अप चार्ज और वेटिंग चार्ज पहले से निर्धारित हैं, जिससे किराये की पूर्वानुमेयता बढ़ती है।

प्रारंभिक आकलनों में यह अनुमान व्यक्त किया गया है कि कमीशन-मुक्त मॉडल के कारण किराये प्रतिस्पर्धी ऐप्स से कम हो सकते हैं, विशेषकर पीक आवर्स में। परंतु यह केवल अनुमानित तुलना है; किसी भी निष्कर्ष के लिए दीर्घकालिक परिचालन डेटा ही निर्णायक होगा। परिवहन-अर्थशास्त्र में वास्तविक लागत, राइड-वॉल्यूम और परिचालन दक्षता ही किराये के स्थायित्व को तय करते हैं।

ड्राइवर कल्याण के संदर्भ में भी कुछ ठोस प्रावधान सामने आए हैं। दुर्घटना और स्वास्थ्य बीमा कवर, ई-श्रम पंजीकरण तथा सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं से जुड़ाव जैसे कदम गिग-वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा का औपचारिक ढांचा तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण माने जा सकते हैं। भारत में गिग-इकोनॉमी का विस्तार तेज़ हुआ है, पर सामाजिक सुरक्षा उसी अनुपात में विकसित नहीं हो पाई। इस दृष्टि से यह मॉडल नीति-स्तर पर एक संरचनात्मक हस्तक्षेप का संकेत देता है।

इस सेवा की एक और उल्लेखनीय विशेषता इसका सार्वजनिक परिवहन तंत्र से संस्थागत एकीकरण का प्रयास भी शामिल है। मेट्रो स्टेशनों, एयरपोर्ट और अन्य परिवहन केंद्रों के साथ समझौतों के माध्यम से इसे फर्स्ट-माइल और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी का औपचारिक हिस्सा बनाने की योजना बनाई गई है, हालांकि प्रतिस्पर्धा का संदर्भ भी उतना ही स्पष्ट है। निजी प्लेटफॉर्म वर्षों का परिचालन अनुभव, विशाल पूंजी, डेटा-आधारित एल्गोरिद्म और व्यापक उपयोगकर्ता आधार लेकर इस क्षेत्र में स्थापित हैं। किसी भी नए प्लेटफॉर्म के लिए सेवा-गुणवत्ता, ऐप-स्थिरता, राइड-मैचिंग और ड्राइवर-उपलब्धता के समान स्तर तक पहुंचना एक कठिन प्रक्रिया होती है। सहकारी ढांचे की सफलता भी इस बात पर निर्भर करेगी कि निर्णय-प्रक्रिया कितनी पारदर्शी और सदस्य-केंद्रित रहती है।

तथ्यों के आधार पर भारत टैक्सी को न तो तात्कालिक क्रांति कहा जा सकता है और न ही इसे साधारण सरकारी हस्तक्षेप के रूप में खारिज किया जा सकता है। इस प्रयोग का वास्तविक मूल्यांकन कुछ ठोस मापदंडों पर होगा। ड्राइवर की वास्तविक आय और सामाजिक सुरक्षा में परिवर्तन, यात्रियों के लिए किराया-स्थिरता और सेवा-गुणवत्ता, तथा सार्वजनिक परिवहन तंत्र के साथ इसका व्यावहारिक एकीकरण। यही वे संकेतक हैं, जो आने वाले समय में तय करेंगे कि भारत टैक्सी भारतीय शहरी परिवहन में संरचनात्मक बदलाव लाती है या केवल विकल्पों की सूची में एक और ऐप जोड़ती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा संचालित 'भारत टैक्सी' किसी निजी स्टार्ट-अप का विस्तार नहीं, बल्कि सहकारिता ढांचे में ऐप-आधारित राइड-हेलिंग का एक संस्थागत प्रयोग है।

आमने

केरल भारत का एकमात्र राज्य है, जो गांधी जी के पदचिह्नों पर आगे बढ़ा है, जिसकी तरक्की हुई है। केरल असल में पंचायती राज वाला पहला राज्य है। वहीं कानून के मामले में देश का दूसरा सबसे अच्छा राज्य है। मुख्यमंत्री विजयन आगामी विधानसभा चुनाव में अपना पद बनाए रखेंगे।

–मणिशंकर अय्यर
कांग्रेस नेता

सामने

केरल के लोग ज्यादा जिम्मेदार और जवाबदेह शासन के लिए यूडीएफ को राज्य की सत्ता में वापस लाएंगे। इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए। वे यह भी जानते हैं कि एलडीएफ और बीजेपी गुप्त पार्टनर हैं।

–जयराम रमेश
कांग्रेस नेता

राज्यपाल का अभिभाषण व संवैधानिकता

डॉ. कैलाश चंद सैनी
पूर्व मुख्य अंवेषण एवं संदर्भ अधिकारी
राजस्थान विधानसभा

भारतीय संसदीय लोकतंत्र में राज्यपाल का पद केवल औपचारिकता का प्रतीक नहीं, बल्कि संघीय संतुलन और संवैधानिक निरंतरता का आधार स्तंभ है। संविधान निर्माताओं ने इस पद की परिकल्पना एक ऐसे तटस्थ अभिभावक के रूप में की थी, जो निर्वाचित सरकार और संघ के मध्य समन्वय का सेतु बने। इस पद की गरिमा निष्पक्षता और संवैधानिक मर्यादा में निहित है, किंतु वर्तमान में विभिन्न राज्यों, विशेषकर केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक के घटनाक्रमों ने इस भूमिका को पुनः विमर्श के केंद्र में ला दिया है।

कर्नाटक में राज्यपाल द्वारा संयुक्त सत्र के अभिभाषण की केवल दो पंक्तियां पढ़कर सदन से प्रस्थान करना, तमिलनाडु में मंत्रिपरिषद द्वारा अनुमोदित अभिभाषण के कुछ अंशों को छोड़ना और केरल में नीतिगत असहमति व्यक्त करना- ये प्रसंग स्थापित संवैधानिक परंपराओं से विचलन के स्पष्ट संकेत हैं। इन घटनाओं से यह आभास होता है कि राज्यपाल स्वयं को निर्वाचित सरकार के समानांतर एक शक्ति-केंद्र के रूप में देख रहे हैं। यह प्रवृत्ति न केवल संसदीय शिष्टाचार के प्रतिकूल है, बल्कि संघीय ढांचे के भी प्रतिकूल प्रतीत होती है।

संविधान का अनुच्छेद 176 अनिवार्य करता है कि राज्यपाल प्रत्येक वर्ष के प्रथम सत्र तथा आम चुनाव के बाद प्रथम बैठक में विधानमंडल को संबोधित करेंगे। यह अभिभाषण राज्य सरकार की उपलब्धियों और भावी कार्यक्रमों का नीति वक्तव्य होता है। अनुच्छेद 176 के अनुसार राज्यपाल अभिभाषण एक संवैधानिक दायित्व है, जो पूर्णतः मंत्रिपरिषद की सलाह पर आधारित होता है। राज्यपाल यहां राज्य सरकार के संवैधानिक संवाहक की भूमिका निभाते हैं।

इसके साथ ही, अनुच्छेद 159 के तहत राज्यपाल संविधान की रक्षा और संरक्षण की शपथ लेते हैं। संसदीय लोकतंत्र की मर्यादा यह है कि राज्यपाल सरकार के नीतिगत विजन से निजी तौर पर असहमत होने के बावजूद उसे पढ़ने के लिए बाध्य हैं, क्योंकि वह दस्तावेज उस जनादेश का प्रतिनिधित्व करता है, जो जनता ने सरकार को दिया है। जब राज्यपाल इसे परिवर्तित या संक्षिप्त करते हैं या पढ़ने से इनकार करते हैं, तो वे परोक्ष रूप से उस लोकतांत्रिक जनादेश का अनादर कर रहे होते हैं।

राज्यपाल की शक्तियों और सीमाओं पर न्यायपालिका ने अक्सर मार्गदर्शक रेखाएं खींची हैं। शमशेर सिंह बनाम पंजाब राज्य (1974) के ऐतिहासिक मामले में सात न्यायाधीशों की पीठ ने स्थापित किया था कि राज्यपाल, राष्ट्रपति की भांति ही अपनी शक्तियों का प्रयोग मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर ही करेंगे। इसी प्रकार, नबाम रेबिया प्रकरण (2016) में सर्वोच्च न्यायालय ने पुनः रेखांकित किया कि राज्यपाल अपनी व्यक्तिगत इच्छा या राजनीतिक पसंद के आधार पर निर्वाचित सरकार के नीतिगत कार्यों में हस्तक्षेप नहीं कर सकते। न्यायालय का मत रहा है कि अभिभाषण जैसे मामलों में राज्यपाल के पास कोई विवेकाधीन शक्ति नहीं होती; उन्हें मंत्रिपरिषद द्वारा तैयार मसौदे को ही पढ़ना होता है।

सरकारिया आयोग (1988) और पुंछी आयोग (2010) ने राज्यपाल के पद की निष्पक्षता को सुदृढ़ करने की दृष्टि से यह अनुशंसा की थी कि राज्यपाल की नियुक्ति की प्रक्रिया में संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री से परामर्श लेना अनिवार्य होना चाहिए। इससे पद की स्वीकार्यता बढ़ती है और राजभवन व मुख्यमंत्री सचिवालय के बीच अनावश्यक टकराव की संभावना कम होती है। वर्तमान परिस्थितियां इंगित करती हैं कि इन सुझावों की अनदेखी ने ही इस पद को अक्सर राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का उपकरण बना दिया है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान सभा में 'संवैधानिक नैतिकता' की अवधारणा पर जोर देते हुए कहा था कि किसी संविधान की सफलता केवल उसके लिखित प्रावधानों पर नहीं, बल्कि उन मर्यादाओं और आत्मसंयम पर निर्भर करती है, जिन्हें पदों पर आसीन व्यक्ति अपनाते हैं। यह दृष्टिकोण आज और भी प्रासंगिक हो गया है। राज्यपाल का पद राजनीतिक संघर्ष का केंद्र नहीं बनना चाहिए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा इस परंपरा को समाप्त करने के लिए संविधान संशोधन का सुझाव और कर्नाटक में सुप्रीम कोर्ट की राय लेने पर विचार, यह स्पष्ट करता है कि विवाद अब केवल राजनीतिक मतभेद तक सीमित नहीं रहा। यह संघीय ढांचे के भीतर उभरते एक बड़े संवैधानिक टकराव का पूर्व संकेत है। समाधान राज्यपाल के पद को समाप्त करने में नहीं, बल्कि उसे उसकी मूल भावना में पुनर्स्थापित करने में निहित है।

संवैधानिक पदों की प्रभावशीलता विधिक प्रावधानों के साथ-साथ संस्थागत संयम पर टिकी होती है। राजभवन और निर्वाचित सरकारों के बीच मतभेदों को सार्वजनिक रूप से उजागर करने के बजाय बंद कमरों में संवैधानिक संवाद के माध्यम से सुलझाना चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

भारतीय संसदीय लोकतंत्र में राज्यपाल का पद संघीय संतुलन और संवैधानिक निरंतरता का आधार स्तंभ है।

सोशल फोरम

गोंडवाना जंक्शन

मैं कन्याकुमारी की यात्रा पर गया। यह एक सुनियोजित यात्रा थी, या यूं कहिए कि कन्याकुमारी मुझे बुला रही थी। मुझे भी लगने लगा कि यह संभवतः मेरा सबसे लंबा प्रवास हो। अमूमन मैं लंबा प्रवास नहीं करता, लेकिन स्वामी विवेकानंद रॉक पर खड़े होकर समुद्रों के भिन्न-भिन्न रंग यह अहसास दिला गए कि जब संस्कृति

प्रवीण कुमार झा
लेखक

बदलती है, जल के रंग भी बदल जाते हैं। इस स्थान को ही गोंडवाना जंक्शन कहते हैं। यही वह स्थान है, जहां से गोंडवाना के तीन बंधु हमेशा के लिए बिछड़ गए। अगर जंबूद्वीप का इतिहास समझना है, तो हमें एक बार इस पत्थर पर खड़ा होना ही होगा।

11.8 करोड़ वर्ष पूर्व एक ज्वालामुखी विस्फोट के बाद ऑस्ट्रेलिया और अंटार्कटिका भारत से अलग हो गए। इसी घटना से शिलॉन्ग, राजमहल, सिलहट (बांग्लादेश) की पहाड़ियां बनीं। 8.8 करोड़ वर्ष पूर्व मेडागास्कर पूरी तरह अलग हो गया और भारत समुद्र में विचरण करता स्वतंत्र द्वीप बन गया।

मेडागास्कर से अलग होने के बाद भारत लगभग 18-20 सेमी प्रति वर्ष की गति से पूर्व की ओर जाने लगा। यह किसी जहाजी यात्रा से कम नहीं थी। मुझे उस वक्त की कल्पना कर 'लाइफ़ ऑफ़ पाई' फ़िल्म याद आ गई। तमाम जंगल और डायनासॉर लिए भारत अकेला समुद्र में विचरण कर रहा था।

यहां एक बात बतानी जरूरी है कि C आकार के पैन्जिया के मध्य जो समुद्र था, वह टेथीज़ सागर कहलाता था। अब जब सभी द्वीप बिखर गए, तो वहां खुला समुद्र रह गया। भारत इसी समुद्र में आगे बढ़ रहा था, जो अब हिंद महासागर कहलाता है। अगर भारत को एक जहाज मानें, तो इसका अगला नुकीला हिस्सा आज का सिंध और कच्छ का हिस्सा था।

भारत जैसे ही मेडागास्कर से कुछ दूर आज के रियूनियन द्वीप तक पहुंचा कि अचानक जैसे लक्ष्मण-रेखा पर पैर रख दिया। ज्वालामुखी विस्फोट होने लग गए, बल्कि इन विस्फोटों से ही वह रियूनियन द्वीप बन कर तैयार हुआ। अगर भारत वहां से न गुजरता तो यह खूबसूरत स्थान ही न होता। यह विडंबना है कि इसी द्वीप पर सदियों बाद भारत से बंधुआ मजदूर ले जाए गए, जिसका विवरण मैंने 'कुली लाइन्स' पुस्तक में दिया है। लगभग 6.8 करोड़ वर्ष पूर्व यह विस्फोट शुरू हुआ और अगले 40 लाख वर्षों तक चलता रहा। भारत ने इतने घाव झेले कि लगभग संपूर्ण जीवन खत्म हो गया। डायनासॉर युग भी इसके साथ ही खत्म हो गया।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

ब्रह्मपुत्र पुल व अंडरवाटर टनल बनेगा विकास सेतु

असम की धरती पर जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी की जनसभा में भारत माता की जय का उद्घोष किया, तो वह केवल एक राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि उत्तर–पूर्व के विकास को लेकर केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का संदेश भी था। उनके संबोधन में संगठन की शक्ति, कार्यकर्ताओं के समर्पण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प की झलक दिखाई दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 2014 के बाद उत्तर–पूर्व को प्राथमिकता दी गई है और यह क्षेत्र अब विकास की मुख्यधारा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। असम, जो लंबे समय तक भौगोलिक दूरी और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण पिछड़ा माना जाता था, आज बड़े प्रोजेक्ट्स के जरिए नए युग में प्रवेश कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने ब्रह्मपुत्र नदी पर बने 6-लेन के आधुनिक पुल कुमार भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन किया। लगभग 3,030 करोड़ रुपये

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

की लागत से निर्मित यह पुल गुवाहाटी और नॉर्थ गुवाहाटी को जोड़ता है। यह पूर्वोत्तर भारत का पहला एक्स्ट्राडोज्ड पुल है, जो इंजीनियरिंग की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके बन जाने से दोनों शहरों के बीच यात्रा समय घटकर मात्र सात मिनट रह जाएगा। इससे न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। ब्रह्मपुत्र, जो असम की जीवनरेखा है, अब विकास का सेतु बन चुकी है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में यह भी उल्लेख किया कि पिछले वर्षों में उत्तर–पूर्व के 125 से अधिक महान व्यक्तित्वों को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि इस क्षेत्र की प्रतिभा और सांस्कृतिक समृद्धि को राष्ट्रीय मंच पर उचित पहचान मिल रही है। लंबे समय तक उपेक्षित रहे इस भूभाग को अब देश के विकास मानचित्र में प्रमुख स्थान दिया जा रहा है।

विकास की इसी कड़ी में केंद्र सरकार ने एक और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे देश की पहली ट्विन-ट्यूब अंडरवाटर रेल एवं सड़क टनल को मंजूरी दी है। यह परियोजना गोहपुर और नुमालीगढ़ के बीच बनाई जाएगी। लगभग 15.8 किलोमीटर लंबी यह टनल तकनीकी दृष्टि से अत्यंत जटिल और महत्वाकांक्षी है। पूरे प्रोजेक्ट, जिसमें अप्रोच रोड और रेलवे ट्रैक भी शामिल हैं, की लंबाई 33.7 किलोमीटर होगी और इस पर लगभग 18,600 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

इस टनल के बन जाने से वर्तमान में 240 किलोमीटर की दूरी घटकर लगभग 34 किलोमीटर रह जाएगी। इससे न केवल समय और ईंधन की बचत होगी, बल्कि क्षेत्रीय संपर्क भी सुदृढ़ होगा। यह परियोजना सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आपात स्थिति में सेना और आवश्यक संसाधनों की तेजी से आवाजाही संभव हो सकेगी। एक ट्यूब में सिंगल रेल ट्रैक की सुविधा होगी और ट्रेनें बिजली से संचालित होंगी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसे इस प्रकार डिजाइन किया जाएगा कि ट्रेन के गुजरने के दौरान सड़क यातायात नियंत्रित रहेगा। इसमें बैलिस्टिक ट्रैक जैसी आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जो इसे अत्याधुनिक संरचना बनाता है।

इन परियोजनाओं का महत्व केवल यातायात सुविधा तक सीमित नहीं है। उत्तर–पूर्व भारत लंबे समय से भौगोलिक अलगाव और सीमित बुनियादी ढांचे के कारण आर्थिक रूप से पीछे रहा है। जब मजबूत पुल, आधुनिक सड़कें और सुरक्षित रेल नेटवर्क तैयार होते हैं, तो वे केवल दो स्थानों को नहीं जोड़ते, बल्कि संभावनाओं को जोड़ते हैं। इससे उद्योग, कृषि, पर्यटन और छोटे व्यवसायों को नई ऊर्जा मिलती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

प्रचलित श्लोक

शीशं मे देवदेवेश गृहाण पुरुषोत्तम। युद्ध दर्शनमिच्छामि तव प्रसादान्महामुने।। अर्थात हे पुरुषोत्तम मेरा यह शीश स्वीकार कीजिए एवं मैं आपकी कृपा से इस महायुद्ध का साक्षी बनना चाहता हूं। इसके अलावा एक और श्लोक आता है कि कलौ त्वं श्यामनामा पूज्यः सर्वजन प्रियः। भविष्यसि महामात्र भक्तानां फलदायकः।। अर्थात कलयुग में तुम श्याम नाम से पूजे जाओगे और तुम सबके प्रिय और भक्तों को वांछित फल प्रदान करने वाले होगे। पूर्व में आप श्याम के नाम से ही जाने जाते रहे और इसी नाम से आपका पूजन भी होता रहा।

बर्बरीक: करुणा, त्याग और धर्म-संतुलन का अमर प्रतीक

अशोक सूरी
आध्यात्मिक लेखक

यदि हम अपने पौराणिक इतिहास का दृष्यावलोकन करें, तो सबसे बड़े दानी के रूप में हमारे सामने कर्ण का नाम आता है- कर्ण से जिसने जो मांगा, उसने वह उसको दान में दिया, परंतु यहां हम देखते हैं कि कर्ण ने सदैव अर्थ का ही दान किया, परंतु वो योद्धा जो सर्वशक्तिमान था, धर्म का ज्ञाता था, जिसने अपने शीश तक का दान दे दिया, ऐसा अभूतपूर्व परमवीर योद्धा- एक मात्र और केवल एक बर्बरीक हुए हैं। बर्बरीक भी कर्ण के काल में ही पैदा हुए और कर्ण के साथ ही महाभारत युद्ध में अप्रकट भी हो गए।

स्कंद पुराण में उल्लेख

बर्बरीक कुंती पुत्र महाबली भीम के पौत्र और अति बलशाली मायावी घटोत्कच के पुत्र थे। इनकी मां का नाम नागकन्या अहिलावती (कहीं-कहीं मोरवी) था। भारतीय पौराणिक परंपरा में कुछ पात्र ऐसे हैं, जो ग्रंथों में तो बहुत सीमित रूप से दिखाई देते हैं, परंतु लोक गाथाओं में विशाल स्वरूप धारण कर लेते हैं। बर्बरीक ऐसा ही एक नाम है, जो महाभारत के युद्ध में बिना कोई अस्त्र उठाए इतिहास में अमर हो गए। आगे चलकर यही वीर बर्बरीक खाटू श्याम के रूप में लोक आस्था का केन्द्र बने और घर-घर पूजे जाने लगे। बर्बरीक की कथा मुख्य रूप से स्कंद पुराण के कौमारिका एवं रेवा खंड में मिलती है, परंतु यहां भी बर्बरीक नाम का उल्लेख नहीं मिलता है। वर्तमान में उपलब्ध स्कंद पुराण के अवंती खंड/ रेवा खंड में श्याम/श्यामदेव की कथा का संकेत है, जिसको कलियुग में पूजे जाने का वरदान भगवान श्री कृष्ण ने दिया है और शीशदान की स्वीकृति प्रदान की है।

महाभारत का मौन साक्षी

पौराणिक कथाओं के अनुसार बर्बरीक एक अद्भुत वीर थे, जिन्होंने देवी की घनघोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर देवी ने भगवान शिव से बर्बरीक को वरदान देने की प्रार्थना की। भगवान शिव ने बर्बरीक को तीन अचूक बाण प्रदान किए। ये सामान्य बाण नहीं, बल्कि दिव्य और चेतन अस्त्र थे, जो युद्धभूमि में स्वयं ही शत्रु और मित्र का भेद कर सकते थे। इन्हीं बाणों के कारण बर्बरीक अपार शक्ति के स्वामी बने और एक श्रेष्ठ वीर के रूप में विख्यात हुए। बर्बरीक की विशेषता केवल उनकी शक्ति नहीं थी, बल्कि उस शक्ति पर उनका विवेकपूर्ण नियंत्रण भी था। जब उनकी माताश्री को अपने पुत्र की अद्भुत सामर्थ्य का ज्ञान हुआ, तो उन्होंने उससे एक ही प्रतिज्ञा करवाई-कि वह इन बाणों का उपयोग केवल असहाय और कमजोर समाज की रक्षा के लिए करेगा। उन्होंने पुत्र से यह भी कहा कि उसे सदैव युद्ध में हारने वाले पक्ष का साथ देना होगा। बर्बरीक ने मां की इस आज्ञा और प्रतिज्ञा का जीवनपर्यंत पालन किया। इसी कारण वे "हारे का सहारा" कहे गए।

घटोत्कच की मृत्यु के बाद बर्बरीक ने युद्ध में जाने की अनुमति मांगी। मां ने उन्हें विदा करते समय फिर से उनकी प्रतिज्ञा स्मरण कराई। महाभारत के युद्ध में उस समय कौरवों की स्थिति कमजोर थी और वे पराजय के निकट थे। अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार बर्बरीक ने कौरवों के पक्ष में युद्ध करने का निर्णय लिया। परंतु यह स्थिति धर्म के संतुलन के लिए घातक थी। भगवान श्रीकृष्ण, जो पांडवों के पक्ष में थे, बर्बरीक की शक्ति और उनकी प्रतिज्ञा को भली-भांति समझ गए। उन्होंने बर्बरीक से युद्ध में आने का कारण पूछा। बर्बरीक ने स्पष्ट किया कि वह सदैव हारने वाले का साथ देता है। यह भाव करुणा से उपजा था, किंतु धर्म की दृष्टि से विनाशकारी हो सकता था।

श्रीकृष्ण ने बर्बरीक की शक्ति की परीक्षा ली, जिसमें वे पूर्णतः सफल हुए। तब भगवान को एक कठोर और अप्रिय निर्णय लेना पड़ा। ब्राह्मण के वेश में उन्होंने बर्बरीक से शीश का दान मांगा। महादानी बर्बरीक ने दान स्वीकार किया, परंतु पहले भगवान का वास्तविक स्वरूप देखने की इच्छा प्रकट की। श्रीकृष्ण के दर्शन के बाद बर्बरीक ने कहा कि अब जीवन का कोई प्रयोजन नहीं बचा। उन्होंने केवल एक इच्छा रखी-युद्ध को अंत तक देखने की। भगवान के "एवमस्तु" कहते ही बर्बरीक ने अपना शीश अर्पित कर दिया। श्रीकृष्ण ने उस शीश को एक ऊंचे टीले पर स्थापित किया, जहां से वह संपूर्ण युद्ध देख सका। इस महान त्याग के फलस्वरूप भगवान ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि कलियुग में वे उनके ही नाम "श्याम" से पूजे जाएंगे। यही श्याम आगे चलकर खाटू श्याम के रूप में विख्यात हुए।

राजस्थान के सीकर में प्रमुख धाम

राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू उनका प्रमुख धाम है- जहां श्याम केवल एक पौराणिक स्मृति नहीं, बल्कि लोक आस्था के जीवंत देवता हैं। लोक कथाओं में प्रचलित है कि बर्बरीक के शीश का खाटू में प्राकट्य हुआ था। खाटू श्याम की विषेशता यह है कि यहां श्याम राजा नहीं, सेवक के रूप में पूजे जाते हैं, जबकि द्वारका में द्वारिकाधीश के रूप में पूजे जाते हैं। खाटू श्याम युद्ध जिताने वाले देव नहीं हैं, अपितु संकट में साथ देने वाले आराध्य हैं। लोक कथाओं के अनुसार खाटू के राजा रूपसिंह की पत्नी नर्मदा कंवर को स्वप्न में भगवान के शीश के प्रकट होने का आभास हुआ था, जिसके बाद राजा रूपसिंह चौहान ने सन् 1027 ई. में इस स्थान पर प्रथम मंदिर का निर्माण करवाया। इसके उपरांत सन् 1727 में मारवाड़ के दीवान अभय सिंह ने मंदिर का भव्य जीणोद्धार करवाया। मंदिर के निर्माण में मकराना के प्रसिद्ध सफेद संगमरमर का उपयोग हुआ है तथा गर्भगृह के दरवाजों की परतों को चांदी से मढ़ा गया है। मंदिर के पास ही श्याम कुंड स्थित है, जहां बाबा का पावन शीश प्रकट हुआ था। श्याम बाबा का पूजन गंध, पुष्प, धूप, दीप एवं भोग से किया जाता है। बाबा को भोग में विशेष रूप से चूरमा मिश्री मावा, खीर या पेड़े का भोग लगाया जाता है। बाबा को मुख्य रूप से ध्वजा को विजय प्रतीक के रूप में अर्पित करते हैं। भक्तों को मोरछड़ी से आशीर्वाद प्राप्त होता है। 21 फरवरी से 28 फरवरी तक खाटूश्याम जी मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास से परिपूर्ण फाल्गुन लक्खी मेले का आयोजन किया जाएगा।

पौराणिक कथा

सुदामा और भगवान श्रीकृष्ण की माया

एक बार सुदामा ने श्रीकृष्ण से जिज्ञासावश पूछा, "कान्हा, मैं आपकी माया के दर्शन करना चाहता हूं। माया वास्तव में होती कैसी है?" श्रीकृष्ण यह प्रश्न टालना चाहते थे, पर सुदामा की जिद के आगे मुस्कराते हुए बोले, "अच्छा, समय आने पर तुम्हें स्वयं दिखा दूंगा।" एक दिन कृष्ण ने कहा, "सुदामा, आओ, गोमती में स्नान करने चलें।" दोनों गोमती नदी के तट पर पहुंचे, वस्त्र उतारकर जल में उतरे। कुछ ही क्षणों में श्रीकृष्ण स्नान कर तट पर लौट आए और अपना पीतांबर पहनने लगे। सुदामा ने सोचा-मैं भी एक डुबकी और लगा लेता हूं। जैसे ही उसने डुबकी लगाई, भगवान ने उसे अपनी माया के दर्शन करा दिए। सुदामा को लगा कि गोमती में अचानक बाढ़ आ गई है और वह बहता जा रहा है। किसी तरह वह एक घाट के पास रुका और बाहर निकला। चारों ओर एक अनजान नगरी थी। वह आगे बढ़ा तो देखा-एक हथिनी आई और उसके गले में फूलों की माला डाल गई। लोग इकट्ठे हो गए और बोले, "हमारे राजा का देहांत हो गया है। परंपरा है कि हथिनी जिसके गले में माला डाल दे, वही राजा होता है। अब आप हमारे राजा हैं।"

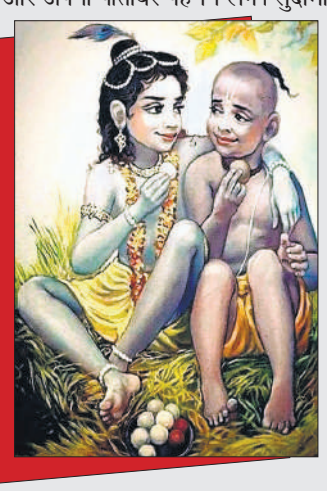

सुदामा आश्चर्यचकित रह गया। उसका राजतिलक हुआ, राजकन्या से विवाह हुआ और समय के साथ उसके दो पुत्र भी हुए। जीवन सुख से चल रहा था कि एक दिन उसकी पत्नी गंभीर रूप से बीमार पड़ी और अंततः चल बसी। सुदामा शोक में डूब गया। तभी लोगों ने कहा, "मायापुरी का नियम है-राजा को अपनी रानी के साथ चिता में प्रवेश करना होता है।"

यह सुनते ही सुदामा घबरा गया। उसे लगा- मेरी तो मृत्यु नहीं हुई, फिर मैं क्यों जलूं? अब उसे पत्नी का शोक भूलकर अपनी ही चिंता सताने लगी। उसने कहा, "मैं इस नगरी का निवासी नहीं हूं।" पर कोई नहीं माना। अंत में उसने विनती की-"मृत्यु से पहले मुझे स्नान करने दो।" पहरे के साथ उसे नदी तक ले जाया गया। डर से कांपते हुए सुदामा ने जैसे ही जल में डुबकी लगाई और बाहर आया- मायानगरी लुप्त थी। सामने वही गोमती तट था और श्रीकृष्ण अभी भी पीतांबर पहन रहे थे। सुदामा फूट-फूट कर रोने लगा।

श्रीकृष्ण ने अनजान बनते हुए पूछा, "सुदामा, क्यों रो रहे हो?" सुदामा बोला, "प्रभु, जो मैंने देखा- वह सत्य था या यह?" कृष्ण मुस्कराए-"जो देखा, भोगा वह माया थी, स्वप्न था। सत्य तो मैं हूं। माया अज्ञान है, आत्म-विस्मरण है। जो मुझे जान लेता है, उसे माया बांध नहीं पाती।" सुदामा समझ गया और जो समझ गया, वह श्रीकृष्ण से भिन्न कैसे रह सकता है।

बोधकथा

ईमानदारी का फल

एक था चेकपोस्ट का अधिकारी, धीरज। वह अत्यंत ईमानदार, संतोषी और कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति था। भ्रष्टाचार के इस युग में ऐसे व्यक्ति का जीवन आसान नहीं होता। चारों ओर से समझौते की नीति अपनाने का दबाव रहता, छोटे-बड़े लोग तरह-तरह से उसे प्रभावित करने का प्रयास करते, परंतु धीरज अपने सिद्धांतों पर अडिग रहा। बार-बार होने वाले स्थानांतरण उसकी दिनचर्या का हिस्सा बन चुके थे, किंतु उसने कभी शिकायत नहीं की।

एक बार उसने तस्करी का एक बड़ा माल पकड़ा। माल का मालिक एक प्रभावशाली व्यापारी था, जिसके संबंध बड़े-बड़े राजनेताओं और अधिकारियों से थे। पहले तो उसने धीरज को प्रलोभन देने का प्रयास किया और यहां तक कह दिया कि यदि वह आंख मूंद ले तो पचास लाख रुपये देने को तैयार है, पर धीरज तनिक भी विचलित नहीं हुआ। इसके बाद नेताओं और मंत्रियों के फोन आने लगे, दबाव डाला जाने लगा, किंतु उसने किसी की नहीं सुनी। उसने नियमों के अनुसार चालान किया और पूरा माल जब्त कर लिया। मामला न्यायालय पहुंचा, परंतु धन और प्रभाव के बल पर केस शीघ्र ही खारिज हो गया। ऊपर से मंत्रियों की नाराजगी का परिणाम यह हुआ कि धीरज को अपनी नौकरी से भी हाथ धोना पड़ा। इतनी बड़ी क्षति के बाद भी वह टूटा नहीं। उसका आत्मसम्मान और ईमानदारी आज भी उतनी ही दृढ़ थी। कुछ समय बाद एक बड़े उद्योगपति को इस पूरी घटना की जानकारी मिली। उसने धीरज को बुलाया और उसकी निष्ठा से प्रभावित होकर अपनी कंपनी में सर्वोच्च पद पर सम्मान सहित नियुक्त कर लिया। यहां उसे न केवल पहले से अधिक वेतन मिला, बल्कि सभी आवश्यक सुविधाएं भी प्राप्त हुईं। धीरज अब पहले से भी अधिक सतर्क और जिम्मेदार हो गया। वह मालिक के हितों की रक्षा करता और अधीनस्थ कर्मचारियों के अधिकारों तथा कल्याण का विशेष ध्यान रखता।

प्रत्येक माह वह सभी कर्मचारियों की बैठक करता, जिसमें कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी, संतोष और परोपकार जैसे मूल्यों पर चर्चा करता। उसके नेतृत्व में कंपनी निरंतर उन्नति करने लगी। एक दिन उसने उद्योगपति को धन की असारता का बोध कराते हुए शिक्षा, चिकित्सा और असहायों की सहायता के लिए एक ट्रस्ट बनाने का सुझाव दिया। उद्योगपति ने सहर्ष यह प्रस्ताव स्वीकार किया और धीरज को ही ट्रस्ट का सचिव बना दिया। अब कंपनी की आय का एक निश्चित अंश लोककल्याण के कार्यों में व्यय होने लगा। ठीक ही कहा गया है-धन तो बहुतों को मिल जाता है, पर उसका सदुपयोग वही कर पाता है, जिसके जीवन में ईमानदारी और पुण्य का प्रकाश हो।

क्यों लगता है मृत्यु से डर

मृत्यु जीवन का विश्राम स्थली हैं, जहां जीवात्मा अपनी थकान दूर करती, नये जीवन के लिए शक्ति प्रदान करती है। थकान दूर करने के लिए विश्राम तो नित्य ही करते हैं। पुनः नई शक्ति एवं स्फूर्ति से दैनिक कार्यों में जुड़ जाते हैं। विश्रामावधि में जाने में ना तो डर लगता है, ना ही किसी प्रकार की कठिनाई अनुभव होती है। विश्राम के अभाव में तो व्यय हुई शक्ति की आपूर्ति नहीं हो पाती। काया कमजोरी तथा श्रम के अयोग्य हो जाती है। जीवन भर की थकान को मिटाने के लिए भावी जीवन के लिए शक्ति प्राप्त करने के उद्देश्य से मृत्यु रूपी विश्राम अवधि भी उतनी ही आवश्यक है। काया-परिवर्तन इसलिए आवश्यक हो जाता है कि लंबी अवधि तक श्रम करने के कारण वह इस योग्य नहीं रहती कि कठोर श्रम कर सके। पुराने फटे वस्त्रों को बदलकर, नये पहन लिए जाते हैं। जर्जर हो गई मशीनों को पूर्ण रूपेण परिवर्तित कर देना ही उचित होता है।

शिवानंद मिश्रा
लेखक

इन परिवर्तनों में ना तो किसी प्रकार का दुराग्रह होता है, ना आसक्ति और नहीं किसी प्रकार का भय। नये के प्रति, परिवर्तन के प्रति भयभीत हो जाने अथवा पुरातन के प्रति आसक्ति बने रहने से उन लाभों से वंचित रह जाना पड़ता है, जो नए वस्त्रों एवं वस्तुओं से मिलता है। मृत्यु के संबंध में यही बात लागू होती है।

मृत्यु इसलिए भी आवश्यक एवं उपयोगी है कि जीव नये जीवन का, परिवर्तन का आनंद ले सके। मृत्यु का क्रम रुक जाय, उस स्थिति की कल्पना की जाय तो पता चलता है कि जीवन कितना नीरस एवं उभरा होगा। लंबी आयु, अमर काया, जर्जर, अशक्त बनी लाश ढोने के समान होगी, बुढ़ापा वैसे ही कितना नीरस भार भरा प्रतीत होता है। उस पर भी यदि उसके साथ अमरता का वरदान जुड़ जाए तो कितनी कठिनाई होगी। निश्चित ही कोई विचारशील, काया रूपी अमरता को स्वीकार न करना चाहेंगे। असमर्थ, अशक्त, जराजीर्ण काया की गठरी के बोझ को कौन सदा ढ़ोना चाहेगा? फिर मृत्यु से डर क्यों लगता है? शरीर के प्रति आसक्ति क्यों बनी रहती है? इन कारणों पर विचार करने पर पता चलता है, कि मृत्यु एवं जीवन के स्वरूप की वास्तविक जानकारी न होने के कारण ही भय लगता है। हमारी सत्ता शरीर से अलग है-शाश्वत, अविनाशी एवं अमर है। यह बोध बना रहे तो मृत्यु की आशंका से भयभीत होने का कोई कारण नहीं दिख पड़ता। शरीर सत्ता को ही सब कुछ मान लेने, मृत्यु के साथ जीवन का अंत समझ लेने से डर लगता है। शास्त्र इसलिए निर्देश देते हैं कि अपनी सत्ता को जानो और पहचानो, शास्त्रों का प्रत्येक को अध्ययन करना चाहिए।

सास-बहू का रिश्ता: वास्तु शास्त्र से सामंजस्य की राह

आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ

हर परिवार में सास-बहू का बंधन अनमोल होता है, लेकिन कभी-कभी छोटे-मोटे मतभेद इसकी मिठास कम कर देते हैं। वास्तु शास्त्र कहता है कि घर की दिशाओं में संतुलन लाकर दोनों पक्षों से प्रयास करने पर ये रिश्ता और मजबूत हो सकता है। सास और बहू दोनों मिलकर ये उपाय अपनाएं, तो प्रेम और समझदारी घर की शान बनेगी।

- **दोनों के लिए शुभ आरंभ-** सास-बहू संयुक्त रूप से गुरुवार या शुक्रवार से उपाय शुरू करें, ये दिन पारिवारिक एकता के प्रतीक हैं। यदि तनाव ज्यादा हो, तो शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से प्रारंभ करें। सभी उपाय 40-45 दिनों तक निरंतर करें, फिर जीवनभर आदत बनाएं। इससे सकारात्मक ऊर्जा घर में बनी रहेगी।
- **वायु कोण: संवाद की कुंजी-** घर के उत्तर-पश्चिम कोण (वायु कोण) को साफ रखें, कचरा या टूटा सामान न रखें। चांदी की कटोरी में केसर-कपूर भरकर रखें, हर शनिवार बदलें। सास या बहू इसे 43 दिनों तक संभालें, संवाद में मधुरता आएगी।
- **अग्नि कोण: प्रेम का प्रकाश-** दक्षिण-पूर्व (अग्नि कोण) में शाम को लाल बल्ब जलाएं। सास या बहू कोई भी 45 दिनों तक रोजाना करें। ये उपाय गलतफहमियां दूर कर सास-बहू में विश्वास जगाता है।
- **ईशान कोण: शांति का आधार-** उत्तर-पूर्व दिशा हमेशा स्वच्छ रखें, कूड़ेदान न रखें। पूजा स्थल यहीं बनाएं। रोज साफ करने का संकल्प लें, 40 दिनों में शांति का प्रभाव दिखने लगेगा।

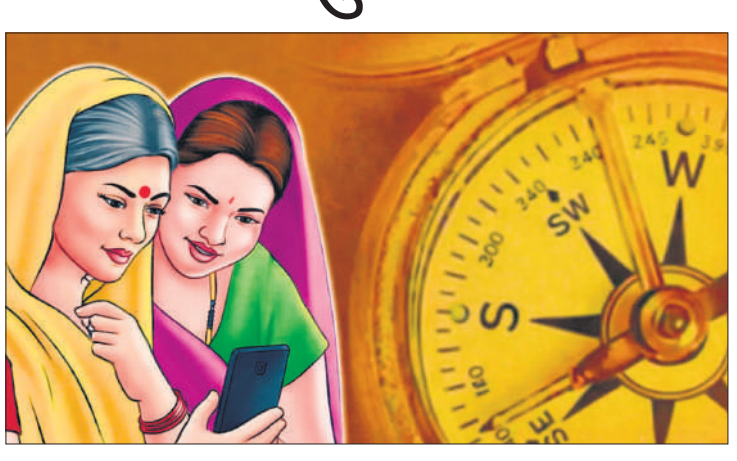

- **शयनकक्ष व्यवस्था: सम्मान का स्थान-** सास का कमरा दक्षिण-पश्चिम में, बहू का पश्चिम या दक्षिण में रखें। दोनों कमरों में लाल फ्रेम वाली संयुक्त फोटो लगाएं। शुक्रवार से स्थापित कर 21 दिनों तक रोज प्रणाम करें।
- **दैनिक वास्तु आदतें-** सूर्योदय पूर्व घर साफ करें, गुड़युक्त जल सूर्य को अर्घ्य दें। रोज पहली रोटी गुड़ सहित गाय को दें। गुरुवार से अपनाएं, 48 दिनों बाद स्थायी करें। झगड़े कम होते हैं।
- **सास के लिए खास उपाय-** अगर आप बहू हैं, तो रोज सुबह सास के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लें और अगर आप सास हैं, तो रोज सुबह बहू को आशीर्वाद दें भले वो आपका पैर छुए न छुए, फिर घर संभालने दें। गुरुवार को केसर तिलक लगाएं। 40 दिनों का कोर्स पूरा करें। ये वास्तु ऊर्जा संतुलित कर प्रेम स्थापित करते हैं।

विशेष वास्तु उपाय

भूमि कोण (दक्षिण-पूर्वी मध्य) रहस्य

घर के दक्षिण-पूर्वी मध्य भाग (भूमि तत्व क्षेत्र) में एक छोटा सा तांबे का लोटा रखें, जिसमें 7 जौ के दाने और गुड़ का टुकड़ा डालें। इसे लाल कपड़े से ढकें और कभी न हिलाएं। सास इसे स्थापित करें, बहू रोज जल चढ़ाएं। 21 दिनों में मनमुटाव गायब हो जाएगा।

नीलिमा यंत्र स्थापना

ईशान कोण के नीचे भूमि में (या अलमारी में) नीले रंग का त्रिकोणाकार यंत्र (नीलिमा यंत्र) दबाएं, जो बहू-सास की एकता का प्रतीक है। इसे शुक्रवार को केसर से स्थापित करें। 108 दिनों तक सक्रिय रहेगा, झगड़े जड़ से समाप्त हो जाएगी।

वास्तु पिरामिड संधि

घर के केंद्र (ब्रह्मस्थान) में पारदर्शी कांच का छोटा पिरामिड रखें, जिसके नीचे सास-बहू की संयुक्त फोटो (बिना फ्रेम) हो। रोज शाम 5 मिनट ध्यान करें। ये ऊर्जा संधि उपाय दोनों के कर्म बंधन को जोड़ता है, 40 दिनों में प्रेम स्वाभाविक हो जाता है।

शयन ऊर्जा समन्वय

सास के बिस्तर के नीचे बहू के नाम वाली सफेद मोमबत्ती (बिना जलाई) रखें और बहू के बिस्तर के नीचे सास के नाम वाली सफेद मोमबत्ती (बिना जलाई) रखें। इसे हर पूर्णिमा बदलें। ये उपाय निद्रा के दौरान वास्तु तरंगों को एकाकार करता है, सपनों में भी प्रेम का संचार होता है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	83,277.15	25,682.75
बढ़त	650.39	211.65
प्रतिशत में	0.79	0.83

सोना 1,59,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,50,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, मंगलवार, 17 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1880, फ़ॉर्चून कि. 2395, रविन्द्रा 2490, फॉर्चुन 13 किग्रा 2115, जय जवान 2080, सचिन 2085, सूरज 2080, अवसर 1940, उजाला 2060, गृहणी 13 किग्रा 1930, क्लासिक (किग्रा) 2280, मोर 2275, चक्र टिन 2330, ब्लू 2170, आशीर्वाद मस्टर्ड 2380, स्वास्तिक 2520

किराना : महाराष्ट्र हल्दी 17300, जीरा 28000, लाल मिर्च 19000-21000, धनिया 11000-12000, अजवायान 14000-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 10000-20000, सोंठ 37000, (प्रतिकि0) लौंग 850-1000, बादाम 800-1080, काजू 2 पीस 880, किशमिश पीली 350-400, मखाना 950-1100

चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा,5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8500, गौरी प्रीमियम 10200, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450, मलका दाल 7350-9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 10000, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100-11800, अरहर कोरी छोटी 13100

चीनी : पीलीभीत 4420, बहेड़ी 4260

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3800, मसूरी- 1300, बासमती- 8200-9400, परमल- 2200-4000

दाल दलहन : काला चना- 2200-3800, साबुत चना दाल- 1200, मूंग साबुत- 5400, राजमा- 9000-12200, दाल उड़द- 6800, साबुत मसूर दाल- 3900, मसूर दाल- 1400, उड़द साबुत- 10400, काबुली चना- 7200-10000, अरहर दाल- 10300 -12000, लोबिया/ करमानी- 2200-4400

आयात बढ़ने से देश का व्यापार घाटा दोगुना होकर 10 अरब डॉलर के पार

जनवरी में वस्तुओं के निर्यात में 0.6% और सेवाओं के निर्यात 26.33% वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

वस्तुओं के आयात में तेज वृद्धि से इस साल जनवरी में देश का कुल व्यापार घाटा लगभग दोगुना होकर 10.38 अरब डॉलर पर पहुंच गया। पिछले साल जनवरी में वस्तुओं और सेवाओं को मिलाकर कुल व्यापार घाटा 5.39 अरब डॉलर रहा था।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि जनवरी में वस्तुओं का निर्यात साल दर साल 0.6 प्रतिशत बढ़कर 36.56 अरब डॉलर और सेवाओं का निर्यात 26.33 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 43.90 अरब डॉलर रहा। वस्तुओं का आयात 19.19 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 71.24 अरब डॉलर हो गया। जनवरी 2025 में यह 59.77 अरब डॉलर था। सेवाओं का आयात 17.30 प्रतिशत बढ़कर 19.60 अरब डॉलर रहा। इस प्रकार कुल निर्यात 80.45 अरब डॉलर और कुल आयात 90.83 अरब डॉलर दर्ज किया गया। पिछले साल जनवरी में कुल आयात 71.90 अरब डॉलर और कुल निर्यात 76.48 अरब डॉलर पर था।

पेट्रोलियम का सर्वाधिक आयात

भारत ने पेट्रोलियम का सबसे अधिक आयात किया। इसके बाद क्रमशः इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद, सोना, मशीनरी और परिवहन उपकरण का रहा। देश से 101.13 अरब डॉलर की इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात किया गया। इसके बाद, 45.69 अरब डॉलर के पेट्रोलियम उत्पाद, 39.38 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद, 25.73 अरब डॉलर की दवाओं और 23.53 अरब डॉलर के जवाहरात और गहनों का निर्यात हुआ।

रूस से आयात घटा, चीन, यूएई अमेरिका, सऊदी अरब से बढ़ा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीने में चीन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), अमेरिका और सऊदी अरब से भारत का आयात बढ़ा है जबकि रूस से आयात में कमी आई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल-जनवरी के दौरान क्रमशः चीन, यूएई, रूस, अमेरिका और सऊदी अरब से सबसे अधिक आयात किया गया। इनमें रूस को छोड़कर अन्य देशों से आयात में वृद्धि हुई है। खास बात यह है कि जनवरी 2026 में रूस से मात्र 2.86 अरब डॉलर का आयात किया गया जबकि उससे पहले के नौ महीने में पांच अरब डॉलर के औसत के साथ रूस से 44.98 अरब डॉलर का आयात हुआ था।

- सबसे ज्यादा निर्यात क्रमशः अमेरिका, यूएई, चीन, नीदरलैंड और ब्रिटेन को किया गया, अमेरिका, यूएई और चीन को निर्यात में वृद्धि, नीदरलैंड और ब्रिटेन को निर्यात कम

सरकारी आंकड़े : थोक महंगाई जनवरी में 1.81 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। देश में थोक मुद्रास्फीति जनवरी में लगातार तीसरे महीने बढ़ते हुए 1.81 प्रतिशत पर पहुंच गई। खाद्य वस्तुओं, गैर-खाद्य चीजों और विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में मासिक आधार पर बढ़ोतरी इसकी मुख्य वजह रही। सोमवार को इस संबंध में सरकारी आंकड़े जारी किए गए। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर पिछले साल जनवरी में 2.51 प्रतिशत जबकि दिसंबर 2025 में 0.83 प्रतिशत रही थी। उद्योग मंत्रालय ने कहा, जनवरी 2026 में थोक महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह मूल धातुओं के विनिर्माण, अन्य विनिर्माण, गैर-खाद्य चीजों, खाद्य वस्तुओं तथा वस्त्रों आदि की कीमतों में वृद्धि रही। डब्ल्यूपीआई के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी में खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर 1.55 प्रतिशत रही जबकि दिसंबर में इसमें 0.43 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। सब्जियों के मामले में जनवरी में महंगाई दर 6.78 प्रतिशत रही जबकि दिसंबर में इसमें 3.50 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

- गैर खाद्य चीजों, खाद्य वस्तुओं और वस्त्रों की कीमतों में वृद्धि कारण

शेयर बाजार में गिरावट थमी, 650 अंक चढ़ा सेंसेक्स

निफ्टी ने ली 212 अंकों की बढ़त

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में जारी गिरावट पर सोमवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 650 अंक के लाभ में रहा जबकि एनएसई निफ्टी 212 अंक चढ़ गया। बिजली, बैंक और वित्तीय शेयरों में लिवाली से बाजार में मजबूती आई।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स लगातार तीन कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट से उबरते हुए 650.39 अंक यानी 0.79 प्रतिशत चढ़कर 83,277.15 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 211.65 अंक यानी 0.83 प्रतिशत बढ़कर 25,682.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में पावरग्रिड सबसे अधिक लाभ में रहा। इसमें 4.45 प्रतिशत की तेजी आई। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, आईटीसी, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय स्टेट बैंक में प्रमुख रूप से तेजी रही। दूसरी ओर, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी इंडिया, बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

जनवरी में सोने का आयात 349% बढ़ा

नई दिल्ली। भारत ने जनवरी 2026 में 1,207.06 करोड़ डॉलर का सोना आयात किया जो पिछले साल जनवरी की तुलना में 349 प्रतिशत अधिक है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के के अनुसार, जनवरी में चांदी का आयात 127 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 200.38 करोड़ डॉलर का रहा। पिछले साल जनवरी में 268.70 करोड़ डॉलर का सोना और 88.28 करोड़ डॉलर की चांदी आयात की गई थी। चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीने (अप्रैल-जनवरी) में 6,146.39 करोड़ डॉलर का सोना और 977.53 करोड़ डॉलर की चांदी आयात की गई।

वर्ष 2035 तक में घरेलू खुदरा बाजार दोगुना होने की उम्मीद

मुंबई। घरेलू खुदरा बाजार वर्ष 2035 तक बढ़कर 210-215 लाख करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है, जो 2025 में अनुमानित 90-95 लाख करोड़ रुपये का दोगुने से भी अधिक होगा। सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया।

बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने संयुक्त रूप से यह रिपोर्ट 'रिटेल लीडरशिप समिट 2026' में जारी की। रिपोर्ट कहती है कि प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में बेहतर प्रदर्शन और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर होने से भारत खुदरा बाजार में वृद्धि का प्रमुख चालक रहेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, खुदरा क्षेत्र के अगले चरण की वृद्धि में वे कंपनियां आगे रहेंगी जो स्पष्ट रणनीतिक ध्यान, अनुशासित क्रियान्वयन और कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित बदलाव को अपनाएंगी। उपभोक्ता जुड़ाव, परिचालन मॉडल और प्रतिभा प्रबंधन में संरचनात्मक परिवर्तन अपनाने वाले खुदरा विक्रेता 200 लाख करोड़ रुपये के बाजार की यात्रा में असमानुपातिक मूल्य अर्जित कर सकेंगे।

जनवरी में बेरोजगारी दर बढ़कर 5% पर

नई दिल्ली। देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के लोगों के बीच बेरोजगारी दर जनवरी में बढ़कर पांच प्रतिशत हो गई जो दिसंबर 2025 में 4.8 प्रतिशत थी।

- देश के शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में बढ़ी बेरोजगारी

नवीनतम आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के आंकड़ों से पता चलता है कि बेरोजगारी दर में वृद्धि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में दर्ज की गई। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने एक बयान जारी करके कहा कि श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) एवं श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) में गिरावट और बेरोजगारी दर में वृद्धि मुख्य रूप से देश के ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी कारणों से हुई।

आधिकारिक बयान में दावा किया गया है कि फसल कटाई के बाद कृषि गतिविधियों में स्वाभाविक सुस्ती, निर्माण, कृषि-संबद्ध कार्य, परिवहन एवं छोटे व्यापार जैसे क्षेत्रों में सर्दियों के दौरान सुस्ती रहने और कुछ श्रमिकों का अस्थाई रूप से काम की तलाश न करना इसके प्रमुख कारण रहे। हालांकि, एनएसओ ने स्पष्ट किया कि शहरी क्षेत्रों में श्रम बाजार की स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर रही।

एआई से उत्पन्न गलत सूचना लोकतंत्र के लिए खतरा: जितिन

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय राज्यमंत्री ने समिट में कहा- एआई को शॉर्टकट न माना जाए

केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने सोमवार को एआई उपकरणों के इस्तेमाल में सतर्कता बरतने की अपील करते हुए कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के जरिये तैयार की गई गलत सूचना में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को कमजोर करने की ताकत है।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में एक सत्र के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री ने कहा कि एआई छात्रों और शिक्षकों के लिए सीखने की प्रक्रिया को काफी बेहतर बना सकता है, लेकिन इसे ऐसा शॉर्टकट नहीं माना जाना चाहिए जिससे आलोचनात्मक सोच या जिज्ञासा कमजोर पड़े।

जितिन ने कहा कि एआई शिक्षकों की जगह नहीं ले सकता और शिक्षा में इसके जोखिमों से सावधानीपूर्वक निपटना होगा। मंत्री ने कहा, अगर डिजिटल साक्षरता नहीं होगी तो साइबर खतरों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ जाती है। साइबर सुरक्षा एक बहुत बड़ा मुद्दा है और एआई डीपफेक के जरिये गलत सूचना फैलाई जाती है। भारत जैसा देश जो वास्तव में लोकतांत्रिक है जहां केंद्रीय, राज्य या निगम स्तर पर साल भर चुनाव होते रहते हैं, अगर एआई के जरिए गलत सूचना फैलाई गई तो यह लोकतंत्र को पटरी से उतार सकती है। उन्होंने कहा, यह लोगों की सोच को गलत दिशा में मोड़ सकती है और एक बार मतदान हो गया तो वह बेहद नुकसानदेह हो सकता है क्योंकि लोग झूठी जानकारी के आधार पर वोट दिया होगा।

उन्होंने कहा कि यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। सरकार नीतियां बनाएगी और नागरिकों की सुरक्षा तथा उनके भविष्य की रक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाएगी, लेकिन इसमें सबको योगदान देना होगा।

राष्ट्रीय

वांगचुक का भाषण तीन मिनट का तो उसका अनुवाद आठ मिनट का क्यों

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा सवाल, वास्तविक लिखित प्रतिलिपि पेश करने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के खिलाफ केंद्र की ओर से प्रस्तुत वीडियो के ट्रांसक्रिप्ट (लिखित प्रतिलिपि) को लेकर सवाल उठाए और कहा कि एआई के दौर में अनुवाद बिल्कुल सटीक होना चाहिए। दरअसल, वांगचुक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी थी कि अनुवाद में ऐसे शब्द भी जोड़ दिए गए हैं जो वांगचुक ने कहे ही नहीं थे। कोर्ट ने केंद्र को भाषण की वास्तविक ट्रांसक्रिप्ट पेश करने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज से कहा कि सरकार वांगचुक के बयानों की वास्तविक ट्रांसक्रिप्ट पेश करे। पीठ ने कहा, मिस्टर सॉलिसिटर, हमें भाषण की वास्तविक ट्रांसक्रिप्ट चाहिए। जिस पर उन्होंने भरोसा किया है और जो आप कह रहे हैं, वह अलग है। हम निर्णय करेंगे। उन्होंने जो कहा है, उसकी वास्तविक प्रतिलिपि होनी चाहिए। पीठ ने कहा, उन्होंने जो कहा, कम से कमउसका सही अनुवाद होना चाहिए। आपका अनुवाद सात से आठ मिनट तक चलता है, जबकि भाषण केवल तीन मिनट का है। हम एआई के युग में हैं, अनुवाद में कम से कम 98 प्रतिशत सटीकता होनी चाहिए। इस मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार को फिर से होगी।

जो बात कही नहीं, वह भी अदालत में : सिब्बल

- सिब्बल ने अनुवाद पर सवाल उठाते हुए कहा, वांगचुक ने अपना अनशन जारी रखा और नेपाल का संदर्भ देकर युवाओं को उकसाना भी जारी रखा यह पंक्ति कहां से आ रही है। यह एक बहुत ही अनोखा नजरबंदी आदेश है, आप ऐसी बात पर भरोसा कर रहे हैं जो मौजूद ही नहीं है और फिर कहते हैं कि यह व्यक्तिपरक संतुष्टि पर आधारित है।

वांगचुक स्वस्थ, रिहा नहीं कर सकते: केंद्र

- केंद्र ने इससे पहले शीर्ष अदालत को बताया था कि वांगचुक की हिरासत के बाद से 24 बार चिकित्सकीय जांच की गई है और वह स्वस्थ और ठीक हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से कहा कि जिन आधारों पर वांगचुक की नजरबंदी का आदेश जारी किया गया था, वे अब भी बने हुए हैं और स्वास्थ्य कारणों से उन्हें रिहा करना संभव नहीं होगा।

हिमंत के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई से इन्कार, हाईकोर्ट जाने को कहा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ कार्रवाई संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई से इन्कार कर दिया। इन याचिकाओं में उस वायरल वीडियो को लेकर कार्रवाई का आग्रह किया गया था, जिसमें शर्मा एक विशेष समुदाय के सदस्यों की ओर राइफल से निशाना साधते और गोली चलाते हुए दिखे थे। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने पक्षकारों के सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख करने की प्रवृत्ति पर कड़ी आपत्ति व्यक्त करते हुए याचिकाकर्ताओं को अपनी शिकायत लेकर गुवाहाटी हाईकोर्ट के समक्ष जाने को कहा। शीर्ष अदालत ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से मामले की सुनवाई तेजी से करने को भी कहा। पीठ ने पक्षकारों से कहा, आप गुवाहाटी हाईकोर्ट क्यों नहीं गए। उसकी शक्ति को कम मत आंकिए।

'तार्किक विसंगति' श्रेणी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर में 'तार्किक विसंगति' श्रेणी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता के अनुच्छेद-32 के तहत शीर्ष अदालत का रुख करने पर सवाल भी उठाया। पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा, आप चाहते हैं कि हम अनुच्छेद-32 के तहत दायर याचिका पर विचार कर यह तय करें कि आपके पिता, आपकी माता और आपका भाई कौन है।

असम : राहुल से बात करने के बाद भूपेन बोरा ने इस्तीफा वापस लिया

गुवाहाटी, एजेंसी

- पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी में उपेक्षा का आरोप लगाकर इस्तीफा दिया था

असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा ने सोमवार सुबह पार्टी में उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना इस्तीफा भेज दिया लेकिन राहुल गांधी और कुछ अन्य वरिष्ठ नेताओं से बातचीत के बाद उसे वापस ले लिया।

बोरा के त्यागपत्र की जानकारी मिलते ही कांग्रेस के असम प्रभारी जितेंद्र सिंह, पार्टी की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने बोरा से उनके आवास पर मुलाकात की। इसके बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने भी उनसे फोन पर बात की। जितेंद्र सिंह ने कहा कि बोरा ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया है। उन्होंने कहा, भूपेन जी हमारे बहुत ही वरिष्ठ नेता हैं। परिवार के अंदर कभी-कभी मनमुटाव हो जाता है लेकिन यह हमारा आंतरिक मामला है। भूपेन जी ने असम की जनता के लिए लड़ाई लड़ी है और कांग्रेस में लंबा राजनीतिक जीवन बिताया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने उनसे इस्तीफा वापस लेने का आग्रह किया, उनकी राहुल गांधी जी और केसी वेणुगोपाल जी से बात हुई।

इस बीच बोरा ने कहा कि उन्होंने अपने फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए कांग्रेस आलाकमान से समय मांगा है। गोगोई ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बोरा से बात की है और उनका इस्तीफा आलाकमान ने स्वीकार नहीं किया है। गोगोई ने कहा, अगर पार्टी में कुछ मुद्दों के कारण भूपेन बोरा को ठेस पहुंची है तो हम उनसे माफी मांगते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष को भेजे अपने त्यागपत्र में बोरा ने दावा किया था कि पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें उपेक्षित किया जा रहा है और राज्य इकाई में उन्हें उनका हक नहीं दिया जा रहा है। बोरा 2021 से 2025 तक असम कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष थे और पिछले साल उनकी जगह गौरव गोगोई को असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कमान सौंप दी गई।

हिमंत ने बोरा को भाजपा में दिया न्योता, नहीं बनी बात

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा के पार्टी से इस्तीफा देने के बाद भाजपा के दरवाजे उनके लिए खुले हैं। अगर वह भाजपा में शामिल होते हैं तो वह उन्हें किसी सुरक्षित सीट से चुनाव जितवाने की कोशिश करेंगे। हिमंत ने कहा, उनके इस्तीफे से यह प्रतीकात्मक संदेश मिलता है कि कांग्रेस में किसी सामान्य परिवार का व्यक्ति तरक्की नहीं कर सकता। वह कल शाम बोरा के आवास पर जाएंगे और उनकी भविष्य की योजनाओं पर बातचीत करेंगे। हालांकि बोरा की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। राहुल गांधी से बातचीत के बाद उनका इस्तीफा वापस लिए जाने की घोषणा कर दी गई।

प्रश्नपत्र लीक होने की अफवाहों पर ध्यान न दें विद्यार्थी : सीबीएसई

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने विद्यार्थियों से मंगलवार से शुरू होने वाली कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में प्रश्न पत्र लीक होने की अफवाहों से गुमराह न होने का आग्रह किया है। सीबीएसई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, जैसा कि पहले भी देखा गया है, कुछ अनैतिक तत्व परीक्षाओं के दौरान विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर फर्जी खबरें फैलाकर छात्रों और अभिभावकों को गुमराह करने का प्रयास करते हैं। इस तरह की गलत सूचनाओं में अक्सर प्रश्नपत्र लीक होने और बोर्ड की कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं के कथित प्रश्नपत्रों के प्रसार के झूठे दावे शामिल होते हैं। अधिकारी ने कहा, इसलिए, सीबीएसई अभिभावकों, विद्यार्थियों, विद्यालयों और सभी संबंधित हितधारकों से आग्रह करता है कि वे सतर्क रहें और अपुष्ट समाचारों, अफवाहों या फर्जी खबरों से गुमराह न हों। इस तरह की निराधार सामग्री पर भरोसा करना, उससे जुड़ना या उसे आगे बढ़ाना अनावश्यक चिंता और भ्रम पैदा कर सकता है और तैयारियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

शिंदे गुट के मुस्लिम विधायक के आने के बाद भाजपा ने मंदिर में गोमूत्र छिड़का

छत्रपति संभाजीनगर। शिवसेना शिंदे गुट के मुस्लिम विधायक एवं पूर्व मंत्री अब्दुल सत्तार के छत्रपति संभाजीनगर के सिल्लोड में एक मंदिर में दर्शन करने के बाद भाजपा के कार्यकर्ताओं ने गोमूत्र से मंदिर का शुद्धिकरण किया। महाशिवरात्रि पर विधानसभा क्षेत्र सिल्लोड के रहीमाबाद स्थित शिव मंदिर में मुस्लिम विधायक के जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसपर भाजपा और अन्य संगठनों ने विरोध जताया है। भाजपा की सिल्लोड इकाई के प्रमुख मनोज मोरेलू ने दावा किया, सत्तार गोमांस खाते हैं और उन्होंने मंदिर में प्रवेश कर उसकी पवित्रता को भंग किया है। इसलिए हमने मंदिर को शुद्ध करने के लिए गोमूत्र छिड़का। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तार हाल में हज पर गए थे और अब मंदिर जा रहे हैं।

ईडी ने न्यूजक्लिक, प्रबीर पुरकायस्थ पर 184 करोड़ का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। ईडी)ने समाचार पोर्टल 'न्यूजक्लिक' और उसके प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ पर फेमा के तहत 184 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक आदेश में स्पष्ट किया गया है कि पोर्टल के स्वामित्व वाली कंपनी पीपीके न्यूजक्लिक स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड पर 120 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है, जबकि पुरकायस्थ पर कथित उल्लंघनों के लिए 64 करोड़ रुपये का जुर्माना किया गया है। इन्हें विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए पाया गया है, मुख्य रूप से एक तो प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) निधियों का गलत विवरण देने और दूसरे सेवाओं और निर्यात की गलत घोषणा। इस घटनाक्रम पर 'न्यूजक्लिक' से अभी प्रतिक्रिया नहीं मिली है। ईडी ने सबसे पहले सितंबर 2021 में राष्ट्रीय राजधानी के सैदुलजाब इलाके में स्थित न्यूजक्लिक परिसर में धनशोधन के आरोपों में छापेमारी की थी। एजेंसी ने इस मामले में पुरकायस्थ समेत 25 से अधिक लोगों के बयान दर्ज किए हैं। भाजपा ने 2023 में 'न्यूयॉर्क टाइम्स' अखबार के एक समाचार का हवाला देते हुए पोर्टल और उसके प्रवर्तकों पर कदाचार का आरोप लगाया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबू बक्र अहमद से बातचीत की

नई दिल्ली। भारत के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबू बक्र अहमद ने सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और दोनों ने कई मुद्दों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मेरी भारत के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबू बक्र अहमद साहब के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने कई मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने कहा, सामाजिक सद्भाव, भाईचारा बढ़ाने और शिक्षा में सुधार लाने के उनके प्रयास सराहनीय हैं।

प्रधानमंत्री ने मुलाकात की तस्वीरें भी साझा कीं। शेख अबू बक्र अहमद भारत के 10वें और वर्तमान ग्रैंड मुफ्ती हैं, जिन्हें फरवरी 2019 में नियुक्त किया गया था। केरल के एक प्रमुख सुन्नी विद्वान के रूप में, वह अखिल भारतीय सुन्नी जमीयतुल उलमा का नेतृत्व करते हैं।

अवैध हिरासत का दावा: अबू सलेम की याचिका पर सुनवाई से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर अबू सलेम की उस याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि उसे 10 महीने से अधिक समय से अवैध हिरासत में रखा गया है, जबकि वह 1993 के मुंबई विस्फोट मामले में उसे दी गई 25 साल की सजा पहले ही काट चुका है। वर्ष 1993 के मुंबई धमाकों के दोषी सलेम को लंबी कानूनी लड़ाई के बाद 11 नवंबर, 2005 को पुर्तगाल से प्रत्यर्पित किया गया था। प्रत्यर्पण समझौते की शर्तों के अनुसार, सलेम को मृत्युदंड नहीं दिया जा सकता और उसके कारावास की अवधि 25 वर्ष से अधिक नहीं हो सकती। सलेम ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर रिहाई की मांग की थी, जिसमें दावा किया था कि अच्छे व्यवहार के लिए दी छूट को शामिल करने पर वह पहले ही 25 साल की कैद काट चुका है।

पहलगाम हमले के मृतक की बेटी को 10 महीने बाद भी नहीं मिली सरकारी नौकरी

पुणे/मुंबई। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पिता की मौत के दस महीने बाद भी असावरी जगदाले महाराष्ट्र सरकार के सरकारी नौकरी के वादे के पूरा होने का इंतजार कर रही हैं।

असावरी के पिता संतोष जगदाले उन 26 लोगों में एक थे जिनकी मौत पिछले साल 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों की गोलीबारी में हुई थी। इसके बाद राज्य सरकार ने महाराष्ट्र के छह पीड़ित परिवारों को 50 लाख रुपये की वित्तीय सहायता और परिजनों को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की थी। असावरी ने कहा, वादा किए हुए 10 महीने हो गए हैं, लेकिन अब तक कुछ नहीं हुआ है। राज्यसभा सदस्य मेधा कुलकर्णी ने गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राज्य सरकार के आश्वासनों से अवगत कराया है। असावरी ने कहा, मैंने एकनाथ शिंदे और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यालयों से संपर्क किया है। मेरा परिवार तंगी का सामना कर रहा है और सारी बचत खत्म हो गई है।

- महाराष्ट्र सरकार ने किया था वादा, तंगी से जूझ रहा है परिवार

भारत में शिखर सम्मेलन एआई के पूर्ण लाभ को प्राप्त करने का अहम अवसर

लंदन, एजेंसी

● एआई इंपैक्ट समिट को लेकर ब्रिटिश सरकार की टिप्पणी

ब्रिटेन की सरकार ने कहा है कि सोमवार से भारत में शुरू होने जा रहे एआई इंपैक्ट समिट में ब्रिटेन का ध्यान इस बात को रेखांकित करने पर रहेगा कि कृत्रिम मेधा (एआई) किस प्रकार विकास को गति दे सकती है, नए रोजगार सृजित कर सकती है, सार्वजनिक सेवाओं में सुधार कर सकती है और किस प्रकार दुनिया भर के लोगों को लाभ पहुंचा सकती है।

उपप्रधानमंत्री डेविड लैमी और एआई मंत्री कनिष्क नारायण के नेतृत्व में ब्रिटेन का प्रतिनिधिमंडल इस बात पर प्रकाश डालने के लिए उत्सुक है कि एआई दुनिया के हर कोने में रोजमर्रा की जिंदगी को कैसे बेहतर बना सकता है और एक नवीनीकरण इंजन के रूप में यह किस तरह डॉक्टरों को तेजी से निदान करने, शिक्षकों को व्यक्तिगत शिक्षण प्रदान करने, परिषदों को मिनटों में सेवाएं प्रदान करने और व्यवसायों को अगली पीढ़ी के अच्छे रोजगार सृजित करने में मदद कर सकता है। लैमी ने कहा कि यह शिखर सम्मेलन तय करेगा कि हम एआई के लाभों के लिए मिलकर कैसे काम करें।

भारत-अमेरिका साझेदारी से बड़े अवसर मिलेंगे

न्यूयॉर्क। एआई संचालन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी रूब्रिक के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिपुल सिन्हा ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के क्षेत्र में भारत तथा अमेरिका की मजबूत साझेदारी स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, रोजगार प्रशिक्षण एवं डिजिटल साक्षरता जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं पैदा कर सकती है। सिन्हा ने यहां कहा कि मैं भारत-अमेरिका संबंधों का बड़ा पक्षधर रहा हूं।

पर्यावरण के लिए खतरे का संकेत

पानी गटक रहा एआई

दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी (कृत्रिम मेधा) की धूम मची है। शिक्षा, रोजगार, विज्ञान, व्यापार, तकनीक से लेकर जीवन के हर क्षेत्र को यह नई विधा प्रभावित कर रही है। किसी काम को चुटकियों में कर देने के गुण के कारण इसका इस्तेमाल आम जीवन में बढ़ गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की बढ़ती भूख ने पर्यावरण को नया झटका दिया है। एक नई रिसर्च के अनुसार, 2025 में एआई सिस्टम्स की पानी की खपत वैश्विक बोतलबंद पानी की कुल खपत से ज्यादा हो गई है। डेटा सेंटर्स में एआई सर्वर्स को ठंडा रखने और बिजली उत्पादन के लिए अरबों लीटर पानी खर्च हो रहा है, जो जल संकट को और गहरा सकता है। ये स्टडी सिर्फ चेतावनी है। एआई का फायदा तो है, लेकिन पर्यावरण की कीमत कौन चुकाएगा ये बड़ा सवाल है?

कैसे करता है पानी की खपत

● असल में एआई खुद पानी नहीं पीता बल्कि उसे चलाने वाली मशीनें और डेटा सेंटर्स बहुत अधिक पानी इस्तेमाल करते हैं। जब कोई भी एआई सिस्टम काम करता है तो उसके पीछे विशाल डेटा सेंटर्स चलते हैं, इन डेटा सेंटर्स में हजारों सर्वर लगे होते हैं जो गर्म होते रहते हैं। इन्हें ठंडा रखने के लिए कूलिंग सिस्टम का इस्तेमाल होता है और इसी कूलिंग में लाखों लीटर पानी खर्च हो जाता है। कई जगहों पर यह पानी सीधे वॉटर कूलिंग सिस्टम में जाता है तो कहीं बिजली बनाने के दौरान इस्तेमाल हुए पानी की खपत भी इसमें जुड़ जाती है। नए एआई मॉडल तैयार करने में सर्वर फुल कैपेसिटी पर चलते हैं। इस दौरान बिजली की खपत बढ़ती है, बिजली उत्पादन व सिस्टम को ठंडा रखने में काफी पानी खर्च होता है।

पर्यावरण पर सबसे ज्यादा असर एआई के रोज़ाना इस्तेमाल से पड़ता है। जब सवाल पूछते हैं, इमेज या वीडियो बनवाते हैं तो सर्वर पर भारी लोड पड़ता है।

बोतल बंद पानी से ज्यादा इस्तेमाल

● शोध के मुताबिक, साल 2025 में सिर्फ एआई सिस्टम से निकलने वाला कार्बन उत्सर्जन करीब 3 .26 करोड़ से लेकर 7 .97 करोड़ टन कार्बन डाइ ऑक्साइड के बीच हो सकता है। यह मात्रा न्यूयॉर्क सिटी जैसे बड़े महानगर के सालाना कार्बन फुटप्रिंट के बराबर मानी जा रही है। वहीं पानी की खपत का आंकड़ा और भी चौंकाने वाला है। एआई से जुड़े डेटा सेंटर्स हर साल करीब 312 से 764 अरब लीटर पानी इस्तेमाल कर सकते हैं जो पूरी दुनिया में एक साल में इस्तेमाल होने वाले बोतलबंद पानी से भी ज्यादा है। इससे साफ है कि एआई सिर्फ ऊर्जा की नहीं बल्कि पानी की सुरक्षा का भी बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है।

वर्ल्ड ब्रीफ

एल सल्वाडोर में जब्त की 6.6 टन कोकीन

मेक्सिको सिटी। एल साल्वाडोर की नौसेना ने 6 .6 टन कोकीन ले जा रहे जहाज़ को पकड़ा है, जो देश के इतिहास की सबसे बड़ी ड्रग जब्ती है। एल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नायिब बुकेले ने सोमवार को यह घोषणा की। इस कोकीन की कीमत करीब 16 .5 करोड़ डॉलर है। बुकेले ने सोशल मीडिया पर लिखा, हमारी राष्ट्रीय नौसेना ने एल साल्वाडोर के इतिहास की सबसे बड़ी ड्रग जब्ती को अंजाम दिया है। बुकेले के मुताबिक, यह अभियान एल साल्वाडोर के तट से 380 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में हुआ।

मुक्त व्यापार डील के करीब ऑस्ट्रेलिया-ईयू

कैनबेरा। ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच संभावित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत अपने अंतिम दौर में है और आने वाले हफ्तों में इस पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के समाचार चैनल एबीसी न्यूज ने ईयू और ऑस्ट्रेलियाई प्रशासन के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सला वॉन डेर लेयन बचे हुए विवादास्पद मुद्दों को हल करने के बाद समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, ये विवादास्पद मुद्दे लाल गोश्त के निर्यात से संबंधित हैं। सुश्री वॉन डेर लेयन ऑस्ट्रेलिया का दौरा भी कर सकती हैं।

चीन में पटाखों में हुआ धमाका, आठ की मौत

बीजिंग। पूर्वी चीन में चंद्र नववर्ष से पहले पटाखों की एक दुकान में विस्फोट होने से आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई और दो अन्य मामूली रूप से झुलस गए। डोंगहाई काउंटी सरकार ने एक बयान में कहा कि जियांग्सू प्रांत के एक गांव में रविवार दोपहर विस्फोट तब हुआ जब एक व्यक्ति ने दुकान के पास पटाखा जला दिया। चीन में चंद्र नववर्ष की आधी रात पटाखे जलाना एक परंपरा है लेकिन हाल के वर्षों में वायु प्रदूषण से कई स्थानों पर पटाखों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

महिला से अभद्रता में भारतीय को जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उसके खिलाफ आपराधिक बल प्रयोग करने के जुर्म में पांच महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। खबर के मुताबिक, शुक्रवार को सजा के एलान के दौरान अदालत ने कहा कि 42 वर्षीय ओम कुमार राय ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। अदालती दस्तावेज से पीड़िता का विवरण हटा दिया गया है।

ईरान बोला-अगर अमेरिका प्रतिबंध हटाए तो हम समझौते के लिए तैयार

परमाणु मुद्दे पर जिनेवा में होने वाली दूसरे दौर की वार्ता के पूर्व ईरान ने दिए संकेत

● अमेरिका से समझौते के लिए ईरान ने अपनाया लचीला रुख

वाशिंगटन, एजेंसी

ईरान ने संकेत दिया है कि अगर अमेरिका प्रतिबंधों को हटाने पर चर्चा के लिए तैयार है तो वह वह अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता समझौते की पेशकश कर सकता है। अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता का एक नया दौर मंगलवार को जिनेवा में होने वाला है, जिसमें अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति के सलाहकार जारेड कुशनर के शामिल होने की उम्मीद है।

यह वार्ता छह फरवरी को ओमान में हुए पहले अप्रत्यक्ष दौर के बाद हो रही है, जहां ईरान ने यूरेनियम संवर्धन के अधिकार की मांग की थी, जबकि अमेरिका ने बैलिस्टिक मिसाइलों और हिजबुल्लाह जैसे क्षेत्रीय सहयोगियों पर व्यापक चर्चा के लिए दबाव डाला था। दोनों पक्षों ने पिछली बैठक को एक अच्छी शुरुआत बताया था, हालांकि बड़े मतभेद अभी भी बने हुए हैं। ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को कहा कि ईरान परमाणु समझौते पर अमेरिका के साथ समझौते के लिए तैयार है, बशर्ते अमेरिकी प्रशासन प्रतिबंधों को हटाने पर चर्चा करने का इच्छुक हो। ईरान के उप विदेश मंत्री माजिद तख्त-रवांची ने भी एक साक्षात्कार में कहा कि अब गेंद अमेरिका के पाले में है कि वह यह साबित करे कि वे समझौता करना चाहते हैं। यदि वे ईमानदार हैं, तो मुझे यकीन है कि हम समझौते की राह पर होंगे। रवांची ने ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) से कहा कि अगर वे प्रतिबंधों के बारे में बात करने के लिए तैयार हैं, तो हम अपने कार्यक्रम से संबंधित इस और अन्य मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं।

...तो इजराइली हमलों का समर्थन करेंगे ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से वादा किया है कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत असफल होती है, तो वह ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर इज़राइली हमलों का समर्थन करेंगे। अमेरिकी समाचार पोर्टल सीबीएस न्यूज ने यह दावा किया है। रविवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने यह बात दिसंबर में फ्लोरिडा के मार-ए-लागो में नेतन्याहू से मुलाकात के दौरान कही, जिसमें इस मामले से जुड़े दो स्रोतों का ज़िक्र है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी सैन्य और खुफिया अधिकारियों ने इस बात पर भी चर्चा की है कि अमेरिका ईरान की मिसाइल अवसंरचना के खिलाफ संभावित अभियान में इज़रायल की मदद कैसे कर सकता है। इसमें इज़राइली लड़ाकू विमानों के लिए हवा में ईंधन भरने देना और संबंधित क्षेत्रीय देशों से उनके एयरस्पेस में दाखिल होने की इजाज़त मांगना शामिल है।

वार्ता के लिए जिनेवा रवाना हुए अराघची

काहिरा। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची अमेरिका के साथ अप्रत्यक्ष वार्ता के दूसरे दौर के लिए स्विट्जरलैंड के जिनेवा रवाना हो चुके हैं, हालांकि समझौते की शर्तों पर अभी तक दोनों देशों के बीच कोई तालमेल नहीं नज़र आ रहा। ईरानी विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, अराघची मंगलवार को होने वाली वार्ता में कूटनीतिक और विशेषज्ञ प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। इस दौरान उनकी स्विट्ज़रलैंड के विदेश मंत्री इग्नाज़ियो कैसिस, ओमान के विदेश मंत्री सैयद बद्र बिन हमद अल-बुसैदी तथा अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रोसी और अन्य अधिकारियों से मुलाकात होने की उम्मीद है। अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 को जाएंगे इजराइल

यरुशलम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 और 26 फरवरी को दो दिवसीय इज़राइल दौरे पर रहेंगे। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को संपन्न कॉन्फ्रेंस ऑफ प्रेसिडेंट्स ऑफ मेजर अमेरिकन ज्यूइश ऑर्गनाइजेशंस को संबोधित करते हुए मोदी की यात्रा की घोषणा की। नेतन्याहू ने कहा, संसद में संबोधन प्रस्तावित है। अगले सप्ताह यहां कौन आ रहे हैं? नरेन्द्र मोदी। उन्होंने कहा, इज़राइल और भारत के बीच गहरी साझेदारी है और हम विभिन्न प्रकार के सहयोग पर चर्चा करने जा रहे हैं। आप जानते हैं कि भारत कोई छोटा देश नहीं है। इसकी आबादी 1.4 अरब है। भारत अत्यंत शक्तिशाली और अत्यंत लोकप्रिय है। एक सूत्र ने यहां बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा संक्षिप्त (25 से 26 फरवरी तक) रहने की संभावना है, लेकिन इसका प्रभाव गहरा होगा, क्योंकि मोदी को न केवल इज़राइल में, बल्कि दुनिया भर में लोकप्रियता हासिल है। यात्रा का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है और इस दौरान मोदी के इज़राइली संसद 'नेसेट' को संबोधित करने की संभावना है। समझा जाता है कि दो दिवसीय यात्रा के दौरान मोदी द्विपक्षीय और क्षेत्रीय महत्व के सभी मुद्दों को उठाएंगे।

कनाडा से द्विपक्षीय संबंध और मजबूत करेगा भारत

● विदेशमंत्री जयशंकर ने अपने कनाडाई समकक्ष से की वार्ता

म्यूनिख, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनकी कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद ने अगले महीने प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की संभावित भारत यात्रा से पहले म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय सहयोग प्रगाढ़ करने और साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की। ग्लोबल अफेयर्स कनाडा (जीएसी) द्वारा रविवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि सितंबर 2025 के बाद से मंत्रियों के बीच यह पांचवीं बैठक है, जो कनाडा-भारत संबंधों में बढ़ती गति को दर्शाती है।

जयशंकर ने शनिवार को हुई बैठक के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मुलाकात और बातचीत बहुत अच्छी रही। भारत-कनाडा संबंध लगातार प्रगति कर रहे हैं। दोनों मंत्रियों ने ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और व्यापार सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को और प्रगाढ़ करने पर चर्चा की। आनंद ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि कनाडा-भारत संबंधों और हमारे साझा हितों को आगे बढ़ाने के लिए आगामी कार्यों पर चर्चा करने के लिए मेरे भारतीय समकक्ष डॉ. एस जयशंकर से मिलकर अच्छा लगा। आनंद ने कनाडा के लिए एक साझेदार के रूप में भारत के महत्व को रेखांकित किया, दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के महत्वपूर्ण साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की।

समुद्री सुरक्षा को और बढ़ावा देंगे भारत-ग्रीस

नई दिल्ली। भारत और ग्रीस ने समुद्री सुरक्षा को बढ़ावा देने, नौसेनाओं के संचालन में पारस्परिक सामंजस्य को मजबूत बनाने तथा पेशेवर सहभागिता को और प्रगाढ़ करने के लिए साझा प्रतिबद्धता दोहराई है। ग्रीस की नौसेना के प्रमुख, वाइस एडमिरल दिमित्रियोस एलेफ्थेरियोस कातारास ने यहां नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी के साथ वार्ता की। नौसेना ने एक पोस्ट में बताया कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय समुद्री सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करने पर विस्तृत चर्चा की।

चार अदालतों को बम से उड़ाने की दी गई धमकी

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ और मांड्या, कोडगु तथा बेंगलुरु दक्षिण की जिला अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद सोमवार को व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस ने बताया कि एहतियात के तौर पर धारवाड़, मांड्या जिलों, बेंगलुरु दक्षिण और कोडगु जिलों में अदालत परिसरों से वकीलों और कर्मचारियों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने परिसर को घेर लिया और गहन जांच की। व्यापक तलाशी अभियान के बाद संबंधित जिलों की पुलिस ने इसे फर्जी ईमेल करार दिया, क्योंकि किसी भी अदालत में संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, दोपहर में ईमेल प्राप्त हुआ।

चेक बाउंस के मामले में राजपाल यादव को बेल

नई दिल्ली, एजेंसी

● दिल्ली हाईकोर्ट ने 18 मार्च तक स्थगित की अभिनेता की सजा

दिल्ली उच्च न्यायालय ने चेक बाउंस मामलों में अभिनेता राजपाल यादव की सजा 18 मार्च तक स्थगित कर दी और उन्हें जेल से रिहा किए जाने की अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने यह आदेश इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए पारित किया कि यादव ने शिकायतकर्ता कंपनी मैसर्स मुरली प्रोजेक्ट्स प्रालि के बैंक खाते में 1.5 करोड़ रुपये जमा कर दिए हैं।

न्यायाधीश ने कहा कि हम अंतरिम रूप से आपकी सजा को स्थगित कर रहे हैं।। यादव ने 19 फरवरी को अपने परिवार में होने वाली शादी के आधार पर उनकी सजा को स्थगित करने का अनुरोध किया था। अदालत ने यादव को अपना पासपोर्ट सौंपने और बिना अनुमति के देश न छोड़ने का निर्देश दिया। अदालत ने यादव को सुनवाई की अगली तारीख 18 मार्च को भौतिक रूप से या ऑनलाइन माध्यम से पेश होने का निर्देश दिया। अदालत बॉलीवुड अभिनेता व उनकी पत्नी की पुनरीक्षण याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

एसडीपीआई के अध्यक्ष फैजी को मिली जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़े कथित धनशोधन के मामले में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम.के. फैजी को सोमवार को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने यह आदेश सुनाया। एसडीपीआई की स्थापना 2009 में हुई थी और इसका मुख्यालय दिल्ली में है। एसडीपीआई पर अब प्रतिबंधित पीएफआई की राजनीतिक इकाई होने का आरोप है। इससे पहले ईडी ने एसडीपीआई को पीएफआई की राजनीतिक इकाई बताया था। केंद्र सरकार ने सितंबर 2022 में पीएफआई को गैरकानूनी संगठन बताते हुए उस पर प्रतिबंध लगा दिया था।

गाजा में शांति को पांच अरब डॉलर देगा शांति बोर्ड : ट्रंप

वाशिंगटन,एजेंसी

● अमेरिका के राष्ट्रपति ने की अंतर्राष्ट्रीय योगदान की घोषणा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाज़ा शांति योजना में अंतर्राष्ट्रीय योगदान की घोषणा करते हुए सोमवार को कहा कि शांति बोर्ड के सदस्य देशों ने क्षेत्र में मानवीय एवं पुनर्निर्माण कार्यों के लिए पांच अरब डॉलर से ज्यादा देने का वादा किया है। ट्रंप ने कहा कि इस पहल को 19 फरवरी 2026 को वाशिंगटन डीसी में डोनाल्ड जे ट्रंप शांति संस्थान में अंतिम रूप दिया जाएगा। यहां शांति बोर्ड के सदस्य बैठक करेंगे।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, शांति बोर्ड में असीम संभावनाएं हैं। वाशिंगटन डीसी के डोनाल्ड जे ट्रंप शांति संस्थान में 19 फरवरी 2026 को शांति बोर्ड के सदस्य मेरे साथ होंगे जहां हम घोषणा करेंगे कि सदस्य देशों ने गाज़ा के मानवीय और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए पांच अरब डॉलर से ज्यादा देने का वादा किया है। साथ ही गाज़ा के लोगों के लिए सुरक्षा और शांति बरकरार रखने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्थायीकरण बल एवं स्थानीय पुलिस बल में हजारों कर्मी उतारने का भी वादा किया है। ट्रंप ने दावा किया कि अक्टूबर 2025 में गाजा संघर्ष को पूरी तरह खत्म करने की एक योजना बनाई थी, जिसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने स्वीकार कर लिया था। कहा कि उनकी पहल ने मानवीय राहत को रिकॉर्ड रफ्तार से जरूरतमंदों तक पहुंचाया।

न्यूजीलैंड में तूफान से हवाई यातायात ठप

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के उत्तरी द्वीप में भारी बारिश एवं तेज हवाओं के कारण हवाई यातायात बाधित हो गया है। इसकी वजह से कई उड़ानें रद्द की गई हैं और 30,000 से अधिक घरों में बिजली गुल हो गई है। वेलिंगटन हवाई अड्डे के अनुसार, आज सुबह ओशिनिक द्वीप और देश की राजधानी के बीच आवागमन करने वाली अधिकांश उड़ानें रद्द या विलंबित रहीं। एयर न्यूजीलैंड ने वेलिंगटन, नेपियर और पामर्स्टन नॉर्थ हवाई अड्डों पर अस्थायी रूप से उड़ानें निलंबित कर दी हैं। खराब मौसम के कारण कुछ सड़कें बंद कर दी गई हैं और ट्रेन एवं फेरी सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। वेलिंगटन के अधिकारियों ने वाहन चालकों से यात्रा करने से बचने का आग्रह किया है।

आज का भविष्यफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 17 फरवरी, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-फाल्गुन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अमावस्या 17 .30 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

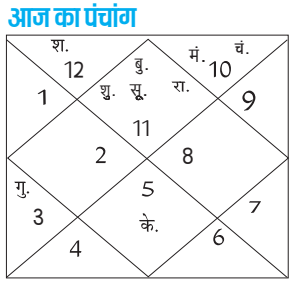

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- धनिष्ठा 09 .16 तक तत्पश्चात शतभिषा।

मेष आज शिक्षण कार्यों से जुड़े लोगों की प्रसिद्धि बढ़ेगी। आप लोगों की सहायता करने का प्रयास करेंगे। नए व्यवसाय की शुरुआत करने के लिए आप प्रेरित हो सकते हैं। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बितायेंगे। दूसरों पर अधिक निर्भर न रहें।

वृष आज महत्वपूर्ण कार्य देरी से पूरे हो सकते हैं। अपने विचारों को दूसरों पर थोपने से बचें। स्टॉक मार्केट में सावधानीपूर्वक निवेश करें। विदेश में रहने वाले लोगों को कुछ समस्या हो सकती है। बच्चों को लेकर कुछ परेशान हो सकते हैं। कमर दर्द को लेकर समस्या हो सकती है।

मिथुन आज कारोबार में बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है। किसी पुरानी बात को लेकर आप सोच-विचार करेंगे। साहसिक निवेश में आप रुचि ले सकते हैं। भविष्य को लेकर बड़ा निर्णय लेंगे। संपत्ति विवाद के तूल पकड़ने की आशंका है।

कर्क आज व्यर्थ के कार्यों में समय बर्बाद न हो इसका ध्यान रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। निर्माण संबंधी कार्यों में आ रही बाधा दूर होगी। घरेलू उपयोग के लिए वस्तुओं को खरीद सकते हैं। अपनी रुचि के अनुसार कार्य करना पसंद करेंगे।

सिंह आज आपको अपने काम करने के तरीके को बदलने की आवश्यकता है। दांपत्य संबंधों में मधुरता रहेगी। घर के लोगों से अपना व्यवहार अच्छा रखें। किसी जरूरत की वस्तु को प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। नए कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं।

कन्या आज आपके व्यवहार की लोग प्रशंसा करेंगे। स्वास्थ्य को लेकर आज अत्यंत सजग रहेंगे। लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बितायेंगे। काम में आ रही रुकावटों के कारण जो चिंता थी वो काफी हद तक दूर हो जायेगी।

तुला आज रक्तचाप के रोगियों को अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए। अधिक मसालेदार और गरम भोजन का सेवन न करें। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करना आपको भारी पड़ सकता है। मन में कुछ शंका पनपती रहेगी। आय के स्रोतों में कमी आ सकती है।

वृश्चिक आज आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। छात्रों का मन पढ़ाई में लगेगा। आर्थिक लेन-देन के लिए दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। उच्च अधिकारियों से आपको सहायता मिलेगी। अधूरे छोड़े हुए कार्यों को आज पुन: प्रारम्भ करने का प्रयास करेंगे।

धनु आज आपके मन में प्रसन्नता और उत्साह का भाव रहेगा। ऑनलाइन भुगतान के दौरान सावधानी रखें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवन के प्रति सकारात्मकता बढ़ेगी। अपच के कारण एसीडिटी जैसी समस्या हो सकती है।

मकर आज आपको किसी व्यापारिक यात्रा के लिए जाना पड़ सकता है। परिवार में किसी अनहोनी घटना का भय बना रहेगा। अनावश्यक बहसबाजी से दूर रहें। माता-पिता आप पर अविश्वास जतायेंगे। लोग आपके स्वाभिमान को चोट पहुँचा सकते हैं।

कुंभ आज तत्परता के साथ काम पूरा करने पर आपका फोकस रहेगा। रिटेल व्यापार संबंधित कार्यों में अच्छी प्रगति होगी। आपके ऊपर लक्ष्यों को प्राप्त करने का दबाव रहेगा। कड़ी धूप के सीधे संपर्क में आने से बचें, अन्यथा सिरदर्द जैसी समस्या हो सकती है।

मीन आज युवाओं के विवाह की चर्चा आगे बढ़ सकती है। बच्चों की सफलता से स्वयं को गौरवान्वित महसूस करेंगे। धन की कमी के कारण समस्या होगी। निम्न रक्तचाप की समस्या होने की आशंका है। कारोबार में विस्तार के लिए लोन लेना पड़ सकता है।

सुडोकू-64

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			2			7		4
4				7			5	
			1		3			8
		5		3			8	
	4					2		
	3			9		1		
3			9		4			
	2	4		6				9
6					7			

सुडोकू - 63 का हल

4	1	3	7	6	8	9	5	2
9	7	2	4	3	5	1	8	6
5	6	8	9	2	1	3	4	7
1	2	6	8	7	4	5	9	3
7	4	9	5	1	3	6	2	8
8	3	5	2	9	6	7	1	4
6	9	7	1	4	2	8	3	5
2	8	1	3	5	7	4	6	9
3	5	4	6	8	9	2	7	1

भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच के दौरान अतिरिक्त दबाव होता है, लेकिन खिलाड़ी सदियों पुरानी प्रतिद्वंद्विता को लेकर बाहर हो रही चर्चाओं पर गौर न करके शांतचित्त होकर अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करते हैं।

-अक्षर पटेल

स्टेडियम

हल्द्वानी, मंगलवार, 17 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

आज के मैच

टीम	समय
कनाडा-न्यूजीलैंड	पूर्वाह्न 11 बजे
आयरलैंड-जिम्बाब्वे	दोपहर 3 बजे
नेपाल-स्कॉटलैंड	शाम 7 बजे

हाईलाइट

इटली को 24 रनों से हराकर इंग्लैंड पहुंचा सुपर आठ में

कोलकाता। विल जैक्स के हरफनमौला प्रदर्शन से इंग्लैंड ने आखिर तक जुझारू प्रदर्शन कर रही इटली को 24 रन से हराकर सोमवार को टी-20 विश्व कप के सुपर आठ में प्रवेश कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए जैक्स की आक्रामक पारी के दम पर इंग्लैंड ने आखिरकार अपनी लय हासिल करते हुए सात विकेट पर 202 रन बनाए। जैक्स ने 22 गेंद में छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 54 रन बनाए और टूर्नामेंट में पहली बार टीम को 200 रन के पार पहुंचाया। जवाब में इटली ने शानदार प्रदर्शन किया। एक समय लग रहा था कि कोई उलटफेर हो जाएगा पर इंग्लैंड ने वापसी की। इटली के लिए बेन मानेंटी ने 25 गेंद में 60 और ग्रांट स्टीवर्ट ने 23 गेंद में 45 रन बनाए। जैक्स ने समय पर मानेंटी को आउट करके इंग्लैंड को मैच में लौटाया। इटली की टीम 20 ओवर में 178 रन ही बना सकी।

अफगानिस्तान ने यूएई को हराकर उम्मीद को कायम रखा

नई दिल्ली। अजमतुल्लाह उमरजई के ऑलराउंड प्रदर्शन और सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान के अर्धशतक से अफगानिस्तान ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी मैच में सोमवार को यहां यूएई को पांच विकेट से हराकर सुपर आठ में जगह बनाने की अपनी धुंधली उम्मीदों को जीवंत रखा। यूएई के 161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान ने जादरान (53 रन, 41 गेंद, छह चौके, एक छक्का), दारविश रसूली (23 गेंद में 33 रन) और अजमतुल्लाह (21 गेंद में नाबाद 40 रन, तीन छक्के, दो चौके) की पारियों से 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन बनाकर जीत दर्ज की। पहले दो मैच में शिकस्त झेलने वाले अफगानिस्तान के ग्रुप में अब दो अंक हैं। यूएई के भी दो अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका छह अंक के साथ सुपर आठ के लिए क्वालीफाई कर चुका है जबकि न्यूजीलैंड के चार अंक हैं। इन सभी टीम ने तीन-तीन मैच खेले हैं।

अब सेमीफाइनल या फाइनल में ही हो सकता है महा मुकाबला

मनीष श्रीवास्तव, खेल डेस्क

- टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 में भारत और पाकिस्तान मैच नहीं

अमृत विचार। भारतीय टीम द्वारा कोलंबों में पाकिस्तान को टी-20 वर्ल्ड कप मैच में करारी शिकस्त देने से फैंस का जोश और रोमांच सातवें आसमान पर है, और वह एक बार फिर से दोनों देशों के बीच हाईवोल्टेज मुकाबले की संभावनाएं देख रहे हैं।

टूर्नामेंट में अभी तक भारत और पाकिस्तान ने तीन-तीन मुकाबले खेले हैं। ग्रुप-ए में भारत तीन जीत के साथ सुपर-8 राउंड में पहुंच गया है, वहीं दो मैच जीतने वाले पाकिस्तान के सामने 18 फरवरी को नामीबिया पर जीत हासिल करने की चुनौती है। जहां तक सुपर-8 में भारत और पाकिस्तान का मैच होने की बात है, तो यह कतई नहीं हो सकता है।

सुपर-8 में भारत-पाक टीमों के बीच मैच नहीं होने की वजह यह है कि प्री-सीडिंग व्यवस्था के अंतर्गत भारत और पाकिस्तान को सुपर-8 के अलग-अलग ग्रुप में रखा गया है। इस चरण में पहुंचने वाली टीमें केवल अपने ग्रुप में विरोधी टीमों का सामना करेंगी, इसलिए सुपर-8 में भारत-पाक के बीच दोबारा मुकाबला होना संभव नहीं है, लेकिन भारत और पाकिस्तान की टीमें अगर सेमीफाइनल में पहुंचती हैं तो दोनों के बीच एक बार फिर भिड़ंत हो सकती है।

अपने ग्रुप में पहले या दूसरे स्थान पर ही दोबारा भिड़ंत : सेमीफाइनल में भारत-पाक मैच के लिए शर्त यह है कि जब एक टीम अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहे और दूसरी टीम दूसरे ग्रुप में दूसरे स्थान पर आए। अगर भारत और पाकिस्तान दोनों टीमें अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष पर या दूसरे स्थान पर रहती हैं तो दोनों के बीच सेमीफाइनल में भी भिड़ंत संभव नहीं होगी। टी-20 वर्ल्ड कप का पहला सेमीफाइनल 4 मार्च और दूसरा 5 मार्च को खेला जाना है। अगर दोनों टीमें सेमी फाइनल में पहुंचकर अपने-अपने मैच जीतती हैं, तो फाइनल में महा मुकाबले की तस्वीर बनेगी।

सुपर-8 की यह है तस्वीर

सुपर-8 में पहुंचने वाली टीमों के दो ग्रुप बनाए जाएंगे। ग्रुप-1 की 4 टीमों को अपने ग्रुप में आपस में मैच खेलने होंगे। यही कहानी ग्रुप-2 में भी होगी। सुपर-8 के लिए दोनों ग्रुप के लिए पहले से तय सीडिंग के आधार पर क्वालीफाई करने पर ग्रुप-1 में भारत को एक्स-1, आस्ट्रेलिया को एक्स-2, वेस्ट इंडीज को एक्स-3 और दक्षिण अफ्रीका को एक्स-4 टीम के रूप में नामित किया गया है। इसी तरह ग्रुप-2 में इंग्लैंड को वाई-1, न्यूजीलैंड को वाई-2, पाकिस्तान को वाई-3 और श्रीलंका को वाई-4 के रूप में नामित किया गया है। अब इनमें से जो टीम सुपर-8 में नहीं पहुंचेगी, उसके स्थान पर उसके ग्रुप से पहुंचने वाली दूसरी टीम शामिल हो जाएगी।

सुपर-8 में द. अफ्रीका, वेस्ट इंडीज से मैच तय, श्रीलंका व जिम्बाब्वे से संभावित

प्री सीडिंग के अनुसार सुपर-8 में पहुंचने के साथ ही भारत (एक्स-1) के मैचों की स्थिति भी स्पष्ट हो गई है। सुपर-8 में भारत की पहली भिड़ंत दक्षिण अफ्रीका (एक्स-4) से 22 फरवरी को अहमदाबाद में होगी, जबकि 26 फरवरी को संभावित रूप से चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के साथ मुकाबला करना होगा। एक मार्च को भारत अपना सुपर-8 का अंतिम मैच वेस्ट इंडीज (एक्स-3) के साथ खेलेगा।

टी-20 विश्व कप : पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई शानदार पारी की हो रही जमकर तारीफ

इशान किशन : आज में जीने वाला जिंदादिल खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड की 1965 में आई फिल्म 'वक्त' में आशा भोंसले का गाया गाना "आगे भी जाने ना तू, पीछे भी जाने ना तू, जो भी है बस यही एक पल है" समय की अनिश्चितता को दर्शाता है कि जिंदगी कभी भी बदल सकती है, भविष्य अनजान है और अतीत को बदला नहीं जा सकता है लेकिन इशान किशन के लिए ये शब्द एक अलग मायने रखते हैं। यह शायद किशन का पसंदीदा गाना नहीं हो लेकिन इन पंक्तियों का भाव उनके करियर की कहानी से मिलती है।

पटना के 27 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ने उस दौर से वापसी की जब भारतीय क्रिकेट जगत उनसे उम्मीद छोड़ने लगा था। ऋषभ पंत टी20 विश्व कप विजेता टीम में वापसी कर चुके थे, ध्रुव जुरेल प्रभावी प्रदर्शन कर रहे थे, संजू सैमसन हमेशा की तरह दावेदार थे और जितेश शर्मा भी अपनी उपयोगिता साबित कर रहे थे। ऐसे में चयन क्रम में पांचवें स्थान पर खड़े किशन के लिए राह लगभग बंद दिख रही थी। आक्रामक शैली के इस बल्लेबाज के लिए लगातार अनिश्चितता के सहारे जीवन बिताना आसान नहीं था। किशन ने मानसिक थकान के चलते ब्रेक लेने का फैसला किया। लेकिन इसके बाद उन्हें चयन से बाहर किया गया, केंद्रीय अनुबंध रद्द हुआ और उन पर घरेलू क्रिकेट को लेकर गंभीर नहीं होने के आरोप लगे।

उनके करीबी मित्र अंशुमत श्रीवास्तव ने कहा अगले ही दिन से लोगों ने मान लिया कि वह क्रिकेट को लेकर गंभीर नहीं हैं। तरह-तरह की बातें लिखी गईं। किशन ने हालांकि इन बातों पर कभी प्रतिक्रिया नहीं दी। मुस्कुराते रहे और मेहनत करते रहे। वर्तमान में जीना कठिन होता है, लेकिन उन्होंने इस प्रक्रिया को सर्वोपरि मान लिया।

अंशुमत के अनुसार आज आप जो पाकिस्तान के खिलाफ देख रहे हैं, वह दो साल पहले शुरू की गई प्रक्रिया का परिणाम है। ये रन उस प्रक्रिया का एक हिस्सा है। अंशुमत पटना स्थित 'इशान किशन क्रिकेट अकादमी' के सह-संस्थापक भी हैं और इस दौरान उनकी मेहनत के साक्षी रहे। इस मुश्किल दौर में अंशुमत के अलावा किशन के परिवार और करीबी लोगों का सुरक्षा घेरा बना रहा।

पिता प्रणव पांडेय, बड़े भाई और चिकित्सक राज किशन ने उन्हें भावनात्मक संबल दिया। किशन की दिनचर्या पूरी तरह बदल गई। बेहतर एकाग्रता के लिए उन्होंने ध्यान शुरू किया। पिता की सलाह पर भगवद गीता पढ़नी शुरू की। अभ्यास के लिए वह नियमित तौर पर दिन में दो बार अपनी अकादमी जाते। पोषण पर ध्यान देने के लिए निजी शेफ रखा और बाहर का खाना छोड़ दिया। नींद और आराम की निगरानी भी व्यवस्थित ढंग से की गई। भले ही किशन ने सार्वजनिक तौर पर कुछ नहीं कहा, लेकिन भारतीय क्रिकेट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर उठे सवाल उन्हें आहत कर गए थे।

अंशुमत ने कहा ब्रेक के दौरान वह मानसिक रूप से थके हुए थे और उन्हें विश्राम की जरूरत थी। उन्होंने इसे अपने तरीके से संभाला। यह कभी लक्ष्य नहीं रहा कि रणजी, सैयद मुश्ताक अली या विजय हजारे ट्रॉफी में इतने रन बनाने हैं। न्यूजीलैंड श्रृंखला और घरेलू क्रिकेट में उनका औसत शानदार रहा। मिलनसार और खुशमिजाज स्वभाव के किशन टीम माहौल को हल्का बनाए रखना पसंद करते हैं। अंशुमत कोलंबो सिर्फ पाकिस्तान मैच देखने नहीं, बल्कि अपने इस 'भाई' के साथ रहने भी पहुंचे। उन्होंने कहा वह मजाक करना और हंसी-मजाक से माहौल हल्का रखना पसंद करते हैं।

खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर आजम और शाहीन शाह अफरीदी की हो सकती है छुट्टी

कराची। भारत के खिलाफ कोलंबो में अहम मुकाबले में नाकाम रहने के बाद नामीबिया के खिलाफ टी20 विश्व कप के अगले मैच में खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर आजम और शाहीन शाह अफरीदी की पाकिस्तानी टीम से छुट्टी हो सकती है। पाकिस्तानी टीम प्रबंधन के विश्वस्त सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने भारत से मिली 61 रन से हार के बाद टीम मैनेजर नावेद अकरम चीमा को नाराजगी जता दी है। सूत्र ने कहा पीसीबी अध्यक्ष प्रेमदासा स्टेडियम से मैच खत्म होने से पहले ही चले गए क्योंकि पाकिस्तान की हार तय हो चुकी थी। सूत्र ने यह भी कहा कि नकवी ने पीसीबी के एक आला अधिकारी के जरिये मैनेजर को संदेश दिया है कि इस तरह का प्रदर्शन स्वीकार्य नहीं है। कोच माइक हेसन ने भी ड्रेसिंग रूम में टीम से बात करके कहा कि उन्होंने अपनी क्षमता के अनुरूप नहीं खेला। टीम प्रबंधन ने तय किया है कि अब बहुत हो चुका और बाबर आजम तथा शाहीन को आराम देकर सलमान मिर्जा और नसीम शाह या फखर जमां को उतारा जाए।

बेखौफ किशन ने हमसे मैच छीन लिया : हेसन

कोलंबो। पाकिस्तान के मुख्य कोच माइक हेसन ने कहा कि बेखौफ होकर खेल रहे ईशान किशन के तूफानी अर्धशतक ने उनकी टीम और भारत के बीच अंतर पैदा किया। किशन की 40 गेंद पर 77 रन की तूफानी पारी की मदद से भारत ने रविवार को यहां पाकिस्तान को 61 रन से हराकर सुपर आठ में जगह पक्की कर ली। हेसन ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा मुझे लगता है कि वह बेखौफ होकर खेलता है। वह मैदान के दोनों तरफ रन बना सकता है। इसलिए वह सिर्फ लेग साइड तक ही सीमित नहीं है। हम जानते हैं कि वह लेग साइड का मजबूत बल्लेबाज है, लेकिन वह रिवर्स शॉट भी खेल सकता है। इसलिए, अगर विशेष कर पावर प्ले में स्पिन गेंदबाज गेंदबाजी कर रहे हो तो उसे रोकना चुनौती हो सकती है। हेसन ने स्वीकार किया कि किशन ने प्रेमदासा की धीमी पिच पर पाकिस्तान के धीमे गेंदबाजों के खिलाफ 37 गेंदों में 66 रन बनाकर उनकी स्पिन-प्रधान रणनीति को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि जिस तरह से वह शानदार फॉर्म में हैं, उससे हमारे स्पिनरों पर काफी दबाव पड़ा और शायद वे 'बेसिक्स' से भटक गए। उसके अलावा (शिवम) दुबे का प्रदर्शन थोड़ा बेहतर था, लेकिन मुकाबला कठिन था।

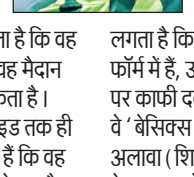

पहली पारी में ही गंवा दिया था मैच : वकार यूनिस

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनिस ने भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप में 61 रन की करारी शिकस्त के बारे में कहा कि जब सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 175 रन बनाए तो पाकिस्तान की टीम उसी समय इस मैच से बाहर हो गई थी। वकार ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा पाकिस्तान ने पहली पारी में ही मैच गंवा दिया। एक बार जब भारत ने 175 रन बना लिए तो मैच पाकिस्तान की पकड़ से बाहर हो गया था। गेंद स्पिन हो रही थी और सूर्यकुमार यादव ने गेंदबाजी में पूरी समझदारी से बदलाव किए। उन्होंने कहा मुझे नहीं लगता कि पाकिस्तान ने अपने स्पिन गेंदबाजों का उतना अच्छा इस्तेमाल किया जितना भारत ने किया। लेकिन मैच पहली पारी में ही खत्म हो गया था क्योंकि भारत ने बहुत ज्यादा रन बना लिए थे। हम सभी जानते हैं कि पाकिस्तान की बल्लेबाजी बहुत अच्छी नहीं है। लेकिन अगर भारत ने 175 की जगह 140 या 150 रन बनाए होते तो शायद स्थिति अलग होती।

भारत-पाक मैचों का व्यावसायिक महत्व जल्द हो जाएगा कम

कराची, एजेंसी

- पाकिस्तानी क्रिकेट विशेषज्ञों ने लगातार हार पर जताई चिंता

पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ियों और क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला लगातार एकतरफा होने और भारत के दबदबे के कारण इन मुकाबलों का व्यावसायिक महत्व कम होता जा रहा है।

भारत की रविवार को आसान जीत ने पाकिस्तान को पहले से कहीं ज्यादा झटका दिया है क्योंकि ऐसी उम्मीदें थीं कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साथ हाल के गतिरोध के दौरान देश के प्रशासकों के कड़े रुख के बाद खिलाड़ी भी मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। लेकिन भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से करारी शिकस्त दी जिससे दोनों टीमों के बीच अंतर भी स्पष्ट हो गया। टी20 विश्व कप में भारत ने पाकिस्तान को नौ में से आठ मैचों में हराया है। इसके अलावा पिछले साल एशिया कप में सलमान अली आगा की अगुवाई वाली टीम को भारत से लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा था।

भारत का पाकिस्तान पर सीमित ओवरों की क्रिकेट में दबदबे का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जीत के बाद से पाकिस्तान अपने चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक भी वनडे मैच नहीं जीत पाया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) तौकीर जिया ने कहा कि हर हार के साथ आईसीसी में बहुचर्चित इन मैचों का व्यावसायिक महत्व कम होता जा रहा है। उन्होंने कहा सच तो यह है कि पाकिस्तान और भारत के बीच के मैच बहुत एकतरफा हो गए हैं। देर-सवेर आईसीसी और सदस्य बोर्ड के लिए पाकिस्तान और भारत के बीच के मैचों का महत्व कम हो जाएगा। यहां एक विज्ञापन एजेंसी चलाने वाले परवेज़ मीर ने इस बात से सहमति जताई कि पाकिस्तान के प्रशंसक कभी बराबरी पर रहने वाली प्रतिद्वंद्विता के फिर से शुरू होने की उम्मीद खोते जा रहे हैं।

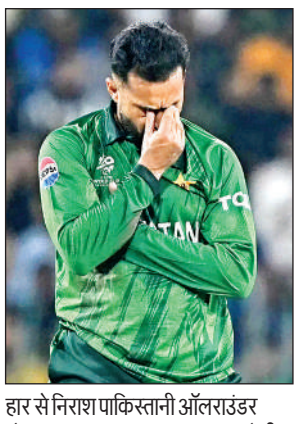

हार से निराश पाकिस्तानी ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज। एजेंसी

श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से हराकर सुपर आठ में जगह पक्की की

पालेकल, एजेंसी

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते श्रीलंका के बल्लेबाज पतुम निसंका।

पथुम निसांका की नाबाद शतकीय पारी से श्रीलंका ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप बी मैच में सोमवार को यहां ऑस्ट्रेलिया को 12 गेंद शेष रहते आठ विकेट से हरा कर सुपर आठ में अपनी जगह पक्की कर ली। ऑस्ट्रेलिया को 181 रन पर आउट करने के बाद श्रीलंका ने 18 ओवर में दो विकेट पर 184 रन बनाकर शानदार जीत दर्ज की। तीन मैच में दूसरी हार साथ ही ऑस्ट्रेलिया के लिए सुपर आठ में पहुंचने की राह मुश्किल हो गयी। श्रीलंका के लिए सलामी बल्लेबाज निसांका ने 52 गेंद में नाबाद 100 रन की शानदार पारी खेली। कुसल मेंडिस ने 38 गेंद में 51 रन का योगदान दिया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श और ट्रेविस हेड के विस्फोटक अर्धशतकों के दम पर मजबूत शुरुआत करने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया सोमवार को यहां टी20 विश्व कप ग्रुप बी मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ 20वें ओवर की आखिरी गेंद पर 181 रन पर सिमट गया। चोट के कारण टूर्नामेंट के शुरुआती दो मैच नहीं खेल पाए मार्श ने वापसी करते ही आक्रामक अंदाज अपनाया और 27 गेंदों में 54 रन ठोक डाले। हेड ने भी 29 गेंदों में 56 रन की तूफानी पारी खेली। दोनों ने मिलकर नौ ओवर से कम समय में 104 रन जोड़कर ऑस्ट्रेलिया को 200 से अधिक के स्कोर की राह पर ला खड़ा किया।

श्रीलंका के गेंदबाजों ने हालांकि आखिरी 10 ओवरों में शानदार वापसी की। लेग स्पिनर दुशान हेमंथा (चार ओवर में 37 रन पर तीन विकेट) सबसे सफल गेंदबाज रहे। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी चार विकेट महज छह रन के अंदर गंवा दिये। पहले गेंदबाजी करने का श्रीलंका का फैसला शुरुआत में गलत साबित हुआ। मार्श और हेड ने चौकों-छक्कों की झड़ी लगा दी।

अभिषेक शर्मा पहले क्रीज पर समय बिताये : शास्त्री

कोलंबो। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अपनी पारी की शुरुआत में अधिक धैर्य रखने की सलाह दी है। पाकिस्तान पर भारत की 61 रन की जबरदस्त जीत के दौरान अभिषेक बिना किसी रन के आउट होने पर शास्त्री ने कहा कि अभिषेक को आक्रामक बल्लेबाजी से पहले क्रीज पर अधिक समय बिताने की सलाह दी है। आईसीसी ने शास्त्री के हवाले से कहा मुझे लगता है कि वह खेलने लायक है, लेकिन उसे स्वयं को थोड़ा और समय देना होगा। ऐसी चीजे होती हैं, और आप गुस्से में आ सकते हैं, लेकिन उसे वापस पटरी पर आने तक खुद को थोड़ा और समय देना होगा। उन्होंने कहा कि क्योंकि उसके लिए बाद में उन डॉट बॉल को बाउंड्री और छक्के में बदलना मुश्किल नहीं है। इसके उलट, विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन शानदार फॉर्म में हैं।

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल | दूसरे दिन की खेल समाप्ति तक कर्नाटक ने छह विकेट पर बनाए 689 रन

पडिक्कल के दोहरे शतक से उत्तराखंड बेदम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के दूसरे दिन बल्लेबाजों का ऐसा दबदबा देखने को मिला। दिन का सबसे बड़ा आकर्षण युवा बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल का ऐतिहासिक दोहरा शतक रहा, जिसके चलते कर्नाटक ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक छह विकेट पर 689 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया।

दूसरे दिन कर्नाटक ने दो विकेट पर 355 रन से आगे खेलना शुरू किया और आक्रामक अंदाज में रन गति को आगे बढ़ाया। क्रीज पर जमे देवदत्त पडिक्कल ने अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर के साथ पारी को मजबूती दी। नायर ने 108 गेंदों में आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 60 रन बनाए। पडिक्कल ने 288 गेंदों में अपने प्रथम श्रेणी करियर का पहला दोहरा शतक जड़ते हुए 232 रनों की यादगार पारी खेली। उनकी पारी में 29 चौके और तीन छक्के शामिल रहे। रविचंद्रन स्मरण ने 10 चौकों की मदद से शतक पूरा किया। उत्तराखंड टीम की ओर से आदित्य रावत ने 132 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। अभय नेगी, अवनीश सुधा और लक्ष्य को एक-एक सफलता मिली।

दोहरा शतक लगाने के बाद जश्न मनाते कर्नाटक के देवदत्त पडिक्कल। अमृत विचार

शमी के तीन विकेट से जम्मू कश्मीर-बंगाल मैच में रोमांच बढ़ा

कल्याणी। मोहम्मद शमी के तीन विकेट के बावजूद जम्मू कश्मीर ने बंगाल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के दूसरे दिन सोमवार को पांच विकेट पर 198 रन बना लिए जिससे मुकाबला अभी भी बराबरी का है। बंगाल ने पांच विकेट पर 249 रन से आगे खेलते हुए पहली पारी में 328 रन बनाए। जम्मू कश्मीर के लिए आकिब नबी ने 26 ओवरों में 87 रन देकर पांच विकेट लिए। इस रणजी सत्र में उनके 50 विकेट पूरे हो गए हैं। बंगाल के लिए फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज सुदीप कुमार कल के स्कोर में दस रन और जोड़कर 146 रन पर आउट हो गए। अनुभवी सुमंता गुप्ता ने 36 गेंद में 39 रन बनाए। बायें तेज गेंदबाज सुनील कुमार ने तीन विकेट लिए।